@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 13 जून 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 219 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

फिनलैंड राष्ट्रपति स्टब ने भारत को बताया 'प्रभावशाली देश'

जयशंकर के साथ वैश्विक मुद्दों पर की चर्चा

एजेंसी
हेलसिंकी । फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने भारत को वैश्विक मंच पर एक 'प्रभावशाली देश' बताया और कहा कि नई दिल्ली की राय को सुनना बहुत जरूरी है। उन्होंने यह बात हेलसिंकी में हुए 'कुलतारना टॉक्स' के मौके पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ मुलाकात के दौरान कही। मुलाकात के बाद स्टब ने 'एक?स' पर लिखा, 'आज हमने कुलतारना में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की। हमने मध्य पूर्व और फारस की खाड़ी की स्थिति, रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की कोशिशों और आने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन पर चर्चा की। भारत एक प्रभावशाली देश है, जिसकी राय सुनना बहुत महत्वपूर्ण है। ' दोनों नेताओं ने बदलती

वैश्विक स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया और इस बात पर जोर दिया कि आज के अनिश्चित माहौल में कूटनीति बहुत जरूरी है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने भी इस मुलाकात की जानकारी 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा, 'कुलतारना वार्ता के मौके पर फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब से मिलकर खुशी हुई। हमने बदलती वैश्विक स्थिति पर विचार साझा किए और इस बात पर जोर दिया कि इस अनिश्चित दुनिया में कूटनीति कितनी जरूरी है। ' उन्होंने कहा, 'भारत और फिनलैंड अपनी रणनीतिक साझेदारी को डिजिटल तकनीक और सतत विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और साझा हितों के मुद्दों पर बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को मजबूत कर रहे हैं। '

विदेश मंत्री जयशंकर ने फिनलैंड की विदेश मंत्री एलिना वाल्टोनन और यूएई की विदेश राज्य मंत्री लाना नुसेबेह के साथ 'उभरती शक्तियां और नई भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा' विषय पर चर्चा में भी हिस्सा लिया। इस चर्चा में उन्होंने कहा कि दुनिया में चल रहे संघर्षों की वजह से असर सिर्फ उन क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को मिलकर कोशिश करनी चाहिए कि इन संघर्षों के असर को कम किया जाए और बातचीत के जरिए समाधान का माहौल बने। उन्होंने कहा कि सप्लाई चेन को ज्यादा मजबूत और विविध बनाना जरूरी है, ताकि दुनिया किसी एक स्रोत पर निर्भर न रहे। जयशंकर ने यह भी दोहराया कि भारत की ऊर्जा नीति पूरी तरह राष्ट्रीय हितों पर आधारित है, और देश अपनी जरूरत के हिसाब से सस्ती और उपलब्ध ऊर्जा खरीदता है।

'चुनावी प्रक्रिया में दखल नहीं दे सकते'

मीनाक्षी नटराजन को सुप्रीम कोर्ट से झटका, राज्यसभा नामांकन रद्द मामले में याचिका खारिज

एजेंसी
नई दिल्ली मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन नामांकन रद होने के बाद कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट में 'याचिका लगाई थी। याचिका में कांग्रेस ने चुनाव अधिकारी (RO) द्वारा नामांकन पत्र खारिज किए जाने के फैसले को चुनौती दी थी। इस याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश से कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन की याचिका को खारिज करते हुए कहा कि हम इस याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं और इसे खारिज किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह मध्य प्रदेश के उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर सकती हैं।

क्या था याचिका में?
मीनाक्षी नटराजन की ओर से पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि संबंधित मामले में अभी तक आरोप तय नहीं हुए हैं, जबकि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम (RoP Act) के तहत नामांकन रद करने के लिए आरोपों का तय होना एक अनिवार्य शर्त है। ऐसे में जब आरोप तय नहीं है तो नामांकन कैसे रद हुआ? इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने वकील सिंघवी से ऐसा कोई फैसला दिखाने को कहा जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने नामांकन प्रक्रिया के बाद रिटर्निंग ऑफिसर के आदेश को रद किया हो और नामांकन स्वीकार किया हो। इस पर सिंघवी ने जवाब दिया कि जब किसी मामले (जैसे कि मौजूदा मामले) में तथ्य सामने आएंगे, तो कोर्ट कानून लागू करेगा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी याचिका खारिज किए जाने पर मध्य प्रदेश की कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन ने कहा, 'यह कोई व्यक्तिगत झटका नहीं है। यह भारत के लोकतंत्र और संविधान के लिए एक झटका है... मैंने शुरू में ही कहा था कि चुनाव आयोग के सदस्य प्रभावित थे। जब हमारे लोग चुनाव आयोग के पास गए, तो उन्होंने 48 घंटों तक हमें कोई जवाब नहीं दिया। कम से कम सुप्रीम कोर्ट ने हमारी याचिका सुनी और फैसला सुनाया। ' कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन की याचिका का विरोध करते हुए, BJP उम्मीदवार की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने तर्क दिया कि नॉमिनेशन पेपर खारिज होने से किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन नहीं होता है, इसलिए संविधान के अनुच्छेद 32 (रिट अधिकार क्षेत्र) के तहत सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर नहीं की जा सकती।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

परमाणु ऊर्जा उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले सामान पर कस्टम ड्यूटी माफ

एजेंसी
नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने परमाणु ऊर्जा उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले कुछ खास सामानों के आयात पर कस्टम ड्यूटी (सीमा शुल्क) माफ कर दी है। यह छूट 1 अप्रैल 2019 से 31 जनवरी 2026 तक की अवधि के लिए लागू होगी। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, इस अवधि में जिन कंपनियों ने परमाणु ऊर्जा से जुड़े पात्र सामान आयात किए थे, उन पर अब कस्टम ड्यूटी नहीं लगेगी। यानी सरकार ने यह छूट पिछली तारीख से लागू की है। सरकार द्वारा दी गई राहत गैर-विकिरणित फ्यूल एलिमेंट्स और न्यूक्लियर रिएक्टरों में इस्तेमाल होने वाले कार्ट्रिज के आयात पर लागू होगी। ये सामान परमाणु बिजली उत्पादन में अहम भूमिका निभाते हैं।

सरकार ने कहा कि इस तरह के आयात पर कस्टम ड्यूटी न लेने की प्रथा पहले से ही चल रही थी। अब इसे औपचारिक रूप से मान्यता दे दी

गई है, ताकि इस अवधि के आयात पर कोई टैक्स देनदारी न रहे। इस फैसले का सबसे बड़ा फायदा न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) को होने की उम्मीद है। एनपीसीआईएल देश के परमाणु बिजली संयंत्रों के लिए फ्यूल असेंबली और अन्य जरूरी सामग्री आयात करती है। इसके अलावा, भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी अन्य कंपनियों को भी इससे राहत मिलेगी। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत स्वच्छ ऊर्जा क्षमता बढ़ाने और ऊर्जा मिश्रण में परमाणु ऊर्जा की हिस्सेदारी मजबूत करने पर जोर दे रहा है। सरकार का मानना है कि परमाणु ऊर्जा भविष्य की स्वच्छ और स्थिर ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे पहले सरकार ने अधिक एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल पर भी उत्पाद शुल्क (एक्साइज ड्यूटी) शून्य कर दिया था। 22 प्रतिशत, 25 प्रतिशत, 27 प्रतिशत और 30 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण वाले पेट्रोल पर यह छूट लागू की गई है।

तीन पन्नों पर तृणमूल के 19 सांसदों के हस्ताक्षर सामने आए

लोकसभा में नए गुट के गठन को लेकर भ्रम की स्थिति

एजेंसी
कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के 19 सांसदों के हस्ताक्षर वाले तीन पन्ने शुक्रवार को सामने आए, जिनमें दावा किया गया है कि वे लोकसभा में पार्टी के प्रतिनिधित्व का मुख्य और बहुमत वाला गुट हैं। इस बात को लेकर उलझन बनी है कि क्या ये तीन पेज उसी कथित पत्र का आखिरी हिस्सा हैं, जिसे डॉ. काकोली घोष दस्तीदार और शताब्दी रॉय की अगुवाई में सांसदों ने लोकसभा स्पीकर के दफ्तर में सौंपा है। सामने आए इन तीन पेजों में पहला हस्ताक्षर डॉ. काकोली घोष दस्तीदार का है, जो नॉर्थ 24 परगना जिले के बारासात निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी की चार बार की लोकसभा सदस्य हैं। दूसरा हस्ताक्षर शताब्दी रॉय का है, जो अभिनेत्री से नेता बनी हैं और बीरभूम

जिले के बीरभूम निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी की चार बार की लोकसभा सदस्य हैं। हालांकि, 19 लोकसभा सदस्यों के हस्ताक्षर वाले तीन पन्नों की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की जा सकी है। तीन पन्नों में दिख रहे अन्य 17 लोकसभा सदस्यों के हस्ताक्षर में मथुरापुर से बापी हलदर, बर्दवान पूर्व से शर्मिला सरकार, हावड़ा से प्रसून बनर्जी, कूच बिहार से जगदीश वर्मा बसुनिया, बोलपुर से असित मल, बांकुरा से अरूप चक्रवर्ती, झाड़ग्राम से कालीपद सोरेन, दीपक अधिकारी उर्फ, घाटल से देव, मेदिनीपुर से जून मालिया, बैरकपुर से पार्थ भौमिक, खलीलुर रहमान शामिल हैं। जंगीपुर, मुर्शिदाबाद से अबू ताहेर खान, बहरामपुर से यूसुफ पठान, आरामबाग से मिताली बाग, कोलकाता (दक्षिण) से माला रॉय, हुगली से रचना बनर्जी और जादवपुर से सयोनी घोष का नाम शामिल है।

रचना बनर्जी और जादवपुर की सांसद सायनी घोष के हस्ताक्षर दो अलग-अलग जगहों पर हैं, लेकिन हस्ताक्षर के क्रम में नहीं। हालांकि, इन 19 बागी सांसदों में से किसी ने भी इस मुद्दे पर एक शब्द भी नहीं कहा है, लेकिन इनमें से एक बागी के करीबी पार्टी सूत्रों ने बताया कि चूंकि रचना बनर्जी और सायनी घोष दोनों ने बाद में पत्र पर हस्ताक्षर किए थे, इसलिए उनके हस्ताक्षर अलग-अलग किए गए थे। लोकसभा अध्यक्ष के दफ्तर की ओर से इस चिट्ठी के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में आकाशीय बिजली गिरने से उपसरपंच सहित तीन की मौत

एजेंसी
कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के अंतागढ़ ब्लॉक में आज शुक्रवार सुबह आकाशीय बिजली गिरने से एक उप-सरपंच सहित तीन लोगों की मौत हो गई जबकि पांच लोग घायल हो गए है। घायलों में एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। कांकेर जिले के अंतागढ़ ब्लॉक अंतर्गत ग्राम कलगांव में आज सुबह मनरेगा में काम करने के दौरान हुई बारिश से बचने के लिए ग्रामीण पेड़ के नीचे आ गए थे। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक उप-सरपंच सहित तीन लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए है। घायलों में एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों में संतोष पटेल, प्रकाश पटेल, मनराज पटेल (उपसरपंच) सभी कलगांव के निवासी है। सभी के शव को पोस्टमार्टम लिए भेज दिया गया है।

पूर्व भारतीय शूटर जसपाल राणा का 49 साल की उम्र में निधन

पीएम मोदी ने जताया शोक

एजेंसी
नई दिल्ली । भारत के पूर्व शूटर और दिग्गज शूटिंग कोच जसपाल राणा का शुक्रवार को 49 साल की उम्र में निधन हो गया। जसपाल एशियाई खेलों के पूर्व गोल्ड मेडलिस्ट थे और ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर की सफलता में भी उनका अहम योगदान रहा। रिपोर्ट्स के अनुसार, जसपाल म्यूनिख में हुए आईएसएसएफ वर्ल्ड कप के बाद जर्मनी से लौट रहे थे और इस दौरान उनकी अचानक से तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

वह मौजूदा समय में भारतीय पिस्टल निशानेबाजों के हाई परफॉर्मेंस कोच के रूप में काम कर रहे थे। उनकी अगुवाई में भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में दो गोल्ड और दो सिल्वर मेडल जीतने में सफल रही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'जसपाल राणा के निधन से गहरा दुख हुआ।

उनका जाना भारतीय खेल जगत के लिए एक बड़ी क्षति है। उन्होंने शूटिंग में अपनी असाधारण उपलब्धियों से देश का मान बढ़ाया। एक मेंटोर के तौर पर भी उनका योगदान उतना ही उल्लेखनीय रहा। उन्होंने अत्यंत समर्पण के साथ युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया और उनका मार्गदर्शन किया। बेहतरीन प्रदर्शन, अनुशासन और खेल जगत की सेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने उन्हें सम्मान दिलाया। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और पूरे खेल जगत के साथ हैं। ओम शांति। '

जसपाल राणा के निधन पर राष्ट्रपति ने शोक जताया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज एवं कोच जसपाल राणा के निधन पर शोक जताया। राष्ट्रपति ने एक्स पर कहा, ' 'जसपाल राणा के निधन की खबर बेहद दुखद है। वे एक जाने-माने शूटर थे, जिन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन से देश का नाम रोशन किया। दुनिया भर में शूटिंग प्रतियोगिताओं में कई मेडल जीतने वाले जसपाल राणा ने भारतीय खेलों में अपनी एक खास पहचान बनाई। एक खिलाड़ी और मेंटर के तौर पर, उन्होंने युवा प्रतिभाओं को तराशकर खेलों में अहम योगदान दिया।

सड़क दुर्घटना में तीन थानाध्यक्ष समेत 4 की मौत

एजेंसी
पटना। पटना से प्रशिक्षण लेकर लौट रहे मधेपुरा जिले के तीन थानाध्यक्षों की बेगूसराय जिले के साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र में देर रात एक बजे सड़क हादसे में मौत हो गई है। मृतकों में उदाकिशुनगंज अनुमंडल के रतवारा थाना अध्यक्ष सजन कुमार, अरार थाना अध्यक्ष अमरेंद्र ज्ञानेंद्र तथा मधेपुरा अनुमंडल के बेलारी थाना अध्यक्ष नीरज कुमार शामिल हैं। दुर्घटना में वाहन चालक की भी मौत की सूचना है। बताया जा रहा है कि 10-11 जून यानी दो दिवसीय प्रशिक्षण के उपरांत गुरुवार शाम तीनों थानाध्यक्ष कार से वापस मधेपुरा के लिए रवाना हुए। कार निजी चालक ज्योतिष कुमार चला रहा था।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उड्डयन मंत्री से की मुलाकात

श्रीनगर एयरपोर्ट बंदी पर पुनर्विचार की मांग की

एजेंसी
नई दिल्ली । जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु से मुलाकात की और रखरखाव के काम के लिए 1 से 16 अक्टूबर तक श्रीनगर हवाई अड्डे को बंद करने के प्रस्ताव पर चिंता जताई। पर्यटन के मुख्य मौसम में घाटी के लिए बिना रुकावट हवाई संपर्क की अहमियत पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नागरिक उड्डयन मंत्री से आग्रह किया कि रखरखाव के शेड्यूल की समीक्षा की जाए और अगर मुमकिन हो, तो इसे छोटा किया जाए, चरणों में किया जाए या यात्रा के कम व्यस्त समय में किया जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि हवाई अड्डा बंद रहने के दौरान निवासियों, पर्यटकों और व्यवसायों के लिए संपर्क बनाए रखने के लिए अवंतीपोरा एयर बेस से सीमित संख्या में नागरिक उड़ानें संचालित की जाएं। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर लिखा,' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ हुई बैठक के बाद, मैंने अक्टूबर में श्रीनगर एयरपोर्ट को बंद करने के प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु से मुलाकात की। हम परेशानी को कम करने और

बेसिक फ्लाइट शेड्यूल बनाए रखने के लिए संभावित विकल्पों पर काम कर रहे हैं, जैसा कि 1998 और 2010 में इसी तरह के कारणों से एयरपोर्ट बंद होने पर किया गया था। '

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से घरेलू वायु सेवाओं का संचालन 15 से

लखनऊ। गौतमबुद्ध नगर में जेवर का नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से घरेलू उड़ानों का संचालन 15 जून से होगा। इसकी औपचारिक घोषणा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में की। मुख्यमंत्री ने लोक भवन में मीडिया के साथ संवाद के दौरान इसकी घोषणा की। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश के जेवर में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि 15 जून से इसको यात्रियों के लिए शुरू किया जा रहा है। पहले यहां से इंडिगो व आकाशा एयर हैदराबाद, बेंगलुरु, लखनऊ, अमृतसर और नवी मुंबई के लिए अपनी उड़ानों की शुरुआत करेंगी।

खान सर-रौशन आनंद विवाद पर बिहार सरकार सख्त

शिक्षा मंत्री ने कोचिंग संस्थानों को दी चेतावनी

एजेंसी
जमुई। पटना के चर्चित कोचिंग संचालक खान सर और रौशन आनंद के बीच उपजे हालिया विवाद पर बिहार सरकार ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। इस मामले पर सूबे के शिक्षा मंत्री मिथलेश कुमार तिवारी ने बड़ा बयान देते हुए दो

टूक कहा है कि कोचिंग संस्थान सिर्फ और सिर्फ पढ़ाई के लिए होते हैं, लड़ाई-झगड़े और व्यक्तिगत वर्चस्व की जंग के लिए नहीं। जमुई पहुंचे शिक्षा मंत्री ने कोचिंग संस्कृति में आ रहे इस भटकाव पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कुछ कोचिंग संचालक अपने मुख्य उद्देश्य यानी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के रास्ते से पूरी तरह भटक चुके हैं। वे पढ़ाई छोड़ विवाद और गुटबाजी की राह पर चल पड़े हैं, जिसे सरकार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी।

कोचिंग संस्थानों को दी चेतावनी

शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस पूरे मामले को सरकार ने बेहद गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के स्पष्ट निर्देश पर ऐसे विवादों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया जा रहा है।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में हाईटेक ई-बस सेवा शुरू

सीएम योगी ने दिखाई हरी झंडी

एजेंसी
नोएडा । राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के लिए हाईटेक इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में तीन अत्याधुनिक ग्रीन हाइड्रोजन ईंधन आधारित बसों का भी फ्लैग ऑफ किया गया। नई व्यवस्था के तहत नोएडा प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में 11-11-11 कुल 33 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाएगा। इन बसों का संचालन बोटेनिकल गार्डन से किया जाएगा, जो नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, सेक्टर-62, कौशांबी बस डिपो और ग्रेटर नोएडा वेस्ट सहित प्रमुख स्थानों को आपस में जोड़ेंगी। इससे लाखों यात्रियों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन ई-बसों में विशेष इंतजाम किए गए हैं।

असम में आया 4.7 तीव्रता का भूकंप, कछार जिले में था भूकंप का केंद्र, मेघालय समेत पूर्वोत्तर के कई इलाकों में महसूस हुए झटके

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के कछार जिले में गुरुवार रात 4.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया, जिसके झटके मेघालय सहित पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान या बड़े हादसे की कोई सूचना नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार भूकंप गुरुवार रात करीब 9-10 बजे आया। इसका केंद्र असम के कछार जिले में स्थित था। भूकंप की गहराई जमीन से लगभग 39 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई, जिससे इसके झटके आसपास के राज्यों तक महसूस किए गए। भूकंप विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, भूकंप का केंद्र 24.941 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 93.007 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। झटके महसूस होते ही कई लोग एहतियातन अपने घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। कुछ क्षेत्रों में लोगों के बीच थोड़ी देर के लिए दहशत का माहौल भी देखा गया। मेघालय के अलावा दक्षिणी असम और पूर्वोत्तर के अन्य हिस्सों में भी कंपन महसूस किए जाने की खबरें सामने आई हैं। हालांकि स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियों ने स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखी और किसी बड़े नुकसान की पुष्टि नहीं की।

बिल्डिंग में आग, 3 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के तुगलकाबाद इलाके में एक बिल्डिंग में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें एक युवक और दो महिलाएं हैं। 6 लोगों को बचाया गया है, सभी अस्पताल में भर्ती हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग पार्किंग में खड़ी गाड़ियों में लगी थी। धीरे-धीरे आग पांच मंजिला बिल्डिंग में फैल गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने छत का ताला काटकर लोगों को बचाया। फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, गुरुवार देर रात 2:35 बजे से 2:37 बजे के बीच इमरजेंसी कॉल मिली। आग तारा अपार्टमेंट के पास गली नंबर 1 में स्थित एक इमारत में लगी थी। इमारत के अंदर कई लोगों के फंसे होने की खबर मिलने के बाद फायर फाइटर्स ने रेस्क्यू शुरू किया। 3:45 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया।

ट्रैनिंग के दौरान धमाका, 2 जवान घायल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में शुक्रवार को एलओसी के पास धमाका हो गया। इस हादसे में सेना के दो जवान घायल हो गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक एलओसी के पास फॉरवर्ड एरिया में ट्रैनिंग एक्सरसाइज के दौरान अचानक ग्रेनेड ब्लास्ट हुआ। हादसे में घायल दोनों जवानों को पुंछ के 425 आर्मी फील्ड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

वाराणसी में जिला जज की कुर्सी पर बैठी महिला, हंगामा

-बोली- आज मैं सुनवाई करूंगी, गवाह और सबूत पेश करिए; पुलिस ने खींचकर उतारा

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में शुक्रवार सुबह 9 बजे जिला जज की कुर्सी पर एक महिला बैठ गई। कुर्सी पर बैठते ही हैमर पटकते हुए चिल्लाई- ऑर्डर-ऑर्डर। वकीलों से कहा- आज मैं जिला जज हूं। गवाह और सबूत पेश करिए। आज सारे मामले की सुनवाई मैं करूंगी। जो भी काम हो हमको बताया जाए। इसके बाद फाइलें उठाकर उनको पलटना शुरू कर दिया। एकाएक हुए इस घटनाक्रम से वकील चौंक गए। उन्होंने वीडियो बनाना शुरू किया तो महिला भड़क गई। वकीलों ने महिला को बाहर जाने के लिए कहा, लेकिन वह कुर्सी पर ही बैठी रही। इसके बाद महिला पुलिसकर्मियों को बुलाया गया। पुलिस महिला को हिरासत में लेकर कैंट थाने लेकर चली गई। करीब एक घंटे तक यह ड्रामा चला। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को जिला जज अवकाश पर थे। शुक्रवार सुबह जिला कोर्ट खुला। कर्मचारियों ने जिला जज समेत सभी कोर्ट में आज सुनवाई के लिए प्रस्तावित मुकदमों की फाइलें रख दीं। तभी शिवपुर निवासी ब्रज गुप्ता की पत्नी वंदना गुप्ता (50) कोर्ट में घुस आई। जिला जज के आने का समय हुआ। कुछ देर बाद वह जिला जज की डायस पर पहुंच गई और कुर्सी पर बैठ गई। हैमर उठाकर टेबल पर पटकते हुए जोर से चिल्लाकर कहा- ऑर्डर-ऑर्डर। यह सुनकर कोर्ट रूम में मौजूद वकील खड़े हो गए। यह देखकर वंदना गुप्ता बोली कि आप लोग खड़े मत हो। गवाह और सबूत पेश करिए। जो भी काम हो मुझे बताइए।

नटराजन मामला : कांग्रेस का प्रदर्शन, पहले वोट चोरी, अब सीट चोरी का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में कांग्रेस पार्टी ने मध्य प्रदेश से अपनी राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के विरोध में प्रदर्शन किया। दिल्ली में जुटे मध्य प्रदेश कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित अनेक विधायकों ने भाजपा पर वोट चोरी के बाद अब सीट चोरी का आरोप लगाया। कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने घटना को देश के इतिहास में पहली बार हुई सीट चोरी बताया। उन्होंने कहा कि आजकल जहाँ वोट चोरी और ईवीएम में गड़बड़ी की चर्चा थी, वहीं अब भाजपा ने चुनाव से पहले ही सीट चोरी कर ली है। कांग्रेस नेता सिंह ने आरोप लगाया कि जब नटराजन ने अपना नामांकन जमा किया था, तब भी भाजपा कांग्रेस विधायकों को प्रलोभन देने और सौदा करने का पूरा प्रयास कर रही थी। उन्होंने 2020 के ज्योतिरादित्य सिंधिया प्रकरण का जिक्र कर कहा कि वर्तमान विधायकों को भाजपा के साथ सौदा करने का मतलब आत्महत्या करना बखूबी एहसास था। विधायकों के एकजुट खड़े रहने के बाद भाजपा पर बेबुनियाद तरीके से नोटिस ढूंढ़कर नामांकन रद्द कराने का आरोप लगाया गया। जयवर्धन सिंह ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुसार, गैर-संज्ञेय अपराध के नोटिस का नामांकन में उल्लेख करना अनिवार्य नहीं है, केवल एफआईआर या न्यायिक जाँच का ही उल्लेख करना पड़ता है। उन्होंने देश के 80 साल के इतिहास में पहली बार एक गैर-संज्ञेय अपराध के नोटिस के आधार पर उम्मीदवारी खारिज किया जाना बताया। वहीं कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया ने दिन को लोकतंत्र के लिए काला दिन करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा जहाँ 33 प्रतिशत महिला आरक्षण की बात करती है, वहीं वह अपनी तीन राज्यसभा सीटों पर एक भी महिला को मौका नहीं देती और जब कांग्रेस मौका देती है, तब उस खतरा करने में पूरी ताकत लगा देती है। उन्होंने भाजपा पर विधायक खरीदकर वोटिंग से बचने का आरोप भी लगाया। राज्यसभा सांसद अशोक सिंह ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा संवैधानिक संस्थाओं को खत्म करने की बात अब स्पष्ट रूप से दिख रही है। विधायक विवेक पटेल ने इस लोकतंत्र की हत्या बताया, जो 2014 के बाद से भाजपा सरकार द्वारा लगातार की जा रही है।

दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम, चली तेज आंधी-बारिश, लोगों को मिली राहत

-पाक सीमा से सटे इलाकों में साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना, रेड अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार रात अचानक मौसम का मिजाज बदल गया है। तेज आंधी, बिजली और धूल भरे तूफान आया। मौसम के इस आक्रामक रूप को देखते हुए भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक इस समय सेंट्रल पाकिस्तान और उससे सटे इलाकों के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। यह हवाओं का एक ऐसा जाल है जो अपने आसपास के क्षेत्र में भारी वायुमंडलीय अस्थिरता पैदा करता है। इस साइक्लोनिक सर्कुलेशन के मजबूत होने के कारण उत्तर-पश्चिम भारत, खासकर दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी यूपी के वायुमंडल में अचानक उथल-पुथल शुरू हो गई है। जब यह पाकिस्तान की तरफ से आ रही गर्म हवाएं भारत के मैदानी इलाकों की नमी से मिलती हैं, तो यह तीव्र आंधी और गरज-चमक वाले बादलों का निर्माण करती हैं। यही कारण है कि दिल्ली-एनसीआर में अचानक 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलने लगीं, जो कभी-कभी 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार को भी छू रही है।

मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर में रेड अलर्ट जारी किया है। रेड अलर्ट का मतलब होता है- तुरंत कदम उठाएं और सुरक्षित रहें। यह अलर्ट तब जारी किया जाता है जब मौसम इतना खराब हो कि उससे जान-माल के नुकसान का खतरा हो। विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ घंटों तक दिल्ली और आसपास के इलाकों में तेज आंधी के साथ बिजली, धूल का गुबार और गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

इस तूफान और बारिश का एक सकारात्मक पहलू यह है कि इससे दिल्लीवासियों को पिछले कई दिनों से सता रही उमस और भीषण गर्मी से राहत दी है। मौसम विभाग का अनुमान है कि शुक्रवार से यह सिस्टम और मजबूत हो सकता है, जिससे बारिश और तेज हवाओं का दौर आगे भी जारी रहेगा। खराब मौसम को देखते हुए मौसम विभाग ने नागरिकों और स्थानीय प्रशासन के लिए सख्त गाइडलाइंस जारी की हैं।

गाइडलाइन के मुताबिक मजबूत इमारतों में शरण लें, तूफान के दौरान तुरंत किसी पक्के और सुरक्षित मकान के अंदर चले जाएं। कमजोर संरचनाओं से दूर रहें, टिन शेड, साइनबोर्ड, कच्चे मकानों और निर्माणाधीन इमारतों के पास बिल्कुल न खड़े हों। आंधी में पेड़ उखड़ने या उनकी शाखाएं टूटने का सबसे ज्यादा खतरा रहता है, इसलिए इनके नीचे गाड़ी पार्क न करें और न ही खुद खड़े हों। घरों के अंदर रहने के दौरान भी शीशे वाली खिड़कियों से दूर रहें। इस दौरान नदी, तालाब या जलभराव वाले इलाकों के पास जाने से बचें। पाकिस्तान से उठे इस वेदर सिस्टम का असर अगले 24 से 48 घंटों तक रह सकता है, इसलिए सतर्कता ही इस मौसम में सबसे बड़ा बचाव है।

इंडिगो फ्लाइट में बम लिखा टिशू पेपर मिला, विमान से यात्रियों को उतारा

-विमान और सामान की तलाशी ली, नहीं मिली संदिग्ध वस्तु, यात्री हुए परेशान

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब उड़ान भरने से पहले विमान के टॉयलेट में बम लिखा हुआ एक टिश्यू पेपर मिला। लखनऊ से सुबह 11.15 बजे इंडिगो एयरलाइन के दिल्ली जाने वाले विमान 6ई2111 के टॉयलेट में किसी ने एक टिश्यू पेपर पर बम होने की सूचना लिखकर रख दी। इसके बाद विमान को एसटीसी से संपर्क के बाद टैक्सी वे एरिया में लाया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीआईएसएफ समेत सभी सुरक्षा एजेंसियों ने यात्रियों और उनके सामान को उतार नीचे उतारा। विमान और सामान की तलाशी ली गई। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत करीब 180 यात्रियों वाली इस फ़्लाइट को एप्रन पर ही रोक दिया गया। सुरक्षा कर्मियों ने विमान की सघन तलाशी ली गई, जिसमें कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। जांच के बाद इस खतरे को पूरी तरह झूठा बताया। जरुरी सुरक्षा और कानूनी प्रक्रियाओं के चलते विमान की उड़ान में देरी हुई। अधिकारी ने बताया कि टिशू पेपर पर बम शब्द किसने लिखा और इसके पीछे किसका हाथ है इसका पता लगाया जा रहा है। इस पूरी छानबीन में विमान में बैठे 180 यात्री परेशान होते रहे। बता दें यह कोई पहली बार नहीं है जब कि इंडिगो विमान में बम की झूठी सूचना दी गई हो। पहले भी कई मौकों पर ऐसा हो चुका है और हर बार यात्रियों को दिक्कत का सामना करना पड़ा है। कई मामलों में तो सुरक्षाकर्मियों ने आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है।

दलाई लामा के घुटने की हुई रिप्लेसमेंट सफल सर्जरी, अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा की बाएं घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी के बाद उनकी सेहत में सुधार हो रहा है। इसके साथ ही, उन्हें अस्पताल से भी छुट्टी दे दी गई है। दलाई लामा ने एक्स पर अपने स्वास्थ्य को लेकर यह अपडेट साझा किया है। डॉक्टरों ने बताया कि वर्तमान प्रक्रिया के बाद उनकी स्थिति स्थिर है और स्वास्थ्य में सुधार जारी है। उन्होंने बताया कि अस्पताल के मेडिकल, नर्सिंग और प्रशासनिक स्टाफ ने उनके उपचार में उत्कृष्ट देखभाल प्रदान की है।

नई दिल्ली के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. राजेश मल्होत्रा के मुताबिक दलाई लामा की बाएं घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी सोमवार को हुई थी। इलाज के दौरान दलाई लामा की निजी मेडिकल टीम और उनके कार्यालय ने अपोलो अस्पताल के प्रशासनिक एवं चिकित्सकीय कर्मचारियों के साथ लगातार समन्वय बनाए रखा। उन्होंने बताया कि दलाई लामा की स्थिति स्थिर है और उनके पूरी तरह स्वस्थ होने की उम्मीद है। उन्हें शुक्रवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्होंने कहा कि दलाई लामा की सेवा करने का अवसर अस्पताल और चिकित्सा दल के लिए अत्यंत सम्मान की बात रही। बता दें इससे पहले जून 2024 में दलाई लामा ने न्यूयॉर्क सिटी के हॉस्पिटल फॉर स्पेशल सर्जरी में दाएं घुटने का सफल प्रत्यारोपण कराया था, जिसके बाद उनकी रिकवरी अच्छी रही थी। पिछले काफी समय से दलाई लामा हिमाचल प्रदेश के मैकलोडगंज में ही रह रहे हैं। 1959 में तिब्बत छोड़ने के बाद से वह भारत में शरण लिए हुए हैं और उन्होंने धर्मशाला को अपना स्थायी निवास बनाया है। बताया जा रहा है कि घुटने की सर्जरी करवाने के बाद दलाई लामा जून के अंत में लद्दाख जाएंगे। वहां वे एक विस्तारित अवधि तक प्रवास करेंगे। लद्दाख में उनके कार्यक्रमों और प्रवास की विस्तृत जानकारी बाद में जारी होगी।

एनसीपी में बगावत, कांग्रेस ने कहा- विलय का रास्ता खुला

शरद पवार की पार्टी से तीन विधायक हुए बागी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कांग्रेस हाईकमान ने शरद पवार को अपनी पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) का कांग्रेस में पूरी तरह से विलय करने का एक बड़ा प्रस्ताव दिया है। इस बड़े सियासी घटनाक्रम के बीच शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट में आंतरिक कलह और फूट भी खुलकर सामने आ गई है, जिसने राज्य की राजनीति में हलचल तेज कर दी है। एक तरफ जहां विलय की चर्चाएं गर्म हैं, वहीं दूसरी तरफ शरद पवार गुट के तीन विधायकों–उत्तमराव जानकर, अभिजीत पाटिल और नारायण पाटिल–ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण से मुलाकात की है। माना जा रहा है कि टिकट वितरण से नाराज ये तीनों विधायक जल्द ही भाजपा में शामिल हो सकते हैं। यह मुलाकात सोलापुर में महायुति के नेताओं की एक बैठक के दौरान हुई, जिसमें सांगोला से शेकप विधायक बाबासाहेब देशमुख भी उपस्थित थे।

दरअसल, इस पूरी बगावत की मुख्य वजह सोलापुर विधानसभा सीट पर टिकट का बंटवारा है। यहां भाजपा के राजेंद्र राउत के सामने शरद पवार गुट ने वसंतराव देशमुख को अपना उम्मीदवार बनाया है। वसंतराव देशमुख को सांसद धैर्यशील मोहिते पाटिल का बेहद करीबी माना जाता है। ऐसे में इन तीन विधायकों की नाराजगी और भाजपा उम्मीदवार को समर्थन देने के संकेत मोहिते पाटिल के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका माने जा रहे हैं। इन विधायकों ने उम्मीदवार चयन को लेकर पहले भी सार्वजनिक रूप से अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी। इस पूरे घटनाक्रम की पृष्ठभूमि तब तैयार हुई जब शिवसेना के उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने सुझाव दिया था कि जो पार्टियां कांग्रेस से अलग होकर बनी हैं, जैसे तृणमूल कांग्रेस और एनसीपी, उन्हें अब वापस कांग्रेस में शामिल हो जाना चाहिए। संजय राउत का मानना है कि आज के दौर में क्षेत्रीय दलों को अपने-अपने राज्यों में अस्तित्व की लड़ाई लड़ने के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय मंच की जरूरत है और इसके लिए उन्हें कांग्रेस की मदद लेनी चाहिए। इस सुझाव पर प्रतिक्रिया देते हुए शरद पवार की बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि संजय राउत उनके बड़े भाई जैसे हैं और उनका यह सुझाव स्वागत योग्य है, हालांकि भविष्य में क्या होगा यह समय तय करेगा। इसके साथ ही सुप्रिया सुले ने विपक्षी दलों को तोड़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि पहले शिवसेना तोड़ी गई, फिर एनसीपी और अब तृणमूल कांग्रेस की बारी है, इसलिए वे इस संकट की घड़ी में उनके साथ खड़ी हैं। इस बीच, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने भी इस सुर में सुर मिलाया है। उन्होंने संजय राउत के बयान का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि बिखरे हुए दलों को देशहित में एक मंच पर आना चाहिए और राहुल गांधी को इंडिया गठबंधन का नेता स्वीकार कर लेना चाहिए। बहरहाल, विलय के इस बड़े प्रस्ताव और अपने ही विधायकों की बगावत ने शरद पवार गुट के सामने एक साथ दोहरी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

प्रणीत मोरे विवाद पर फडणवीस, स्टैंड-अप कॉमेडी में मर्यादा का ध्यान रखना जरूरी

मुंबई (एजेंसी)। स्टैंड-अप कॉमेडियन प्रणीत मोरे के शो को लेकर उठे विवाद के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मौलिक अधिकार है, लेकिन इसका उपयोग करते समय समाज, संस्कृति और लोगों की भावनाओं का सम्मान होना चाहिए। सीएम फडणवीस ने जोर दिया कि जब अभिव्यक्ति की कोई शैली तय सीमाओं से आगे निकलती है, तब उसका समाज और आम लोगों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है, इसलिए इसका इस्तेमाल जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ होना चाहिए। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से स्टैंड-अप कॉमेडी देखना पसंद है, लेकिन कॉमेडियन को यह समझना चाहिए कि उनके शब्द और प्रस्तुतियां समाज में किस तरह का संदेश दे सकती हैं; कॉमेडी के साथ सामाजिक मर्यादाओं का पालन भी आवश्यक है। यह विवाद प्रणीत मोरे के स्टैंड-अप शो से जुड़े कुछ वीडियो और क्लिप के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सामने आया, जिसमें महिलाओं, सहमति और मृत व्यक्तियों को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने के आरोप लगे हैं। इस मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने स्वत: संज्ञान लेकर हरियाणा के पुलिस महानिदेशक से त्वरित और सख्त कार्रवाई की मांग की है। आयोग ने सात दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, साथ ही मोरे तथा हिमांशु जांगड़ा को 22 जून को आयोग के समक्ष उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी किया है। वहीं, महाराष्ट्र साइबर विभाग ने भी प्रणीत मोरे, हिमांशु जांगड़ा, डॉक्टर सेजल पवार सहित अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है।

पीएम मोदी के पास समारोह में शामिल होने का समय है, अमेरिकी हमले की निंदा का नहीं

-3 भारतीय नाविकों की मौत पर भड़के ओवैसी, बोले- बार-बार विफल साबित हो रही सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओमान तट के पास एक वाणिज्यिक पोत पर अमेरिकी सेना के हमले में तीन भारतीय की मौत के बाद देश में सियासत गरमा गई है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और पीएम मोदी पर तीखा हमला बोला। ओवैसी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी के पास समारोहों में शामिल होने के लिए तो समय है, लेकिन अमेरिकी हमले में मारे गए भारतीयों की मौत की निंदा करने का समय नहीं है। ओवैसी ने दावा किया कि केंद्र सरकार अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में काम करने वाले भारतीय नागरिकों और नाविकों की जान की रक्षा करने में बार-बार विफल साबित हो रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओवैसी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारतीयों की जान बचाना सरकार का पहला कर्तव्य है। यह दुखद और व्यथित करने वाला है कि पीएम मोदी के पास समारोहों के लिए समय है लेकिन भारतीयों की जान लेने के लिए अमेरिकी सेना की निंदा करने का समय नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि क्या भारत के इतिहास में कभी इससे कमजोर सरकार रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अब भी भारतीयों को सैनिकों के रूप में भर्ती कर रहा है ''जो कई मारे जा रहे हैं'' लेकिन सरकार असहाय है।

ओवैसी ने कहा कि सरकार फिल्मों में चीन का नाम लेने या गलवान की लड़ाई दिखाने की इजाजत नहीं देती और अब अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में भारतीय नाविकों के साथ यह हुआ है। एक देश के रूप में हम इससे बेहतर के हकदार हैं। जय हिंद। भारत ने गुरुवार को कहा कि अमेरिकी सेना ने पिछले चार दिन में ओमान के तट के पास भारतीय चालक दल वाले तीन वाणिज्यिक पोतों पर हमला किया जिसमें तीन भारतीय नागरिकों की मौत हो गई। भारत ने कहा कि उसने इस मामले को अमेरिका के समक्ष सख्ती से उठाया है।

अब 'कॉकरोचों' ने लखनऊ में प्रदर्शन कर धर्मेन्द्र प्रधान का मांगा इस्तीफा

लखनऊ (एजेंसी)। केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने शुक्रवार को उप्र की राजधानी लखनऊ में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने पेपर लीक और परीक्षाओं में हो रही अनियमितता को पुरजोर तरीके से उठाया। इस मौके पर बड़ी संख्या में युवा एकत्रित हुए। युवाओं ने प्रदर्शन करते हुए नीट पेपरलीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

वहीं, प्रदर्शन को देखते हुए ईको गार्डेन और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पुलिस बल व आरएएफ की टीमों की तैनाती की गई थी। लखनऊ आगमन पर सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि हम शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। अभिजीत जब ईको गार्डेन में प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे तो भीड़ में फंस गए। हालांकि, कुछ देर बाद प्रदर्शनकारियों से मिले और उन्हें संबोधित किया और फिर धरने पर बैठ गए। हालांकि पहले खबर आई थी कि कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को लखनऊ में अनुमति नहीं मिली। बाद में कॉकरोच पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके के लखनऊ पहुंचने के बाद पुलिस के प्रदर्शन में भाग लेन की अनुमति की खबर सामने आई। इस बीच लखनऊ में शुक्रवार को भीषण गर्मी का असर दिखा। प्रदर्शनकारी छात्र पेड़ों की छांव तलाशते दिखे। वहीं, अभिजीत दीपके भी कार्यक्रम स्थल पर महज 28 मिनट ही टिक पाए। इसके बाद इनोवा गाड़ी पर सवार होकर चलते बने। इस दौरान छात्रों ने कॉकरोच पार्टी प्रमुख के रवैये को नाराजगी जताई।

छात्र ग्रुप ने कॉकरोच जनता पार्टी पर छात्रों के आंदोलन का क्रेडिट चुराने का आरोप लगाया है। छात्रों का कहना है कि हमलोगों ने प्रयागराज में आंदोलन का ऐलान किया था। प्रयागराज में प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी के मुद्दे पर लगातार छात्र राजनीति गरमाई रही है। 29 मई के आंदोलन के दौरान 12 जून को लखनऊ में प्रदर्शन का निर्णय लिया गया। छात्र गुट का कहना है कि यह शिक्षकों और छात्रों का प्रोटेस्ट है। हम अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं। इससे कॉकरोच पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है। छात्र संगठनों ने दावा किया कि आंदोलन में भाग लेने आए कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके महज 28 मिनट ही आंदोलन स्थल पर टिक पाए।

अहमदाबाद विमान हादसा: एक साल बाद भी सवालों के घेरे में जांच

पायलटों के संगठन ने उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। ठीक एक साल पहले, 12 जून 2025 को गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान एआई171 एक भीषण हादसे का शिकार हो गया था। इस दर्दनाक क्रैश में एक यात्री को छोड़कर विमान में सवार सभी 241 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे में न केवल विमान के पायलट, क्रू मेंबर और यात्री मारे गए, बल्कि एक मेडिकल कॉलेज के कैंपस में विमान गिरने के कारण जमीन पर मौजूद कई अन्य लोग भी असमय काल के गाल में समा गए। आज इस भयावह हादसे को पूरा एक साल बीत चुका है, लेकिन हादसा क्यों और कैसे हुआ? तथा इसके लिए कौन जिम्मेदार था? जैसे बुनियादी और अहम सवालों के ठोस जवाब आज भी सामने नहीं आ सके हैं। इस बीच, फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलटों (एफआईबी) ने दुर्घटना की चल रही जांच पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए इसकी निष्पक्षता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पायलटों के इस शीर्ष संगठन ने विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की पारदर्शिता और जांच की तकनीकी दिशा पर उंगली उठाई है। संगठन का दावा है कि क्रैश होने से पहले विमान ने कई तकनीकी चेतावनियां जारी की थीं, जिन्हें पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया। संगठन के प्रमुख कैप्टन सीएस रंधावा ने इस संबंध में चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि बोइंग 787 विमान ने उड़ान भरने से पहले और यात्रा के दौरान कम से कम 10 इनक्रिप्टेड यानी कोड वर्ड में हेल्थ मॉनिटरिंग कोड भेजे थे। उन्होंने शुरुआती जांच पर कड़ा असंतोष व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि जांच अधिकारियों ने वास्तविक तकनीकी खराबी या इलेक्ट्रिक फेल्योर की संभावनाओं को खंगालने के बजाय, बहुत ही जल्दबाजी में पूरा ध्यान केवल पायलट की गलती साबित करने पर केंद्रित कर दिया।

कैप्टन रंधावा ने दावा किया कि विमान के एयरक्राफ्ट कम्युनिकेशन एड्रेसिंग एंड रिपोर्टिंग सिस्टम द्वारा भेजे गए इन महत्वपूर्ण संदेशों को शुरुआती जांच रिपोर्ट से गायब कर दिया गया। ये विशेष कोड विमान के उड़ान भरने से महज 15 मिनट पहले और उड़ान के दौरान सिस्टम द्वारा भेजे गए थे। इन कोड संदेशों को केवल विमान निर्माता कंपनी बोइंग ही डिकोड कर सकती है, यहां तक कि एयरलाइन खुद भी इन्हें सीधे नहीं पढ़ सकती। यह अत्याधुनिक सिस्टम दोनों इंजनों की गति, तेल और हाइड्रोलिक प्रेशर सहित सैकड़ों तकनीकी मापदंडों की निगरानी कर रिपोर्ट भेजता है। संगठन ने उड्डयन मंत्रालय को पत्र लिखकर मांग की है कि इस बेहद संवेदनशील डेटा को तुरंत डिकोड कर सार्वजनिक किया जाए, ताकि हादसे की असली वजह सामने आ सके।

जांच एजेंसी की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार करते हुए संगठन ने पूछा कि हादसे में चमत्कारिक रूप से जीवित बचे एकमात्र यात्री से पूरे 10 महीने तक कोई पूछताछ क्यों नहीं की गई? इसके साथ ही उन्होंने दिवंगत पायलट के 91 वर्षीय बुजुर्ग पिता को जांच के नाम पर प्रताड़ित किए जाने का भी आरोप लगाया। रंधावा के अनुसार, इस विमान में दिल्ली से अहमदाबाद आते समय ही तकनीकी खराबी की सूचना मिली थी, जहां इसकी स्टेबलाइजर से जुड़ी समस्या के कारण कुछ मोटर बदले गए थे और आनन-फानन में इसे दोबारा उड़ान की हरी झंडी दे दी गई थी। हादसे में बचे एकमात्र यात्री के बयान का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि टेकऑफ और लैंडिंग के समय विमान की लाइटें लगातार टिमटिमा रही थीं, जो विमान में किसी बड़े इलेक्ट्रिक फेल्योर का स्पष्ट संकेत था, जिसकी गहन तकनीकी जांच होनी अनिवार्य है।

दिल्ली में रहने वाले बांग्लादेशी पति-पत्नी करवा रहे थे विदेशी घुसपैठ

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिला की पुलिस ने भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी दंपती को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान विकास उर्फ दिसो कुमार पाल (28) और इसकी पत्नी रूमा बेगम (27) के रूप में हुई है। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला है कि दोनों मिलकर अवैध रूप से बांग्लादेशी नागरिकों को घुसपैठ में मदद कर रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन के अलावा इसमें ईमो एप्लीकेशन इंस्टॉल बरामद किए हैं। इसके अलावा छह अन्य बांग्लादेशी नागरिकों के दस्तावेज भी बरामद किए हैं। जाच के दौरान टीम को पता चला है कि दंपती मोटी रकम लेकर बॉर्डर पार करवाते थे। कुछ माह पूर्व दोनों को देहरादून पुलिस ने बांग्लादेशी डिपोर्ट किया था। दंपती दोबारा अवैध रूप से भारत में दाखिल हो गया। उत्तर-पश्चिम जिला की पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि जिले की फॉरनर सेल लगातार अवैध रूप से दिल्ली में रह रहे विदेशी नागरिकों की जानकारी जुटा रही है। इसकी कड़ी में कुछ दिनों पूर्व टीम ने तीन बांग्लादेशी महिला नागरिकों को दबोचा था। इन तीनों महिलाइों से पूछताछ हुई तो उन्होंने विकास का नाम बताया। महिलाओं ने कहा कि विकास ने ही उनके सीमा पार कराने का इंतजाम करवाया। इसके अलावा उसने दिल्ली में उनके रुकने का इंतजाम करवाया। विकस अपनी पत्नी के साथ मिलकर काम कर रहा है। टीम न विकाश की जानकारी जुटाना शुरू कर दी। उसके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पुलिस ने नजर रखना शुरू कर दिया। इस दौरान टीम को खबर मिली कि आरोपी विकाश और इसकी पत्नी जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन के पास आने वाल हैं। जानकारी जुटाने के बाद पुलिस ने दोनों की पहचान की और दबोच लिया। दोनों शुरुआत में खुद को भारतीय बताने लगे। बाद में उनके कागजात की पड़ताल की गई तो दोनों के कागजात फर्जी निकले। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर एफआरआरओ के समक्ष पेश किया। अब इनके डिपोर्ट करने की प्रक्रिया को शुरू कर दिया गया है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर इस बात का पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इन लोगों ने भारत में अब तक कितने लोगों को अवैध रूप से दाखिल करवाया है।

मदनगीर में ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर दुकानदार की हत्या, शाबहाद डेयरी में एनकाउंटर के बाद बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के अंबेडकर नगर स्थित मदनगीर इलाके में सोमवार की रात एक युवक पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं गईं। हमले में निखिल नागर उर्फ निक्की (30) बुरी तरह जख्मी हो गया। उसे कई गोलियां लगीं थीं। हमले के बाद परिजन उसे एम्स ट्रामा सेंटर ले गए, जहां उपचार के दौरान मंगलवार को उसने दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। क्राइम टीम व एफएसएल को भी बुलाया गया। पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर छानबीन में जुटी है। शुरुआती जांच से पुलिस आशंका जता रही है कि रंजिश में निखिल पर हमला किया गया। परिजनों का कहना है कि डेढ़ माह पूर्व ही निखिल हत्या के एक मामले में जेल से बाहर आया था। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने बताया कि निखिल नागर परिवार के साथ मदनगीर, अंबेडकर नगर में रहता था। वह घर के पास ही चिकन बेचने की दुकान चलाता था। सोमवार रात करीब 8.30 बजे दुकान पर मौजूद निखिल पर बदमाशों ने आते ही गोलियां चला दीं और फरार हो गए। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने शाहबाद डेयरी इलाके में मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दोनों के पैर में गोली लगी है और वे अस्पताल में इलाजरत हैं। दोनों ओर से 11 राउंड गोलियां चलीं। मुठभेड़ के दौरान जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी. स्वामी बाल-बाल बचे। एक गोली उनके बुलेट प्रूफ जैकेट पर लगी। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान मोहम्मद इरफान और ऐश्वर्य पांडे के रूप में हुई है। दोनों बवाना इलाके में एक माह पहले लूटपाट के दौरान कारोबारी वैभव गांधी की हत्या के आरोप में वांछित थे। इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पश्चिम परिक्षेत्र के संयुक्त आयुक्त ने पुलिस मुख्यालय में हुई प्रेसवार्ता ने बताया कि 9 फरवरी को बदमाशों ने बवाना सेक्टर-4 इलाके में कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। हत्या और लूटपाट का मामला दर्ज कर पुलिस ने 15 फरवरी को पांच बदमाशों रवि, संजय, अरुण, संदीप और हरीश को गिरफ्तार किया था। उसने पूछताछ में पता चला कि वारदात में मोहम्मद इरफान और ऐश्वर्य पांडे भी शामिल थे। दोनों बदमाशों पर दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज हैं। जिले की नारकोटिक्स टीम को निगरानी के दौरान सोमवार की रात दोनों बदमाशों के शाहबाद डेयरी इलाके में मौजूदगी का पता चला। पुलिस उपायुक्त स्वामी की देखरेख में निरीक्षक गौरव चौधरी के नेतृत्व में टीम बनाकर पुलिस ने बाइक से आए बदमाशों को रोका, जिस पर बदमाश छह राउंड गोलियां चलाकर, वहां से भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस टीम ने बचाव में पांच गोलियां चलाईं। बदमाशों के पैर में गोली लगी और वे बेहोश हो गए। दोनों को पास के अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद क्राइम और फोरेंसिक टीम ने वहां से साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि बदमाशों के कब्जे से दो पिस्टल, चार कारतूस, छह खोखा और समयपुर बादली इलाके से चोरी बाइक बरामद हुई है। पुलिस ने बताया कि 40 वर्षीय मोहम्मद इरफान चांद बाग का रहने वाला है। उसपर 40 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिसमें हत्या की कोशिश, आर्म्स एक्ट, लूटपाट, डकैती, चोरी और झपटमारी के मामले शामिल हैं। इनमें से 32 मामले दिल्ली और 8 उत्तर प्रदेश में दर्ज हैं। वहीं, वर्षीय ऐश्वर्य पांडे डिफेंस कॉलोनी भोपुरा चौक हिंडन मोड़, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। उसपर हत्या की कोशिश, आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर एक्ट और चोरी के पांच मामले दर्ज हैं, जिसमें 4 उत्तर प्रदेश और एक दिल्ली में दर्ज है।

रिठाला-कुंडली मेट्रो के रास्ते में आए 3493 पेड़, 527 कटेंगे-2966 हटेंगे

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो के फेज-4 के तहत बन रहे रिठाला-कुंडली कॉरिडोर का निर्माण आगे बढ़ाने के लिए दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने पेड़ों की कटाई और ट्रांसप्लांटेशन की प्रक्रिया को रफ्तार दी है। कॉरिडोर के रिठाला से लेकर दिल्ली-हरियाणा सीमा तक के पूरे खंड में अब तक कुल 3,493 पेड़ प्रभावित हो रहे हैं। इनमें से 527 पेड़ों को काटा जाएगा, जबकि 2,966 पेड़ों को वैज्ञानिक तरीके से उखाड़कर दूसरी जगह स्थानांतरित होंगे। इस कार्य के लिए डीएमआरसी की तरफ से तीन अलग-अलग अनुबंधों के जरिए करीब 7.52 करोड़ खर्च किए जाएंगे। दस्तावेज के अनुसार, प्रभावित पेड़ मेट्रो रूट के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों पर स्थित हैं। इनमें पश्चिमी यमुना नहर क्षेत्र, सनोथ गांव, नरेला मेट्रो डिपो का प्रवेश एवं निकास मार्ग, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) का भंडारण परिसर और दिल्ली-अंबाला रेलवे लाइन के आसपास का क्षेत्र शामिल है। इसके अलावा रोहिणी सेक्टर-25, सेक्टर-28 और सेक्टर-34 स्टेशनों के प्रवेश-निकास द्वारों और यूईआर-2 के मीडियन के पास भी बड़ी संख्या में पेड़ों को हटाने की आवश्यकता बताई गई है। ट्रांसप्लांट किए जाने वाले सभी पेड़ों को दक्षिणी दिल्ली के डेरा मंडी क्षेत्र में स्थानांतरित होगा। निर्माण एजेंसी को केवल पेड़ों को दूसरी जगह लगाने तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि ट्रांसप्लांटेशन के बाद एक वर्ष तक उनकी देखभाल, निगरानी और रखरखाव की जिम्मेदारी भी दी गई है ताकि पेड़ों के जीवित रहने की संभावना (सर्वाइवल रेट) कम से कम 80त्न बनी रहे। यदि जीवित रहने वाले पेड़ों का आंकड़ा 50त्न से कम रहता है, तो ठेकेदार को कोई भुगतान नहीं किया जाएगा। यह पूरा कार्य 18 महीने में पूरा किया जाएगा, जिसमें पहले छह महीने ट्रांसप्लांटेशन और अगले 12 महीने रखरखाव के लिए होंगे। दस्तावेजों में कहा कि 527 पेड़ों को काटने का फैसला वैज्ञानिक और नीतिगत आधार पर लिया गया है। विलायती कीकर, यूकेलिप्टस और ल्यूकेना जैसी विदेशी प्रजातियों को दिल्ली के इकोसिस्टम के लिए हानिकारक माना जाता है, इसलिए इन्हें ट्रांसप्लांट नहीं किया जाएगा। वेस्टर्न यमुना कैनाल और बवाना के पास बड़ी संख्या में काबुली कीकर को काटने का प्रस्ताव है। पारदर्शिता के लिए हर एक पेड़ की जियो-टैगिंग की जाएगी ताकि उनकी लोकेशन को डिजिटल मैप पर ट्रैक किया जा सके। चूंकि इस प्रोजेक्ट में 100 से ज्यादा पेड़ शिफ्ट हो रहे हैं, इसलिए एक साल बाद स्थानीय नागरिक समितियों और विशेषज्ञों के माध्यम से सोशल ऑडिट कराया जाएगा, जो मौके पर जाकर जीवित पेड़ों की गिनती करेंगे। 26.463 किलोमीटर लंबा रिठाला-कुंडली मेट्रो कॉरिडोर दिल्ली मेट्रो के फेज-4 की सबसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल है। करीब 6,230 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना राजधानी और हरियाणा के बीच कनेक्टिविटी को मजबूती देगी। यह कॉरिडोर मौजूदा रिठाला रेड लाइन का विस्तार होगा और नरेला, बवाना और रोहिणी के हिस्सों को जोड़ेगा। पूरे मार्ग पर 21 एलिवेटेड स्टेशन बनाए जाएंगे। इसे चार वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

कैंसर मरीजों के इलाज के लिए हर साल 33,000 करोड़ की जरूरत, फिनकैन शोध में खुलासा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली के डॉ. बीआर अंबेडकर इंस्टीट्यूट रोटरी कैंसर हॉस्पिटल के विशेषज्ञों की फिनकैन शोध में यह बात सामने आई है। इसका नेतृत्व डॉ. अभिषेक शंकर ने किया। अध्ययन के अनुसार, 2018 में शुरू हुई योजना के तहत अब तक 68 लाख से ज्यादा कैंसर मरीजों का इलाज हो चुका है, जिस पर 13,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। अध्ययन में पाया गया कि कैंसर का पता चलने के 30 दिनों में इलाज शुरू होने की संभावना 90त्न तक बढ़ गई है। हालांकि, यह भी सामने आया कि कैंसर के मरीजों को बेहतर इलाज देने के लिए हर साल करीब 33,000 करोड़ रुपये की जरूरत है, जबकि अभी सिर्फ करीब 7,700 करोड़ रुपये ही खर्च किए जा रहे हैं। शोध में सुझाव दिया गया है कि योजना में कुछ बदलाव किए जाएं। हर परिवार के लिए 5 साल में 25 लाख रुपये तक की रिवॉल्विंग लिमिट तय की जाए। इसके अलावा गंभीर मरीजों के लिए 10 लाख रुपये तक की अतिरिक्त मदद का भी सुझाव दिया गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जांच और स्क्रीनिंग सुविधाएं योजना में पूरी तरह शामिल नहीं हैं, जिससे इलाज शुरू होने में देरी होती है। इसलिए इन्हें जोड़ने का सुझाव दिया गया है। सरकार ने इस दिशा में कुछ कदम भी उठाए हैं। हाल के बजट में जिला अस्पतालों में 200 नए कैंसर डे-केयर सेंटर खोलने की घोषणा की गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, केवल इलाज पर खर्च बढ़ाना ही काफी नहीं है, बल्कि बीमारी की शुरुआती पहचान पर भी ध्यान देना जरूरी है। अगर कैंसर का पता जल्दी चल जाए और इलाज समय पर शुरू हो जाए तो हर साल करीब 1,500 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है और हजारों लोगों की जान बचाई जा सकती है।

उत्तर पूर्वी दिल्ली के गौतमपुरी में घर में मृत मिली महिला, पति पर शक

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर स्थित गौतमपुरी इलाके में एक दुखद घटना सामने आई है। 11 जून 2026 की सुबह 35 वर्षीय एक महिला अपने घर में मृत पाई गई। स्थानीय पुलिस को कथित हमले की सूचना मिली, जिसके बाद सीलमपुर पुलिस स्टेशन से तत्काल प्रतिक्रिया दी गई। पुलिस अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने वहां महिला का शव बरामद किया। शव को आगे की जांच के लिए जेपीसी अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि महिला को सिर में गंभीर चोट लगी थी। यह चोट किसी भारी वस्तु से पहुंचाई गई होगी। इन चोटों के कारण ही उसकी मौत हुई। पुलिस रिपोर्टों के अनुसार, महिला का पति इस मामले में मुख्य संदिग्ध के रूप में सामने आया है। जांचकर्ताओं ने बताया कि घटना के तुरंत बाद आरोपी पति ने एक दोस्त से संपर्क किया था।

महिला डॉक्टर से चेन झपटमारी में मुरादनगर का असलम उर्फ सिंघम गिरफ्तार

नई दिल्ली। स्वामी दयानंद अस्पताल के पास जीटीबी अस्पताल की महिला डॉक्टर से चेन झपटने की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस संबंध में मुरादनगर, गाजियाबाद निवासी असलम उर्फ सिंघम उर्फ रोहित को पकड़ा है। पुलिस ने इसके पास से लूटी गई चेन व चोरी की एक बाइक बरामद की है। आरोपी के खिलाफ दिल्ली के अलग-अलग थानों में 16 और यूपी में 7 मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इसकी गिरफ्तारी से दो मामले सुलझाने का मामला दर्ज किया है। असलम नशे का आदी है। पिछले साल 10 सितंबर 2025 को वह एक मामले में जेल से बाहर आया था। इसके बाद वह दोबारा अपराध की दुनिया में कूद गया। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि 4 मार्च को एक महिला डॉक्टर ने स्वामी दयानंद अस्पताल के पास झपटमारी की शिकायत दी। पीड़िता ने बताया कि वह जीटीबी अस्पताल में डॉक्टर हैं। अस्पताल से घर जाते समय आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला। पुलिस ने काफी प्रयास के बाद आरोपी की पहचान कर उसे एरिया से दबोच लिया। उसके पास से चोरी की एक स्कूटी बरामद हुई। आरोपी ने बताया कि इसी स्कूटी से उसने वारदात को अंजाम दिया। स्कूटी उसने मंगोलपुरी एरिया से चोरी की थी। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

डीयू में प्रदर्शनों पर रोक के आदेश पर हाईकोर्ट ने उठाए सवाल, डीयू और पुलिस से मांगाव जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) और दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आदेशों पर सवाल उठाते हुए कहा है कि विरोध-प्रदर्शन, जुलूस और सभाओं पर पूर्ण (ब्लैंकेट) प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि हमारी स्पष्ट राय है कि ब्लैंकेट बैन नहीं हो सकता। हालांकि, कोर्ट ने याचिकाकर्ता की मांग पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया और मामले में डीयू और पुलिस को एक सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की खंडपीठ ने गुरुवार को इस मामले की सुनवाई की। याचिका डीयू लॉ फैकल्टी के छात्र उदय भदौरिया ने दायर की है, जिसमें 17 फरवरी 2026 को प्रॉक्टर कार्यालय द्वारा जारी अधिसूचना को चुनौती दी गई है। इस अधिसूचना में विश्वविद्यालय परिसरों और संबद्ध कॉलेजों में पांच या अधिक व्यक्तियों की सभा, सार्वजनिक बैठकें, जुलूस, प्रदर्शन, धरना या किसी भी प्रकार की आंदोलन को एक महीने के लिए प्रतिबंधित किया गया था। यह आदेश यूजीसी इक्विटी गाइडलाइंस (जातिगत भेदभाव रोकने संबंधी) के समर्थन में हुए छात्र प्रदर्शनों के दौरान हुई झड़पों के बाद जारी किया गया था। याचिकाकर्ता के वकीलों ने तर्क दिया कि यह आदेश संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता) और अनुच्छेद 19 (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) का उल्लंघन है। यह अनुपातहीन है और शैक्षणिक चर्चा पर ठंडा प्रभाव डालता है। कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि सार्वजनिक बैठकें, रैलियां, जुलूस, प्रदर्शन, धरना या किसी भी प्रकार का आंदोलन आप (डीयू) इसमें शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को भी शामिल कर रहे हैं। इसे कितना जायज ठहरा सकते हैं? इस आदेश की क्या आवश्यकता थी? यदि धारा 144 का उल्लंघन हुआ तो पुलिस कार्रवाई करती, आपको यह आदेश क्यों जारी करना पड़ा? पीठ ने छात्रों के आचरण पर भी टिप्पणी की और कहा कि अनुच्छेद 19 के तहत मिली स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने डीयू और दिल्ली पुलिस को एक सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 25 मार्च को होगी।

प्रेमिका ने शादी के किया इनकार तो पूरे परिवार पर बरपाया कहर

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के हर्ष विहार इलाके में एक युवती ने प्रेमी से शादी से क्या इनकार किया आरोपी आग बबूला हो गया। आरोपी अपने परिवार व रिश्तेदारों के साथ युवती के घर पहुंच गया। वहां परिवार के साथ गाली-गलौज करने के बाद आरोपी ने युवती के पिता पर हमला कर दिया। आरोपी पिता को बुरी तरह पीटने लगे। युवती और उसकी मां बचाने आई तो आरोपियों ने उन पर भी हमला कर दिया। आरोपी ने पत्थर से युवती के सिर पर हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। हमले में युवती व उसके पिता को गंभीर चोट लगी। दोनों को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने युवती के बयान पर आरोपी देव, ममता, मानसी और आदित्य के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। हमला करने के बाद से वह फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। पीड़िता का आरोप है कि देव ने उससे कहा कि यदि उसने किसी और से शादी की तो वह उसे मार देगा। पुलिस इसकी भी पड़ताल कर रही है। पुलिस के मुताबिक 19 वर्षीय पीड़िता परिवार के साथ मंडोली एक्सटेंशन में रहती है। पीड़िता ने बताया कि कुछ समय पूर्व उसकी पहचान देव नामक युवक से हुई थी। जल्दी ही दोनों की दोस्ती प्यार में बदली। देव युवती से शादी करना चाहता था, लेकिन देव की आदतों को देखकर युवती ने उससे शादी से इनकार कर दिया।

बदले की आग में पत्थर से सिर कुचलकर की हत्या, डेढ़ माह बाद नेपाल बॉर्डर से दबोचा गया आरोपी

नई दिल्ली। दिल्ली के आदर्श नगर इलाके में विवाद में फल विक्रेता की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या करने वाले नेपाल के रहने वाले आरोपी को पुलिस ने इंडो नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 45 साल के सुमन कुमार झा के रूप में हुई है। घटना के कुछ दिन शराब पीने के दौरान दोनों के बीच किसी बात पर विवाद हो गया था। जिसका बदला लेने के लिए आरोपी ने घटना को अंजाम दिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज वायरल हुआ था। उत्तरी परिक्षेत्र के पुलिस आयुक्त विजय सिंह ने बताया कि 23 मार्च को आदर्श नगर थाना पुलिस को आजादपुर फ्लाई ओवर के नीचे एक शख्स के खून से लथपथ हालत में पड़े होने की सूचना मिली। पुलिस उसे बाबू जगजीवन राम अस्पताल लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मरने वाले की शिनाख्त नहीं हो पाई। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया। तीन दिन बाद मृतक के बेटे सतेंद्र यादव ने उनकी पहचान अपने पिता रमेश यादव के रूप में की। वह मूलत- गांव बरहोजपार गोरखपुर यूपी के रहने वाले थे और आजादपुर मंडी में फल विक्रेता थे। जांच के दौरान पुलिस को एक वायरल वीडियो मिला, जिसमें आरोपी को पत्थर से कुचलकर हत्या करते हुए देखा गया। काफी जांच करने पर पता चला कि आजादपुर मंडी में उसे साइकिल के नाम से जानते थे। वह मंडी में फल की रेहड़ी लगाता था। पुलिस ने उसके भागने की दिशा में लगे करीब 150 सीसीटीवी कैमरे की जांच की, जिसमें पता चला कि आरोपी गुरुग्राम हरियाणा का रहने वाला सुमन कुमार झा है। वह नेपाल के सप्तरी जिले का रहने वाला है। पुलिस को उसका लोकेशन नेपाल में मिला।

तेज आवाज में इयरफोन का बढ़ता चलन

नई दिल्ली। मोबाइल, ऑनलाइन क्लास, गेमिंग और मनोरंजन के लिए इयरफोन व हेडफोन का इस्तेमाल आम बात है। लंबे समय तक तेज आवाज में इयरफोन का उपयोग कानों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इससे सुनने की क्षमता प्रभावित होने के साथ कई तरह की श्रवण संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं।डॉक्टरों के अनुसार लगातार ऊंची आवाज में ऑडियो सुनने से कानों के भीतर मौजूद संवेदनशील कोशिकाओं को नुकसान पहुंचता है। इसके कारण सुनने की क्षमता कम होना, कानों में घंटी या सीटी जैसी आवाज सुनाई देना और कानों में भारीपन जैसी समस्याएं होती हैं। स्वामी दयानंद अस्पताल के विशेषज्ञ डॉ. आदर्श आजाद ने बताया कि इयरफोन या हेडफोन का लंबे समय तक और तेज आवाज में इस्तेमाल करने से कानों की सुनने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

NAME CHANGE

I, KAMAL SINGH S/O GULAB SINGH residing at A-15-A, VISHWAS PARK EXTENSION, RAJA PURI, UTTAM NAGAR, DWARKA, DELHI-110059 have changed my name to KAMAL SINGH RAWAT for all future purposes.

NAME CHANGE

I, KAUSHAL KUMARI W/O OM PRAKASH SINGH residing at H NO-1403 GALI NO-39 B-BLOCK HANUMAN KUNJ SANT NAGAR BURARI DELHI-110084 have changed my name to KAUSHAL DEVI for all future purposes.

NAME CHANGE

I Varun S/O Dev Dutt Sharma R/O D 48 Road No. 5 Shyam Vihar Phase 1 Dindar Pur Najafgarh Delhi 110043 have changed my name to Varun Sharma for all future purpose

NAME CHANGE

I, Jahnvi D/O, L.N Kumar R/O, A-2/447, Third Floor, Sector-8, Rohini, Rohini Sector-7, North West Delhi, Delhi- 110085 have changed my name to Jahnvi Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Dharm Vir Pal S/O, Lajjaram Pal, A-12, B.D Enclave, Near to B.D International School, Yusufpur chak saberi, Yusufpur Chak Saberi, PO: Chhipyana, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh- 201009 have changed my name to Dharam Vir for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Subhash Chander S/O Basant Lal R/O C-203 Ourania Apartments, Behind South Point Mall, Sector-53 Golf Course Road Gurgaon Haryana122001 Have Changed My Name To Subhash Chander Goyal

NAME CHANGE

I, Vinod Kumar, S/O Satveer Singh, R/O Plot IN Kh No 236/1, First Floor, Bijwasan, PO: Bijwasan, South West Delhi, Delhi- 110061 has changed my name to Vinod Kumar Rana for all future purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as PINKY SHARMA alias DRITI SHARMA JAIN D/o DINESH SHARMA W/o RISHABH JAIN R/o Flat No-1501, Tower-12, Max City, Ramprastha Greens, Sector-7 Vaishali, I E. Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010, have changed my name and shall hereafter be known as DRITI SHARMA JAIN.

NAME CHANGE

I, PRATEEK VERMA S/o VIJAY KUMAR VERMA R/o House No A-103, Surya Nagar, Opposite vivek Vihar, Chander Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh- 201011, have changed the name of my minor daughter FRAYASHTI VERMA aged 06 years and she shall hereafter be known as ANVIITI VERMA.

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Smt. Savitri Devi W/o Late Sh. Bharti is the owner and in possession of a Freehold Residential Entire Built Property bearing No. 237 (Old No. 223) Mata Mohalla, admeasuring 126 sq. yds. comprising in Khasra No. 258/2, Situated in Abadi of Lal Dora of Village Tekhand, Okhla Phase-I, New Delhi. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 30.10.2024, vide Doc No. 2024/10/I/7761, in Book No. I, Vol No. 18258, on Pages No. 179 to 198, on this dated 13.11.2024, SR- South East Mehrauli. Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Pitampura New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, ASHA SINGH wife of SHRAWAN KUMAR residing at P-26/1, BASANTRA LINE, DELHI CANTT-110010, have changed my name from ASHA SINGH to ASHA KUMARI for all future purposes vide Affidavit Dated 12/06/2026 before Executive Magistrate, New Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, BOREGOWDA M B Father of Name-SURESH KUMARA Residing at-VILL-MARAGOWDANAHALLI, HERBALU HOBLI, TALUK-K. R. NAGARA, DIST-MYSORE, KARNATAKA-571602, have changed my name from BOREGOWDA M B to M B BOREGOWDA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 08/05/1963 instead of my correct date of birth as 10/05/1955 Vide Affidavit dated 12/06/2026 before Notary Public Delhi.

सार्वजनिक सूचना

श्रीमती बबीता, श्री मुकेश की पत्नी, मेसर्स कैन फिन होम्स लिमिटेड से 139 वर्ग गज के भूखंड के लिए ऋण मांग रही हैं, जो खेवट संख्या 42/51, मुस्तकिल संख्या 04, किला संख्या 22/2/2(0-17), 22/2(2-10), मुस्तकिल संख्या 05, किला संख्या 2(8-0), 3(3-16), 9/1(2-13), 123/3/1(1-14) में स्थित है, जो वाका सिवाना मौजा नाहरपुर रूपा, राजीव कॉलोनी, तहसील और जिला गुड़गांव (हरियाणा) में स्थित है; जिसे इसके बाद उक्त संपत्ति कहा जाएगा। दिनांक 06.03.2023 को श्रीमती बबीता (पत्नी श्री मुकेश) के पक्ष में विक्रय विलेख संख्या 14057 के निष्पादन के समय, संपत्ति के पते में एक टाइपोग्राफिकल त्रुटि थी, अर्थात् 139 वर्ग गज के भूखंड का क्षेत्रफल, खसरा संख्या 5/123/3/1 में शामिल, वाका सिवाना मौजा नाहरपुर रूपा, राजीव कॉलोनी नामक कॉलोनी, तहसील और जिला गुड़गांव (हरियाणा) में स्थित है, जिसमें पूर्ण खसरा संख्या का उल्लेख नहीं किया गया है, जबकि सही पता खसरा संख्या सहित ऊपर दिया गया है। अब श्रीमती बबीता (पत्नी श्री मुकेश) उक्त संपत्ति की पूर्ण स्वामी हैं। यदि किसी व्यक्ति का उपरोक्त दस्तावेजों पर कानूनी वारिसों, गिरवी, उपहार, पट्टा, उत्तराधिकार, ग्रहणाधिकार या किसी अन्य रूप से कोई दावा है या कोई आपत्ति है, तो उसे उपरोक्त दस्तावेजों के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए दिल्ली कार्यालय के पते पर लिखित रूप में इसकी सूचना देनी होगी। ऐसे दावों को अमान्य घोषित कर दिया जाएगा और यदि कोई दावा है तो उसे माफ कर दिया जाएगा। ऐसा न करने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में किसी तीसरे पक्ष के दावे/आपत्तियां/विवाद न होने की स्थिति में उपरोक्त मालिकों के साथ बिक्री लेनदेन को पूरा किया जाएगा और उसके बाद किसी भी दावे/आपत्तियां/विवाद पर विचार नहीं किया जाएगा।

मेसर्स पास एंड एसोसिएट्स, एलएलपी
बी-132, मालवीय नगर,
नई दिल्ली-110017
मोबाइल नंबर - 09991119392

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, MAHADEVI mother of Name-SURESH KUMARA Residing at-VILL-MARAGOWDANAHALLI, HERBALU HOBLI, TALUK-K. R. NAGARA, DIST-MYSORE, KARNATAKA-571602, have changed my name from MAHADEVI to MAHADEVAMMA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 10/03/1974 instead of my correct date of birth as 04/05/1964 vide Affidavit dated 12/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, RAJESH KUMAR S/O MOHINDER LAL BAGGA residing at X-201, ANUPAM APARTMENTS, EAST ARJUN NAGAR, SHAHDARA, DELHI- 110032 have changed my name to RAJESH KUMAR BAGGA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MOHD AMIN S/O MOHD NAIM residing at 2941 B KALAN MASJID UNCHI MASJID SITA RAM BAZAR DELHI-110006 have changed my name to AMIN for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Gauri Jha W/o Mr. Ram Dev Jha is the owner and in possession of a Freehold Residential Plot of land area measuring 50 Sq. Yds., out of Khewat No. 4 Khatoni No. 7 Min, Must No. 13 Killa No. 9(7-4), Situated in the Village Palla, Tehsil and District Faridabad, Haryana. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 29.11.2013, duly registered in the office of SR-Faridabad, Vide Doc. No. 11512, in Book No. 1, Vol. No. 0/14, on Pages No. 108/22-24, on dated 29.11.2013. In the chain of documents, (1) Original Sale Deed dated 26.03.1990 Vide Doc. No. 19249 (2) Original Sale Deed dated 06.12.1990 executed by Mr. Nepal Singh S/o Mr. Shadi Ram in favour of Mr. Ram Kumar Jha S/o Mr. Ram Sharan Jha & (3) Original Sale Deed dated 01.10.2001 executed by Mr. Ram Kumar Jha S/o Mr. Ram Sharan Jha in favour of Mrs. Uma Devi W/o Mr. Raj Kumar Vide Doc. No. 5908 SR- FDB are not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And same property sold to be Mr. Munesh kumara the said property is presently financed / mortgaged with Tata Capital Housing Finance Ltd., Branch: Faridabad, Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, SHARDA BEN GOBAR BHAI RAM wife of JC-708426H, Rank-SUB, Name-R G B G BHAI residing at VPO-MORVAD, TEHSIL-KODINAR, DIST-GIR SOMNATH, GUJARAT-362720, have changed my name from SHARDA BEN GOBAR BHAI RAM to SHARDABEN GOBARBHAI RAM for all future purposes vide Affidavit dated 12/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, GAURAV BUDHIRAJA S/O RAJ KUMAR BUDHIRAJA R/O HOUSE NO-4335, NEAR HP PETROL PUMP, SECTOR-23, GURUGRAM, HARYANA-122017, HAVE CHANGED MY MINOR DAUGHTER NAME FROM ERICA TO ERICA BUDHIRAJA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I hitherto known as SAROJ KAPOOR W/O VINOD KUMAR KAPOOR R/O D-249, Deen Dayal Upadhaya College, Karam Pura, West Delhi, Delhi-110015 have changed my name and shall hereafter be known as SAROJ BALA KAPOOR.

NAME CHANGE

I, Kanwal Preet Kaur Reen D/O Mohinder Singh R/O Nil 64A, Malviya Nagar 110017 Have changed my name to Kanwal Preet Kaur for all future purposes.

NAME CHANGE

I SANDEEP AGGARWAL S/O RAM DUTT AGGARWAL R/O H NO 92, 2 ND FLOOR, VASUDHA ENCLAVE PITAM PURA DELHI - 110034 have changed my name to SANDEEP TAYAL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I RUPASHI D/O PARMOD KUMAR R/O B-1 /153 PASCHIM VIHAR DELHI- 110063 have changed my name to RUPASHI SILOTIA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I VANDANA SINGH W/O LATE PARMOD KUMAR R/O RZH-29/22 NIHAL VIHAR NANGLOI DELHI-110041 have changed my name to VANDANA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I SIMRAN KAUR D/O GURCHARAN SINGH R/O C-14 JHILMIL COLONY SHAHDARA DELHI-110095 have changed my name to SIMRAN JEET KAUR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I MEENA JAIN W/O KAMAL JAIN R/O H.NO 2143 SECTOR 46 JHARSA GURGAON HARYANA 122003 have changed my name to MEENU JAIN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I GAURAV S/O HARI KRISHAN R/O P-46 BLOCK P VIJAY VIHAR UTTAM NAGAR DELHI -110059 have changed my name to GAURAV BHOPAL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, PRATIKSHA W/o Somdatt R/o Nai Mohalla, nr. Basanti Mata, VPO Mator, Kaithal, Haryana-136117, have changed my name to PRATIKSHA DEVI permanently.

NAME CHANGE

I, SHUBHAM S/o Akhilesh Pandey R/o K-5/81, K-Block, Mohan Garden, Uttam Nagar, Near Vikrant Chowk, D.k Mohan Garden, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name to SHUBHAM KUMAR permanently.

Public Notice

I, MARSHAL SINGH S/o Vijay Singh Shakay R/o A-13 EWS GF MBA III Ramprastha Chander Nagar Ghaziabad Uttar Pradesh-201011, declare that name of mine and my father and my mother have been wrongly written as Marshal and Vijay Singh Shakey and Meena in my all educational documents, The actual name of mine and my father and my mother are Marshal Singh and Vijay Singh Shakay and Meena Singh Shakay, Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Gurbeer Kaur Khehra w/o Kulshaan Singh R/o B-10, Naveen Shahdara, Delhi-110032 have changed my name to Gurbeer Kaur for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Mohd Shahzad S/o Arif Khan R/o Ward No.05, Bathna, Bijdhari Nizamat, East Champaran, Bihar-845424 have changed my name to Mohibullah Khan for all future purposes

NAME CHANGE

I MONIKA D/O Kailash Chand Yadav, R/O H-no. 6035 gali arya samaj ,naya bans road, khari baoli delhi 110006. changed my name to MONIKA YADAV

NAME CHANGE

I SYED ATHAR HUSSAIN S/0 Sayed Akhlaq Hussein R/0 291 G/F B/P Lal Mahal Basti Hazrat Nizamuddin Delhi 110013 Changed my name to SYED ATHER HUSSAIN

Public Notice

It is for general information that I Bal Jeet Singh S/O: R P Singh, R/O Flat No-H 1621 Galaxy North Avenue-2, Gaur City-2, Sector-16C Greater Noida West, Gautam Buddha Nagar, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as Baljeet Singh and Sunaina Devi in my PPO NO 601198903188.The actual name of mine and my wife are BAL JEET SINGH AND SUNENA DEVI,respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE

I hitherto known as Priyanshu S/O: Suresh Sharma, HOUSE NO. 48, GAYTRI PURAM, GHANSHYAM ROAD, Ahera, Baghpat, Baghpat, Uttar Pradesh, 250609, have changed my name and shall hereafter be known as PRINCE SHARMA.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इन्डस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

अलग-अलग सड़क हादसों में तीन की मौत

एजेंसी

जींद। जिला में अलग-अलग स्थानों पर सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर संबंधित थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों के शवों को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव छात्तर में मोहित की शादी थी। छात्तर गांव से बारात बड़ौदा जा रही थी। आर्टिगा गाड़ी में 9 युवक सवार थे। देर रात को दिल्ली-पटियाला नेशनल हाइवे पर बड़ौदा गांव के पास आर्टिगा गाड़ी का टायर फट गया। जिसमें नौ युवक घायल हो गए। घायलों को परिजन हिसार अस्पताल में उपचार के लिए लेकर गए। जहां गांव छात्तर निवासी अंकुश व गांव करसिंधू निवासी दीपक को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। उचाना थाना प्रभारीचंद्रपाल ने बताया कि रात को सूचना मिली थी उचाना-बड़ौदा के बीच एक्सीडेंट हुआ है। जानकारी मिलने के बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को पहले उचाना नागरिक अस्पताल में लेकर गए। यहां चिकित्सकों ने दो को मृत घोषित कर दिया। जबकि अन्य घायलों को रेफर किया गया है। उधर, गांव बडनपुर निवासी बलवान तथा साहिल बुधवार रात नरवाना से बाइक पर सवार होकर गांव वापस लौट रहे थे। गांव के निकट ही सामने से आ रहे दूसरे बाइक ने उनके बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें बलवान, साहिल तथा दूसरे बाइक पर सवार दोनों युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गए।

हरियाणा सरकार ने आधा दर्जन बोर्ड और निगमों में नियुक्त किए चेयरमैन

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने दूसरे चरण में बोर्ड व निगमों के चेयरमैन तथा वाइस चेयरमैन की नियुक्तियां करके पार्टी के करीब आधा दर्जन नेताओं को सत्ता में शामिल किया है। इससे पहले करीब एक दर्जन नेताओं को बोर्ड व निगमों में चेयरमैन के पद पर नियुक्ति की गई थी। फतेहाबाद जिला निवासी बलदेव सिंह ग्रोहा को हरियाणा शेड्यूल कास्ट फाइनेंस एंड डिवेल्पमेंट कारपोरेशन का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। हरियाणा सरकार द्वारा जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, करनाल निवासी एडवोकेट अशोक को एनीमल हसबेंडरी एंड डेयरी डिवेल्पमेंट बोर्ड चेयरमैन नियुक्त किया गया है। हांसी निवासी राजेश ठकराल को हरियाणा वेलफेयर बोर्ड का चेयरमैन नियुक्त गया है। इसके साथ ही सरकार ने करनाल निवासी सुभाष गुप्ता तथा नारायणगढ़ निवासी राकेश बिंदल को हरियाणा वेलफेयर बोर्ड का वाइस चेयरमैन नियुक्त किया है। इसी प्रकार दादरी निवासी रामकिशन शर्मा को हरियाणा स्टेट वेयरहाउसिंग कारपोरेशन का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। राज्य सरकार ने 48 कोस कमेटी फॉर मॉनिटरिंग ऑफ डिवेल्पमेंट वकर्स के लिए रविंद्र सांगवान को चेयरमैन, हिसार निवासी रवि सैनी को हरियाणा फारेस्ट डिवेलपमेंट कारपोरेशन का चेयरमैन नियुक्त किया गया है।

हरियाणा में तालाबों की बदहाली पर मुख्यमंत्री सख्त, एक हफ्ते में मांगी रिपोर्ट

चंडीगढ़। हरियाणा में अब तालाबों की खस्ताहालत पर अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी यदि तालाबों की हालत दोबारा बिगड़ी या काम सिर्फ कागजों में दिखा तो जिम्मेदारी तय होगी। सरकार ने नगर निकायों को तालाबों के पुनर्जीवन, रखरखाव और मॉनिटरिंग को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं और एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट भी तलब कर ली है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में सामने आया कि कई स्थानों पर बहाली के बाद भी हालत संतोषजनक नहीं है। साथ ही पीडीएमएस पोर्टल पर अपडेट न होने और भौतिक व वित्तीय प्रगति का रिकॉर्ड अधूरा मिलने पर भी नाराजगी जताई गई। इसके बाद कई अहम फैसले लिए गए। सरकार ने राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों के आसपास स्थित सभी तालाबों की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर विकसित करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट और अनुमान जल्द तैयार किए जाएंगे। मकसद केवल पानी संरक्षित करना नहीं, बल्कि इन तालाबों को शहरों और कस्बों की पहचान बनाना भी है। बैठक में निर्देश दिए गए कि मौजूदा पौधरोपण सीजन का पूराउपयोग करते हुए तालाबों के आसपास बड़े स्तर पर हरियाली विकसित की जाए।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने रिटर्निंग अधिकारी दलीप जाखड़ को किया सस्पेंड

हिसार। जिला बार एसोसिएशन के चुनाव को लेकर वकीलों में टकराव हो गया है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने रिटर्निंग अधिकारी दलीप जाखड़ को सस्पेंड कर दिया है तो वहीं दूसरी तरफ रिटर्निंग अधिकारी ने इसका विरोध करते हुए हर हाल में 12 जून को चुनाव करवाने का ऐलान कर दिया है। ऐसे में हिसार बार में टकराव की स्थिति हो गई है। बीसीआई ने हिसार के पुलिस अधीक्षक और डीसी को निर्देश दिए गए हैं कि वे कोर्ट परिसर में शांति व्यवस्था बनाए रखें और कोर्ट के कामकाज में कोई बाधा न आने दें। साथ ही बार एसोसिएशन, एड-हॉक कमेटी, चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों और उनके समर्थकों को किसी भी प्रकार की चुनावी गतिविधि, बैठक, मतदान याआम सभा आयोजित करने से भी मना किया गया है। ऐसे में चुनाव को लेकर बड़ा टकराव देखने को मिल सकता है। बार बीसीआई के आदेश को दरकिनार कर 12 जून को चुनाव करवाने करवाने पर अड़ गई है। चुनाव अधिकारी की ओर से मतदान की तैयारियां जारी रखी गई हैं।

नशे के खिलाफ सामाजिक व नैतिक लड़ाई जरूरी: एडीजीपी

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा के एडीजीपी संजय कुमार ने कहा कि नशे के विरुद्ध केवल कानून से लड़ाई संभव नहीं, बल्कि यह सामाजिक व नैतिक जिम्मेदारी भी है, जिसमें हम सब मिलकर लड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा पुलिस द्वारा 11 जून से 26 जून तक विशेष नशामुक्त हरियाणा जागरूकता पखवाड़ा चलाया जा रहा है, ताकि युवाओं को नशे की गिरफ्त में जाने से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति की प्रतिभा, परिवार की खुशियां और राष्ट्र की प्रगति को प्रभावित करता है।

यदि युवा अपनी ऊर्जा शिक्षा, खेल, नवाचार और रचनात्मक गतिविधियों में लगाएं तो वे देश के विकास के सशक्त वाहक बन सकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि प्रत्येक नागरिक अपने आसपास नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाकर इस

अभियान का सक्रिय सहभागी बने। एडीजीपी सिरसा के चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय में राज्यव्यापी अभियान के आगाज पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उपायुक्त शांतनु शर्मा, पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण भी मौजूद रहे।

एडीजीपी ने कहा कि हरियाणा पुलिस द्वारा 'नशामुक्त हरियाणा जागरूकता पखवाड़ा' के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाएगा, ताकि वे नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन व्यतीत कर सकें। उन्होंने कहा कि हरियाणा में नशीले पदार्थों का उत्पादन नहीं होता, बल्कि सीमावर्ती राज्यों एवं अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के माध्यम से इनकी आपूर्ति की जाती है। नशे की इस सप्लाई चेन को तोडऩे के लिए हरियाणा पुलिस लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि समाज को गुमराह करने तथा युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने वाले तत्वों के खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए संजय कुमार ने कहा कि यदि पिछले पांच वर्षों के अपराध आंकड़ों का विश्लेषण किया जाए तो विभिन्न श्रेणियों के अपराधों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। विशेष रूप से वर्ष 2022 से पूर्व की तुलना में वर्ष 2025-26 के दौरान महिला विरुद्ध अपराधों में महत्वपूर्ण गिरावट देखने को मिली है। उन्होंने बताया कि हरियाणा पुलिस की इमरजेंसी रिस्पॉन्स व्हीकल का रिस्पॉन्स टाइम भी पहले की अपेक्षा काफी बेहतर हुआ है, जिससे आपात परिस्थितियों में नागरिकों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

रेणुका डैम बनने से हरियाणा को भी मिलेगा पानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नायब सैनी व हिमाचल प्रदेश के प्रयासों से तेजी से चल रहा रेणुका डैम का कार्य

एजेंसी

चण्डीगढ़ । हरियाणा सरकार जल्द ही सरस्वती नदी प्रोजेक्ट को पूरा कर प्रदेश के किसानों के लिए बहुत बड़ी सौगात देने जा रही है। इस प्रोजेक्ट को सरकार समयबद्ध तरीक़े से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अलावा रेणुका डैम को बनाने का कार्य भी तेजी से चल रहा है तथा जल्द आदिबद्री डैम का कार्य भी शुरू किया जाएगा। सरस्वती नदी बोर्ड के अधिकारियों ने डिप्टी चेयरमैन धूमन सिंह किरमच के नेतृत्व में एचपीसीएल डैम प्रोजेक्ट अथॉरिटी के जीएम अनूप कुमार शर्मा के साथ बैठक आयोजित कर आदिबद्री डैम, रेणुका डैम परियोजना से संबंधित कार्य को लेकर विस्तार से समीक्षा की। बैठक में एचपीपीसीएल के अधिकारियों ने जल्द आदिबद्री डैम का कार्य भी शुरू करने के लिए सहमति जताई। उन्होंने बताया कि डैम के साथ साथ बैराज का भी कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा। डिप्टी चेयरमैन ने बताया कि मुख्यमंत्री एवं सरस्वती बोर्ड के चेयरमैन नायब सैनी के निर्देशानुसार दोनों परियोजनाओं का कार्य अंतिम स्टेज पर टेंडर प्रक्रिया में पहुँच गया। अब सरकार इस प्रक्रिया को पूर्णता लागू कर प्रदेश के किसानों के लिए खुशख़बरी देने वाली है। वर्तमान में हरियाणा सरकार के प्रयासों से प्रदेश के किसानों के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ी है और सरस्वती नदी में पानी चलने से सरस्वती नदी के आस पास क्षेत्र के किसानों के चेहरे खिले हैं। सरस्वती नदी प्रोजेक्ट भविष्य की रणनीति है जिस पर सरकार गंभीरता से प्रयास कर रही है।

हरियाणा के राज्यपाल ने रोहतक अग्निकांड में मृतकों के परिजनों के लिए 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह सहायता की घोषणा की

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने रोहतक के डी-पार्क मार्केट क्षेत्र में आग लगने की दुखद घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की है।इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सैनी मृतकों के परिजनों को दस लाख

तथा घायलों को दो दो लाख रुपए देने की घोषणा कर चुके है। 9 जून को रोहतक के सबसे पुराने एवं व्यस्त बाजार क्षेत्रों में से एक डी-पार्क मार्केट में लगी भीषण आग की दुखद घटना में तीन लोगों की मृत्यु हो गई तथा अनेक दुकानें जलकर क्षतिग्रस्त हो गईं।इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने शोक-संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं तथा दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना की। राज्यपाल ने उपायुक्त, रोहतक को घटना से हुए नुकसान का विस्तृत आकलन कर अति शीघ्र रिपोर्ट तैयार कर सरकार को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन तत्परता से कार्य करे। प्रो. असीम कुमार घोष ने जिला प्रशासन को यह भी निर्देश दिए कि घटना में घायल हुए सभी लोगों को सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित की जाए।

हरियाणा के कक्षा आठ के इतिहास पाठ्यक्रम में शामिल हुआ सिख गुरुओं का इतिहास

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिख समाज और प्रदेशवासियों से किया गया एक महत्वपूर्ण वादा पूरा करते हुए राज्य के विद्यालयों के कक्षा 8वीं के इतिहास पाठ्यक्रम में सिख गुरुओं व बाबा बन्दा सिंह बहादुर से जुड़े इतिहास को शामिल किया है। अब स्कूली बच्चे सिख गुरुओं के साथ–साथ बाबा बन्दा सिंह बहादुर के त्याग, बलिदान और आदर्शों से रूबरू होंगे। मुख्यमंत्री ने हरियाणा में आयोजित गुरु तेगबहादुर के 350वें शहीदी समागम के अवसर पर घोषणा की थी कि आने वाली पीढ़ियों को सिख इतिहास, गुरुओं के आदर्शों और उनके महान बलिदानों से परिचित कराने के लिए इन्हें विद्यालयी शिक्षा का हिस्सा बनाया जाएगा। अब सरकार ने इस घोषणा को अमलीजामा पहनाते हुए इसे पाठ्यक्रम में शामिल कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु नानक देव से लेकर गुरु गोबिंद सिंह तक सभी सिख गुरुओं ने मानवता, समानता, सेवा, करुणा, भाईचारे और सामाजिक न्याय का संदेश दिया। उन्होंने समाज को जाति, धर्म और वर्ग के भेदभाव से ऊपर उठकर मानव कल्याण के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी। सिख गुरुओं की शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, क्योंकि वे समाज में सद्भाव, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का मार्ग दिखाती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख गुरुओं और बाबा बंदा सिंह बहादुर का जीवन केवल एक समुदाय की धरोहर नहीं, बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि बाबा बंदा सिंह बहादुर ने गुरु गोबिंद सिंह की प्रेरणा से अन्याय, अत्याचार और शोषण के विरुद्ध संघर्ष करते हुए समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों को सम्मान और अधिकार दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनका जीवन साहस, नेतृत्व, राष्ट्रभक्ति और जनकल्याण की भावना का अद्वितीय उदाहरण है, जो आज भी युवाओं को सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। सैनी ने कहा कि वर्तमान समय में जब नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास और महान व्यक्तित्वों के आदर्शों से जोड़ने की आवश्यकता है, तब सिख गुरुओं और बाबा बंदा सिंह बहादुर के जीवन पर आधारित अध्याय विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का माध्यम बनेंगे। इन अध्यायों के माध्यम से विद्यार्थियों में देशभक्ति, सेवा भाव, सामाजिक समरसता, नैतिक मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता की भावना का विकास होगा।

हरियाणा के 23 जिलों के 1100 श्रद्धालुओं ने हाथ में दीपक जलाकर की सोमनाथ की आराधना

22 मिनट की श्री सोमनाथ महाआरती के दौरान भक्ति भाव में डूबे हरियाणा के श्रद्धालू

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के 23 जिलों से गुजरात के सोमनाथ मंदिर पहुंचे लगभग 1100 श्रद्धालुओं ने बुधवार सायं हाथ में दीपक जलाकर भगवान सोमनाथ की महाआरती में शिरकत की। अरब सागर की लहरों की गर्जन के बीच आयोजित इस महाआरती का दृश्य इतना मनोहारी था कि हर व्यक्ति किसी दिव्य अहसास के साथ भक्ति भाव में डूबा हुआ था। इस दौरान हरियाणा के श्रद्धालू 45 मिनट के लाइट एंड साउंड के माध्यम से श्री सोमनाथ मंदिर के अद्भुत एवं अनोखे इतिहास से भी रूबरू हुए।

सूचना, जन संपर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की तरफ से भेजे गए स्मृति चिह्न व शाल आदि सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट के मैनेजर अनिल मिस्त्री को भेंट किए। मंदिर ट्रस्ट ने आरती के दौरान हरियाणा की खुशहाली की कामना की। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने 8 जून को मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत 1100 श्रद्धालुओं की स्पेशल ट्रेन को कुरुक्षेत्र से हरी झंडी दिखाकर गुजरात के सोमनाथ मंदिर के दर्शन के लिए रवाना किया था। इस यात्रा के श्रद्धालुओं ने बुधवार को सोमनाथ मंदिर पहुंचकर भगवान सोमनाथ के दर्शन किए। यहां सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट व गुजरात सरकार द्वारा श्रद्धालुओं के लिए सोमनाथ दर्शन व जलाभिषेक करवाने के लिए वीआईपी व्यवस्था की गई थी। वीआईपी व्यवस्था के बीच लगभग 1100 श्रद्धालुओं व सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के अधिकारियों व स्टाफ के सदस्यों ने प्रथम ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए और शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। सभी श्रद्धालुओं को गुजरात सरकार व ट्रस्ट की तरफ से अंग वस्त्र व प्रसाद देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद मंदिर परिसर में भगवान सोमनाथ की 22 मिनट की महाआरती में श्रद्धालुओं ने हाथ में जलते दिये लेकर भागीदारी की और प्रदेश की खुशहाली की कामना की। तत्पश्चात श्रद्धालुओं को सोमनाथ मंदिर पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्में दिखाई गईं। इनके माध्यम से श्री सोमनाथ मंदिर के 1000 साल के इतिहास, आजादी के बाद मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए किए गए कार्यों और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए सोमनाथ स्वाभिमान पर्व और अन्य प्रयासों व उनके संदेश को दिखाया गया।

गुरुग्राम शहर में जीएमडीए बनाएगा आठ नए फ्लाईओवर व अंडरपास

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम के समग्र एवं योजनाबद्ध विकास को गति देने के उद्देश्य से हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने जीएमडीए कार्यालय में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में शहरी विकास विभाग के प्रधान सलाहकार डी.एस. ढेसी, गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के सीईओ पी.सी. मीणा, नगर निगम गुरुग्राम आयुक्त प्रदीप दहिया, नगर निगम मानेसर के आयुक्त प्रदीप सिंह सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में शहर की प्रमुख आधारभूत संरचना परियोजनाओं जैसे हीरो होंडा चौक से उमंग भारद्वाज चौक तक प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना की प्रगति, सदर्न पेरिफेरल रोड (एसपीआर) के निर्माण कार्यों, ग्रीन बेल्ट योजना तथा अतिक्रमण हटाने की स्थिति की समीक्षा की गई। इसके अलावा आगामी मानसून को देखते हुए स्वच्छता, जल निकासी एवं जलभराव रोकने की तैयारियों, विभिन्न सड़क एवं आधारभूत संरचना परियोजनाओं तथा शहर में पर्याप्त पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए तैयार की गई कार्ययोजना पर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जीएमडीए अधिकारियों ने इंफ्रा-1 से संबंधित विकास कार्यों पर प्रस्तुति देते हुए बताया कि वर्तमान में लगभग 1,144 करोड़ रुपये की लागत के विकास कार्य धरातल पर क्रियान्वित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त 1,453 करोड़ रुपये की परियोजनाएं टेंडर प्रक्रिया में हैं, जबकि लगभग 1,883 करोड़ रुपये के विकास कार्य योजना निर्माण एवं स्वीकृति प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में हैं। प्रस्तावित फ्लाईओवर एवं अंडरपास परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि शहर में यातायात को सुगम बनाने तथा प्रमुख जंक्शनों पर लगने वाले जाम को कम करने के लिए जीएमडीए क्षेत्र में आठ नए फ्लाईओवर और अंडरपास विकसित करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग और मेदांता फाउंडेशन के बीच हुआ समझौता

हरियाणा में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी मजबूती

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में आज एक बड़ा कदम उठाया गया है। प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग ने आज महेंद्रगढ़ जिले के अटेली स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अपग्रेडेशन और संचालन को मजबूत करने के लिए 'मेदांता फाउंडेशन - पुअर एंड नीडी पेशेंट्स वेलफेयर ट्रस्ट' के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव तथा मेदांता फाउंडेशन के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक डॉ नरेश त्रेहन इस एमओयू को एक्सचेंज किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ सुमिता मिश्रा , मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के निदेशक श्री यशेंद्र सिंह ,हरियाणा मेडिकल सर्विसेज कारपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार , स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के महानिदेशक डॉ मनीष बंसल , निदेशक डॉ ब्रह्मदीप भी उपस्थित थे। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने इस एमओयू को प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने सरकार और मेदांता के इस सहयोग की सराहना करते हुए बताया कि यह सहयोग सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से दूर-दराज के

क्षेत्रों में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस पहल से क्षेत्र में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संकेतकों में उल्लेखनीय सुधार होगा और लोगों को अपने घर के नजदीक ही बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।उन्होंने बताया कि इस साझेदारी के तहत अटेली के स्वास्थ्य केंद्र को 50 बिस्तरों वाले उप-मंडल अस्पताल (सब-डिविजनल हॉस्पिटल) के रूप में अपग्रेड किया जाना प्रस्तावित है, जिसके बाद रेवाड़ी के मीरपुर और गुरुग्राम के फर्रुखनगर में भी इसी तरह के सुधार किए जाएंगे। इस रणनीतिक साझेदारी का मुख्य उद्देश्य बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाकर, विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करके, स्वास्थ्य कर्मियों की क्षमता निर्माण और सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं, नवजातों और बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाना है। मेदांता फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ नरेश त्रेहन ने बताया कि इस समझौते के तहत मेदांता फाउंडेशन अटेली में एक समर्पित सिजेरियन सेक्शन ऑपरेशन थिएटर की स्थापना, लेबर रूम का नवीनीकरण, अल्ट्रासाउंड और डायग्नोस्टिक उपकरणों की स्थापना के साथ-साथ मातृ एवं नवजात देखभाल सेवाओं को मजबूत करने और एक एनीमिया स्क्रीनिंग क्लिनिक स्थापित करने में पूरा सहयोग देगा।

दिव्यांगजनों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मिलेगी सांकेतिक भाषा व्याख्या सहायता

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने दिव्यांगजनों के लिए होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सांकेतिक भाषा (साइन लैंग्वेज) व्याख्या सहायता उपलब्ध कराने की पहल की है। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने इस संबंध में राज्य के सभी प्रशासनिक सचिवों को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने केन्द्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन को भेजते हुए दिव्यांगजनों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान सांकेतिक भाषा व्याख्या सहायता उपलब्ध कराने संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा है। जारी पत्र के अनुसार, केंद्र सरकार ने श्रवण बाधित तथा संचार संबंधी अन्य दिव्यांगताओं से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए सरकारी प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अधिक सुगम और समावेशी बनाने की आवश्यकता पर बल दिया है। कार्यालय ज्ञापन में दिव्यांगजन अधिकारों के मुख्य आयुक्त (सीसीपीडी) द्वारा की गई सिफारिशों का उल्लेख करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपयुक्त सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा दिव्यांगजनों की समावेशी भागीदारी सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

सभी सरकारी विभागों और प्रशिक्षण संस्थानों को दिव्यांगजनों की भागीदारी वाले प्रशिक्षण सत्रों में सांकेतिक भाषा दुभाषियों तथा अन्य सुगम्यता सहायता सेवाओं की आवश्यकता का आकलन करने और आवश्यकता अनुसार उनकी व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

पत्र में कहा गया है कि श्रवण बाधित व्यक्तियों के लिए प्रभावी संवाद और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु सांकेतिक भाषा व्याख्या एक अत्यंत महत्वपूर्ण सहायता तंत्र है। इस पहल का उद्देश्य सरकारी एजेंसियों द्वारा संचालित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, कौशल विकास पहलों तथा आधिकारिक प्रशिक्षण गतिविधियों तक दिव्यांगजनों की समान पहुंच सुनिश्चित करना है।

हरियाणा में विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के सफल कार्यान्वयन के लिए चुनावी अमले को दिया जा रहा है प्रशिक्षण- ए. श्रीनिवास

नागरिकों की सहायता के लिए सभी जिलों में टोल-फ्री नंबर 1950 और हेल्प डेस्क किए चालू

एजेंसी

चंडीगढ़। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार हरियाणा में 'विशेष गहन पुनरीक्षण-2026' को पूरी तरह सफल, प्रभावी, पारदर्शी और त्रुटि रहित बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री ए. श्रीनिवास ने बताया कि इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए राज्य के सभी जिलों में निर्वाचन पंजीयन अधिकारियों (ईआरओ), अतिरिक्त निर्वाचन पंजीयन अधिकारियों (एईआरओ) और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के लिए 5 जून से 12 जून 2026 तक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पूरी पुनरीक्षण प्रक्रिया को पारदर्शी और त्रुटि रहित बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान बीएलओ को मुख्य बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी और निर्देश दिए जा रहे हैं, जैसे कि मृत या स्थानांतरित हो चुके मतदाताओं का सही सत्यापन करना, निर्वाचन आयोग की डिजिटल तकनीकों और ऐप्स के कुशल उपयोग पर प्रशिक्षण, शत-प्रतिशत पंजीकरण कर प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करना ताकि कोई भी योग्य मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे, निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय सारणी (टाईम-लाइन) के भीतर सभी कार्य गंभीरता और जिम्मेदारी से पूरा करना शामिल है। उन्होंने कहा कि बीएलओ जनता और निर्वाचन आयोग के बीच की सबसे मजबूत कड़ी हैं। उन्हें मतदाताओं के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करने और हर पात्र नागरिक को इस प्रक्रिया से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी जिलों में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ

लेवल एजेंटों के लिए भी ओरिएंटेशन वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्कशॉप का उद्देश्य उन्हें विशेष गहन पुनरीक्षण की बारीकियों, इसके उद्देश्य और प्रक्रिया में उनकी भूमिका व जिम्मेदारियों से अवगत कराना है, ताकि वे इस राष्ट्रीय कार्य में अपना सक्रिय सहयोग दे सकें। श्री ए. श्रीनिवास ने जानकारी दी कि मतदाताओं की सुविधा और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए राज्य के सभी जिलों में टोल-फ्री नंबर 1950 चालू कर दिया गया है। इसके अलावा, सभी निर्वाचन पंजीयन अधिकारियों के कार्यालयों में विशेष हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं।

नारनौल में वेतन नहीं मिलने पर सफाई कर्मियों ने की हड़ताल

एजेंसी

नारनौल। नारनौल शहर में डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण कार्य से जुड़े वाहन चालकों और कर्मचारियों ने वेतन नहीं मिलने के विरोध में हड़ताल शुरू कर दी। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें पिछले तीन माह से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। इसके चलते उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और परिवार का पालन-पोषण करना मुश्किल हो रहा है। हड़ताल के कारण शहर के कई क्षेत्रों में घरों से कूड़ा नहीं उठ पाया, जिससे सफाई व्यवस्था प्रभावित रही।हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों ने बताया कि करीब तीन महीने पहले क्लासिक मैन पावर कंपनी ने नारनौल शहर में डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण का ठेका संभाला था। कंपनी के कार्य का शुभारंभ स्थानीय विधायक ओमप्रकाश यादव और नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी द्वारा किया गया था। नई व्यवस्था से लोगों को शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार की उम्मीद थी, लेकिन कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिलने से स्थिति बिगड़ती जा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि वे लगातार कंपनी प्रबंधन से वेतन भुगतान की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। वेतन लंबित रहने के कारण कई कर्मचारियों को दैनिक जरूरतें पूरी करने में भी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी द्वारा पेट्रोल पंप संचालकों का भुगतान नहीं किए जाने के कारण कई पेट्रोल पंपों ने वाहनों को ईंधन देना बंद कर दिया है। इससे भी कार्य प्रभावित हुआ है। जानकारी के अनुसार शहर में डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण के लिए करीब 31 टेंपो, पांच ट्रैक्टर, दो लोडर तथा लगभग 50 चालक एवं अन्य कर्मचारी कार्यरत हैं। हड़ताल के चलते अधिकांश वाहन सड़कों पर नहीं उतरे, जिससे कूड़ा संग्रहण कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा। हड़ताल के चलते शहर के विभिन्न वार्डों, सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर कूड़े के ढेर लगने शुरू हो गए हैं। नागरिकों ने जल्द समाधान निकालकर सफाई व्यवस्था बहाल करने की मांग की है।

THE JANATA CO-OPERATIVE BANK LIMITED

32, NETAJI SUBHASH MARG, DARYAGANJ, NEW DELHI-110 002

Balance sheet as at 31st March 2026

	Schedule	As at March 31, 2026	As at March 31, 2025
Capital and Liabilities			
Capital	1	5,08,54,430.00	5,04,32,930.00
Reserve and Surplus	2	14,37,59,504.40	13,79,78,318.53
Deposits	3	2,06,18,40,825.97	1,86,41,83,125.21
Borrowings	4	-	-
Other liabilities and provisions	5	23,97,88,621.28	22,23,40,830.66
Total		**2,49,62,43,381.65**	**2,27,49,35,204.40**
Assets			
Cash and balances with Reserve Bank of India	6	11,94,19,602.65	9,26,55,833.46
Balance with banks and money at call and short notice	7	34,71,26,444.78	29,69,68,783.58
Investment	8	65,64,09,066.00	54,27,47,578.00
Advances	9	1,04,57,08,247.96	1,03,64,88,077.69
Fixed Assets	10	8,24,49,607.77	8,56,36,682.39
Other Assets	11	24,51,30,412.49	22,04,38,249.28
Total		**2,49,62,43,381.65**	**2,27,49,35,204.40**
Contingent liabilities	12	4,92,59,670.77	6,01,85,433.53
Bills for collection		-	2,07,842.00
Significant Accounting Policies & Notes to Accounts	18		

The Schedules referred to above form an integral part of the Balance Sheet.
The Balance Sheet has been prepared in conformity with Form 'A' of the Third Schedule to the Banking Regulation Act, 1949 (Government of India Notification SO 240(E) dated March 26, 1992)

Auditors' Report
As per our Report of even date attached
for RARA & Co.
(formerly known as Gupta Jalan & Associates
Chartered Accountans
FRN 003721N

For THE JANATA CO-OPERATIVE BANK LTD.

Sd/- **VIJAY MOHAN** Chairman — Sd/- **R. S. DAHIYA** Director

Seal & Sd/-
(RAM NIWAS JALAN)
PARTNER
M. No.082389

Sd/- **NISHANT NARANG** Director — Sd/- **P.S. PATHANIA** Managing Director

PLACE:NEW DELHI
DATE : 29.05.2026
UDIN - 26082389RMILQJ3725

THE JANATA CO-OPERATIVE BANK LIMITED

32, NETAJI SUBHASH MARG, DARYAGANJ, NEW DELHI-110 002

Profit and Loss Account for the year ended on 31st March 2026

Particulamrs	Schedule	As at March 31, 2026	As at March 31, 2025
i. Income			
Interest earned	13	16,96,37,673.78	15,92,55,352.99
Other income	14	70,16,500.26	80,52,901.49
Total		**17,66,54,174.04**	**16,73,08,254.48**
II. Expenditure			
Interest expenses	15	9,32,97,597.40	8,99,39,666.93
Operating expenses	16	6,77,38,468.77	6,90,98,273.33
Provisions and contingencies	17	14,20,000.00	7,75,000.00
Total		**16,24,56,066.17**	**15,98,12,940.26**
III. Profit/(Loss) before tax (I) - (II)		1,41,98,107.87	74,95,314.22
IV. Provision for Tax			
Provision for Current year Income Tax		30,04,493.00	9,00,000.00
Deferred Tax Liability/(Asset)		4,23,000.00	6,34,000.00
Total (IV)		**34,27,493.00**	**15,34,000.00**
V. Profit/(Loss) after Tax = III - IV		**1,07,70,614.87**	**59,61,314.22**
VI. Reserve written-off/(Written-back)			
Bad and Doubful reserve written back		-	(20,00,000.00)
Excess provision of BDDR written back		-	(50,42,593.85)
Excess provision of BDDR transfer to General Reserve		-	50,42,593.85
Total (VI)		**-**	**(20,00,000.00)**
VIIProfit/(Loss) transferred to Balance Sheet (V) - (VI)		**1,07,70,614.87**	**79,61,314.22**
Significant Accounting Policies & Notes to Accounts	18		

The Schedules referred to above form an integral part of the Profit and Loss Account.
The Profit and Loss Account has been prepared in conformity with Form 'B' of the Third Schedule to the Banking Regulation Act, 1949 (Government of India Notification SO 240(E) dated March 26, 1992)

Auditors' Report
As per our Report of even date attached
for RARA & Co.
(formerly known as Gupta Jalan & Associates
Chartered Accountans
FRN 003721N

For THE JANATA CO-OPERATIVE BANK LTD.

Sd/- **VIJAY MOHAN** Chairman — Sd/- **R. S. DAHIYA** Director

Seal & Sd/-
(RAM NIWAS JALAN)
PARTNER
M. No.082389

Sd/- **NISHANT NARANG** Director — Sd/- **P.S. PATHANIA** Managing Director

PLACE:NEW DELHI
DATE : 29.05.2026
UDIN - 26082389RMILQJ3725

Statutory Auditors' Report for the year ended 31st March, 2026

The Members of
The Janata Co-Operative Bank Limited
New Delhi

Report on the Financial Statements

1. We have audited the attached Balance Sheet of The Janata Co-operative Bank Limited, 32, Netaji Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi-110002 as at 31st March, 2026 alongwith the Profit & Loss Account for the year ended on that date annexed thereto wherein are included accounts of branches at Darya Ganj including its extension counter at New Horizon School, Nizamuddin, Palam Colony, East Krishna Nagar, Naraina Branch and Laxmi Nagar Branch. A summary of significant accounting policies and other explanatory information and Long Form Audit Report (LFAR).

Management's Responsibility for the Financial Statements

2. Management is responsible for the preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance and cash flows of the Bank in accordance with Banking Regulation Act 1949(AACS) & Delhi Co-operative Societies Act 2003 and Delhi Co-operative Societies Rules 2007 in accordance with the Accounting Standards / Principles Issued by the Institute of Chartered Accountants of India. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal control relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error..

Auditor's Responsibility

3. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. We have conducted our audit in accordance with Standards on Auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards required that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.
4. An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of risk of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal control relevant to the Bank's preparation and fair presentation of the financial statement in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on the effectiveness of the Bank's internal control. An audit also includes evaluating the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.
5. We believe that the audit evidences we have obtained are sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.

Opinion

6. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said Financial Statements together with the Significant Accounting Policies and Notes to the Accounts, forming part of aforesaid accounts and our Comments and Observations contained in Audit Reports enclosed herewith, give the information required by Banking Regulation Act, 1949 as well as Delhi Co-Operative Societies Act, 2003 and Rules made there-under in the manner, so required for Urban Cooperative Banks and give a true fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:

a. In the case of the **Balance Sheet** of State of **Affairs** of the Bank as at **31st March, 2026**;
b. In the case of the **Profit & Loss Account** of the **profit** for the year ended on that date.

Report on other Legal and Regulatory Requirements

7. The Balance Sheet and the Profit & Loss account have been drawn up in Form "A" and "B", respectively of the Third Schedule of the provision of section 29 of Banking Regulation Act, 1949 (AACS) and Delhi Co-Operative Societies Act, 2003, and rules made there under.

We report that

a. We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.
b. In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Bank, so far as appears from our examination those books.
c. The transactions of the bank which came to our notice, has been within the powers of the Bank.
d. The Balance Sheet and Profit & Loss account referred to in the report are in agreement with the Books of Accounts and Returns.
e. In our opinion, books of accounts have been kept by the bank as required under the Act.
f. In our opinion, the Balance Sheet and profit & Loss Account comply with the applicable Accounting Standards, issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI), to the extent applicable.
g. In our opinion, there has not been any irregularity in the expenditure or in realization of money due to the Bank except as reported in Para '7(k)', below.
h. To the best of our belief and according to information and explanation given to us, the transactions of the Bank, which have come to our notice, have been within the competence of the Bank and are in compliance with RBI guidelines, as applicable to the Bank from time to time.
i. Money belonging to the Bank which appears to be bad or doubtful for recovery have been classified as per IRAC Norms as prescribed by the RBI from time to time.
j. Bank has not granted loans to directors and their relatives except as permitted under RBI guidelines, issued from time to time (For details, please refer **"Note No. 7"** to the **"Notes to Accounts in Schedule – 18"**).
k. Our detailed observations are contained in Parts – **A & B of this Report along with Long Form Audit Report (LFAR).**

For **RARA & Co.**
(formerly known as
Gupta Jalan & Associates)
Chartered Accountants
Firm No. 003721N

Place : New Delhi
Dated : 29.05.2026
UDIN - 26082389RMILQJ3725

(RAM NIWAS JALAN)
Partner
M.No. 082389

○ सदस्य एवं जमाकर्ता बैंक में जमा की गई धनराशि की सुरक्षा के लिए निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम (**Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation**) को सितम्बर 2026 तक की अवधि के अग्रिम प्रीमियम का भुगतान कर दिया गया है।

RATE OF INTEREST ON DEPOSITS

PERIOD		RATE OF INTT.
14 days to 45 days	:	3.00% p.a.
46 days to 90 days	:	3.50% p.a.
91 days to 180 days	:	4.50% p.a.
181 days and above but less than 1 year	:	5.50% p.a.
1 year to less than 2 years	:	7.00% p.a.
2 year to less than 3 years	:	6.75% p.a.
3 years and above	:	6.50% p.a.
On bulk Fixed Deposits of Rs.15.00 Lakh and above		**7.15% p.a.**
for a period of 444 days		
S. B. Deposits on Daily Balance	:	3.00% p.a.
* For Senior Citizens on Term Deposits	:	0.50% extra

Note :1. No Penalty on pre-mature encashment, interest shall be paid at rate applicable for the period deposit has run.

2. Interest on Saving deposit shall be calculated daily product basis and credited on 30th June, 30th September, 31st December and 31st March every year.

RATE OF INTEREST ON LOANS AND ADVANCES

Unsecured Loan	
Personal Loan Upto Rs. 5.00 Lakh	17.00% p.a.
Secured Loan	
Housing Loan	
Up to Rs. 50.00 Lakh	9.00% p.a.
Above Rs.50.00 & upto Rs.140.00 Lakh	9.50% p.a.
Business Loan	
Against Hyp. of Machinery, Hyp. of Stock/Book Debts for Cash Credit, Mortgage of Business/purchase/construction of Commercial Building Property expansion of business and other activities	
Up to Rs. 25.00 Lakh	11.00% p.a.
Above Rs.25.00 Lakh	11.50% p.a.
Rebate on interest @1% p.a. is allowed to Small and Medium Enterprises (SMEs)	
Vehicle Loan	
for personal use	9.00% p.a.
for Commercial use	9.50% p.a.
Education Loan	
Higher Education Abroad	11.50%p.a.
Higher Education India	10.50%p.a.
Others	
Against pledge of NSCs/LIC Policy/Eligible Bonds	12.50%p.a.

RENT ON LOCKERS

Small : Rs. 1600.00 p.a. **Medium : Rs. 3000.00 p.a.** **Large : Rs. 5000.00 p.a.**

SPECIAL FEATURES

- CRAR of the Bank is 14.25% Net NPA 0.58% CD Ratio 52.20% as on 31.03.2026.
- Audit classification A.
- The Bank is dedicated to the uplifting of economic, social and cultural status of its members specially to the economically weaker & minority sections of the Society.
- Deposits up to 5,00,000/- fully insured with Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation.
- Business Promotion Loans/Home Loans/Automobile Loans/Personal Loans/Asset finance/Loans to professional & self employed members of the Bank.
- Cash Credit facilities against Stock in Trade & Book Debts.
- Loan/Overdraft Facility against National Saving Certificates (NSC) and Bank's own terms deposits.
- Demand Draft Facilities on all India basis through HDFC Bank.
- Local Pay Order issue facility.
- Fund transfer through RTGS, NEFT, and online E-tax payment i.e. Income Tax/GST, Aadhar Bridge Payment System etc., ATM & SMS Alert facilities, UPI, IMPS, POS facility are also available.
- Internet facility only to view the detail of accounts.
- Safe Deposit Locker facilities available.
- Direct member of New Delhi Clearing House.
- All branches are Fully C.B.S. and air conditioned.
- First and the only co-operative bank in Delhi who had been awarded CORPORATE AGENCY for procuring or soliciting life insurance business and General Insurance business vide License No. CA0213 by I.R.D.A.
- Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojna (PMJJBY), Pradhan Mantri Surksha Bima Yojna(PMSBY) and Atal Pension Yojna (APY) are available in all branches of the Bank.

विशेष सूचना

सभी सदस्यों से निवेदन किया जाता है कि वह अपने **KYC** (के. वाई.सी.) **RBI** द्वारा निर्धारित मापदण्ड का अनुपालन करते हुए इसके सम्बन्धित दस्तावेज की स्वयं प्रमाणित प्रतिलिपियाँ बैंक की किसी भी शाखा में जमा करा दें, अगर पहले जमा नहीं कराई गई है, अन्यथा माननीय रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, को–ऑपरेटिव सोसाइटीज, दिल्ली सरकार के आदेशानुसार **KYC** की स्वयं प्रमाणित प्रतिलिपियां जमा न कराने पर बैंक नियमानुसार उचित कार्यवाही करने पर बाध्य हो जाएगा।

फिर सुलग रही खाड़ीः होर्मुज जलडमरूमध्य बंद, दुनियाँ में हड़कंप

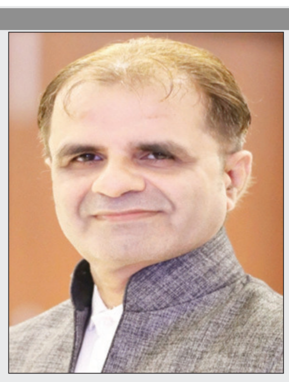

किशन सनमुखदास भावनानी

होर्मुज जलडमरूमध्य का बंद होना केवल पश्चिम एशिया का संकट नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है। ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, महंगाई, समुद्री सुरक्षा और भू-राजनीतिक स्थिरता,सभी इस एक समुद्री मार्ग से जुड़े हुए हैं। भारत के लिए यह समय ऊर्जा स्रोतों में विविधता, रणनीतिक भंडारों के विस्तार और दीर्घकालिक ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रयासों को और तेज करने का है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा, महंगाई और अर्थव्यवस्था पर मंडराता संकट? -व्यापक समग्र विश्लेषण...

ईरान नें होर्मुज जलडमरूमध्य बंद से ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार मुद्रास्फीति और आर्थिक स्थिरता को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं.

होर्मुज जलडमरूमध्य बंद से केवल क्षेत्रीय नहीं वैश्विक अर्थव्यवस्था को झटका की संभावना?, इस जलमार्ग में व्यवधान का असर सीधे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर दिखाई देता है.

वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया एक बार फिर वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल का केंद्र बन गया है। 11 जून 2026 को स्थिति तब और गंभीर हो गई जब ईरान ने अमेरिका के साथ बढ़ते सैन्य टकराव के बीच दुनियाँ के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य, को सभी वाणिज्यिक जहाजों और तेल टैंकरों के लिए बंद करने की घोषणा कर दी। ईरानी सैन्य नेतृत्व ने चेतावनी दी है कि जलडमरूमध्य से गुजरने की कोशिश करने वाले किसी भी जहाज को निशाना बनाया जाएगा। यह कदम कथित रूप से अमेरिका और ईरान के बीच समुद्री टकराव तथा अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों के बाद उठाया गया है। इसके साथ ही वैश्विक ऊर्जा बाजारों में भारी बेचैनी फैल गई है। ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 95.40 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई लगभग 92.6 डॉलर प्रतिबैरल तक पहुंच गया है। दुनियाँ की लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस आपूर्ति इसी मार्ग से गुजरती है, इसलिए इस घटनाक्रम ने ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, मुद्रास्फीति और आर्थिक स्थिरता को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने भी खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर बढ़ते हमलों और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताव्यक्त की है। वर्तमान घटनाक्रम केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह बिल्कुल सही है कि होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व ऊर्जा व्यवस्था की धुरी माना जाता है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह संकरा समुद्री मार्ग सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कतर, इराक और ईरान जैसे प्रमुख ऊर्जा उत्पादक देशों के निर्यात का मुख्य रास्ता है। सामान्य परिस्थितियों में प्रतिदिन करोड़ों बैरल तेल और विशाल मात्रा में एलएनजी इसी मार्ग से दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचती है। यही कारण है कि जब भी इस जलमार्ग में व्यवधान आता है, उसका असर सीधे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर दिखाई देता है। वर्तमान संकट में भी निवेशकों और ऊर्जा कंपनियों ने आपूर्ति बाधित होने की आशंका को देखते हुए तेल खरीदना शुरू कर दिया,जिसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल की कीमतों में तत्काल उछाल देखने को मिला।

साथियों, अंतरराष्ट्रीय बाजारों की पहली प्रतिक्रिया तेल कीमतों में तेजी के रूप में सामने आई है। ब्रेंट क्रूड लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया है जबकि डब्ल्यूटीआई भी 92 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। ऊर्जा विश्लेषकों का मानना है कि यदि जलडमरूमध्य लंबे समय तक बंद रहता है या सैन्य संघर्ष और बढ़ता है तो तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर भी जा सकती हैं। वैश्विक वित्तीय बाजारों में भी अस्थिरता बढ़ने की आशंका है क्योंकि ऊर्जा लागत लगभग हर आर्थिक गतिविधि को प्रभावित करती है।

साथियों, भारत के लिए यह संकट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी आवश्यकता का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। भारत की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से पूरा होता है और उसका एक बड़ा भाग होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। इसलिए इस मार्ग में किसी भी प्रकार की रुकावट का सीधा असर भारतीय ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ता है। यदि तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है तो भारत का आयात बिल बढ़ेगा,चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और रुपये पर दबाव पड़ सकता है। ऊर्जा आयात पर बढ़ती लागत अंततः उपभोक्ताओं तक पहुंचती है और महंगाई को बढ़ावा देती है।सबसे पहला प्रभाव पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर दिखाई दे सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल महंगा होने से भारतीय तेल विपणन कंपनियों की लागत बढ़ जाती है। यदि मौजूदा तनाव कुछ और दिनों या सप्ताहों तक बना रहता है तो पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का अनुमान है कि लंबी अवधि तक ऊंचे तेल मूल्य बने रहने पर ईंधन की कीमतों में कई रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो सकती है। इसका सीधा असर आम नागरिकों, किसानों, उद्योगों और परिवहन क्षेत्र पर पड़ेगा। पेट्रोल और डीजल केवल वाहन चलाने का साधन नहीं हैं बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा हैं। डीजल की कीमत बढ़ने का अर्थ है कि ट्रकों, बसों और मालवाहक वाहनों की परिचालन लागत बढ़ जाएगी। जब परिवहन महंगा होता है तो फल, सब्जियां, दूध, अनाज, दवाइयां और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ने लगती हैं। यही कारण है कि तेल कीमतों में वृद्धि को अक्सर 'महंगाई की जननी' कहा जाता है। एक बार यदि ईंधन लागत बढ़ती है तो उसका असर अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में सटीकता से दिखाई देता है।

साथियों, 7 जून 2026 से मृग लग गया है व खेती के कार्य शुरू हो चुके हैं, कृषि क्षेत्र भी इस संकट से अछूता नहीं रहेगा। भारत में सिंचाई, कृषि मशीनरी और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला का बड़ा हिस्सा डीजल पर निर्भर है। डीजल महंगा होने से किसानों की लागत बढ़ेगी और इसका असर खाद्यान्न कीमतों पर पड़ सकता है। इसके अलावा उर्वरक उद्योग प्राकृतिक गैस और पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर निर्भर है। यदि ऊर्जा लागत बढ़ती है तो उर्वरकों का उत्पादन भी महंगा हो सकता है।विमानन क्षेत्र पर भी दबाव बढ़ सकता है। विमान ईंधन की लागत एयरलाइंस के कुल खर्च का बड़ा हिस्सा होती है। यदि अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें लगातार ऊंची बनी रहती हैं तो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई किराए में वृद्धि संभव है। इससे पर्यटन उद्योग, व्यापारिक यात्राओं और विमानन क्षेत्र की मांग पर असर पड़ सकता है।

साथियों, भारत के लिए चिंता का एक और बड़ा विषय एलएनजी यानी तरल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति है। भारत कतर सहित खाड़ी देशों से बड़ी मात्रा में एलएनजी आयात करता है और उसका महत्वपूर्ण हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है। यदि इस मार्ग में लंबे समय तक व्यवधान रहता है तो सीएनजी और पीएनजी की उपलब्धता तथा कीमतों पर असर पड़ सकता है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं के साथ- साथ बिजली उत्पादन, उर्वरक निर्माण और औद्योगिक इकाइयों की लागत भी बढ़ सकती है।हालांकि स्थिति गंभीर है, लेकिन भारत पूरी तरह असहाय नहीं है। पिछले वर्षों में भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। देश के पास रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार मौजूद हैं जिनका उपयोग आपातकालीन परिस्थितियों में किया जा सकता है।विशाखापट्टनम मैंगलोर और पादुर जैसेस्थानों पर स्थापित भूमिगत भंडारण सुविधाएं सीमित अवधि के लिए देश को राहत प्रदान कर सकती हैं। ये भंडार किसी भी अचानक आपूर्ति संकट के दौरान महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच साबित हो सकते हैं।इसके अतिरिक्त भारत नेऊर्जा आयात के स्त्रोतों में विविधता लाने की रणनीति अपनाई है। रूस से बढ़ते तेल आयात ने भारत को एक वैकल्पिक आपूर्ति स्त्रोत उपलब्ध कराया है। रूस से आने वाला तेल सामान्यतः अन्य समुद्री मार्गों से आता है, इसलिए होर्मुज संकट की स्थिति में यह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प बन सकता है। यदि आवश्यकता हुई तो भारत रूस तथा अन्य गैर-खाड़ी आपूर्ति कताओं से आयात बढ़ाने की दिशा में सटिका से कदम उठा सकता है।

साथियों, सऊदी अरब, यूएई और अन्य खाड़ी देशों के पास भी कुछ वैकल्पिक पाइपलाइन मार्ग उपलब्ध हैं जिनके माध्यम से सीमित मात्रा में तेल निर्यात किया जा सकता है। हालांकि ये मार्ग होर्मुज के पूर्ण विकल्प नहीं हैं, फिर भी वे वैश्विक बाजार में आपूर्ति के पूर्ण ठहराव को रोकने में मदद कर सकते हैं। इसी कारण ऊर्जा बाजारों में अभी भी आशा बनी हुई है कि राजनयिक प्रयासों के माध्यम से स्थिति को नियंत्रित किया जा सकेगा। भू-राजनीतिक दृष्टि से यह संकट केवल तेल या गैस तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व समुद्री व्यापार के सबसे संवेदनशील मार्गों में से एक है। इसके बंद होने से बीमा लागत, माल ढुलाई शुल्क और शिपिंग समय में वृद्धि होती है। अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक कंपनियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़ते हैं, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। कोविड-19 महामारी और यूक्रेन संकट के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले ही आपूर्ति व्यवधानों का अनुभव कर चुकी है; ऐसे में होर्मुज संकट नई चुनौतियां पैदा कर सकता है।

साथियों, भारत ने संयुक्त राष्ट्र में स्पष्ट रूप से कहा है कि क्षेत्र में बढ़ते हमले और समुद्री असुरक्षा वैश्विक व्यापार तथा भारतीय नागरिकों दोनों के लिए चिंता का विषय हैं। भारत की प्राथमिकता अपने नागरिकों, व्यापारिक जहाजों और ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसलिए नई दिल्ली स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कूटनीतिक समाधान का समर्थन कर रही है। वर्तमान परिस्थितियों में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि यह संकट कितने समय तक चलता है। यदि राजनयिक प्रयास सफल होते हैं और जलडमरूमध्य जल्द खुल जाता है तो तेल बाजारों में स्थिरता लौट सकती है। लेकिन यदि सैन्य टकराव बढ़ता है या मार्ग लंबे समय तक बंद रहता है तो वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका लग सकता है। तेल की कीमतें तीन अंकों तक पहुंच सकती हैं, महंगाई बढ़ सकती है और कई आयात- निर्भर देशों को आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि होर्मुज जलडमरूमध्य का बंद होना केवल पश्चिम एशिया का संकट नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है। ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, महंगाई, समुद्री सुरक्षा और भू-राजनीतिक स्थिरता,सभी इस एक समुद्री मार्ग से जुड़े हुए हैं। भारत के लिए यह समय ऊर्जा स्त्रोतों में विविधता, रणनीतिक भंडारों के विस्तार और दीर्घकालिक ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रयासों को और तेज करने का है।आने वाले दिनों में दुनिया की नजरें पश्चिम एशिया पर टिकी रहेंगी, क्योंकि होर्मुज की स्थिति केवल तेल की कीमतों का नहीं बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता का भी निर्धारण करेगी।

संपादकीय

महिलाओं के खिलाफ हिंसा

यूं तो भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के तमाम दावे गाहे-बगाहे किए ही जाते हैं। आधी दुनिया को पूरा हक देने की बात होती है। किंतु-परंतु के बीच उन्हें जनप्रतिनिधि संस्थाओं में 33 फीसदी आरक्षण देने पर प्रतिबद्धता जतायी जाती है। लेकिन इन दावों के बीच सामने आया एक कड़वा सच हमें वास्तविक स्थिति से रूबरू करा देता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 की रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण इलाकों में हर चौथी और शहरी क्षेत्र में हर छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती रही है। यह विडंबना ही है कि शहरों की तुलना में ज्यादा शांत व सुरक्षित माने जाने वाले ग्रामीण इलाकों में स्त्रियों को घरेलू एवं यौन हिंसा का ज्यादा सामना करना पड़ता है। वीरवार को सुप्रीम कोर्ट ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र के उत्थान में महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें नेशन बिल्डर तक कह दिया। यहां तक कि घर और परिवार की देखभाल में गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों के कल्पित आर्थिक मूल्य का निर्धारण करते हुए उसे नजरअंदाज न करने की सलाह दी। यह विडंबना ही है कि जिन महिलाओं को सुप्रीम कोर्ट नेशन बिल्डर बता रहा है, उन्हें हम सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं। आखिर महिला सशक्तीकरण के सारे विशेष प्रयास सिर्फ कागजों तक ही क्यों सिमट जाते हैं? आखिर क्या वजह है कि महिलाओं की रक्षा-सुरक्षा हेतु तमाम विशेष कानून बनाये जाने के बावजूद जमीनी हकीकत नहीं बदलती है। इसमें दो राय नहीं कि समय-समय पर महिला उत्थान के लिये तमाम महत्वपूर्ण योजनाएं और अभियान चलाये जाते रहे हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि विकासात्मक कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। जीवन के हर क्षेत्र में वे अपना आकाश तलाश रही हैं। विधायिका में तैंतीस प्रतिशत आरक्षण देने के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दल सहमत नजर आते हैं। सवाल यही है कि जीवन व्यवहार में स्थिति क्यों नहीं बदलती। देश के नीति-नियंताओं को इस गंभीर मुद्दे पर विचार करना होगा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिये तमाम विशेष कानून बनाये जाने के बावजूद क्यों ग्रामीण क्षेत्रों में हर चौथी व शहरी क्षेत्र में हर छठी स्त्री को हिंसा व यौन उत्पीड़न का शिकार होना पड़ रहा है। आखिर क्या वजह है कि घर से लेकर बाहर तक वे खुद को सुरक्षित नहीं महसूस कर पा रही हैं? क्या कहीं इसमें पितृसत्ता प्रधान समाज की मानसिकता कारण है? दरअसल, आज लड़कियों व महिलाओं के खिलाफ हिंसा कई रूपों में मौजूद है। आजादी के सात दशक बाद भी हम दहेज के कलंक से मुक्त नहीं हो पाये हैं।

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

उड़ान के दौरान यात्री को पानी न देना उपभोक्ता सेवा में कमी!

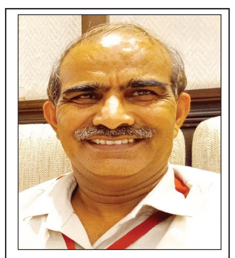

डॉ श्रीगोपाल नारसन

हिमाचल के जिला धर्मशाला उपभोक्ता आयोग ने उड़ान में बच्चों को पानी न देने के लिए थाई लायन एयर पर एक लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। यह परिवाद तरुण कुमार चौरसिया ने उपभोक्ता आयोग के समक्ष दायर किया था, जिन्होंने बैंकॉक की यात्रा के लिए अपने और अपने परिवार के लिए हवाई टिकट बुक किए थे।हेमांशु मिश्रा और आरती सूद की अध्यक्षता वाले जिला उपभोक्ता आयोग ने यह भी माना कि एयरलाइन का यह आचरण बुनियादी मानवाधिकारों का उल्लंघन और सेवा में कमी का मामला है। तरुण कुमार चौरसिया ने फ्लाइट नंबर एसएल0214 के तहत अपने और अपने परिवार के लिए बैंकॉक की यात्रा के लिए टिकट बुक किए थे, जो मूल रूप से 13 से 20 जनवरी, 2025 तक निर्धारित थे। थाई लायन एयर ने उपभोक्ता की सहमति के बिना उड़ान को 14 से 21 जनवरी तक पुनर्निर्धारित कर दिया, जिससे परिवार की यात्रा योजना बाधित हुई और उन्हें वित्तीय नुकसान हुआ, जिसमें 2,527 रुपये की गैर-वापसी योग्य होटल बुकिंग भी शामिल है। अमृतसर से बैंकॉक की उड़ान के दौरान, एयरलाइन के कर्मचारियों ने उनके 10 और 15 वर्ष के बच्चों को पीने का पानी देने से यह कहकर इनकार कर दिया कि पानी मुफ्त नहीं है और केवल थाई करेंसी में ही खरीदा जा सकता है। एयरलाइन द्वारा भारतीय मुद्रा स्वीकार न किए जाने के कारण बच्चे छह घंटे की पूरी यात्रा के दौरान प्यासे रहे। जिसपर थाई लायन एयर और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय दोनों को नोटिस भेजे जाने के बाद जिला उपभोक्ता आयोग ने इस मामले पर सुनवाई की। वैध नोटिस मिलने के बावजूद, कोई भी विपक्षी पक्ष आयोग के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ। परिणामस्वरूप, उपभोक्ता के हलफनामे और सहायक दस्तावेजों के आधार पर मामले की कार्यवाही एकतरफा सुनवाई के लिए निर्धारित की गई। आयोग ने हस्ताक्षरित यात्री टिप्पणी प्रपत्र (अनुलग्नक सी-4) को मुख्य साक्ष्य के रूप में संदर्भित किया और पाया कि सुनीसा नामक एक चालक दल सदस्य ने एक बयान पर हस्ताक्षर करके पुष्टि की थी कि उड़ान में नियमित पानी की कोई मुफ्त व्यवस्था नहीं थी और खरीद के लिए केवल थाई करेंसी ही स्वीकार किए जाते थे। अपने फैसले में उपभोक्ता आयोग ने कहा, ह्लहम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि विपक्षी पार्टी नंबर 1 थाई लायन एयर ने उपभोक्ता के नाबालिग बच्चों को छह घंटे की लंबी यात्रा के दौरान प्यासा रखकर सेवा में लापरवाही बरती है। विपक्षी पार्टी नंबर एक के चालक दल ने न केवल सेवा में लापरवाही बरती है, बल्कि इस मामले में बुनियादी मानवाधिकारों का भी उल्लंघन हुआ है।उपभोक्ता की पूर्व सहमति के बिना उड़ान का समय बदलना भी सेवा में लापरवाही है। इसलिए, शिकायत स्वीकार की गई।उपभोक्ता आयोग ने थाई लायन एयर को मानसिक पीड़ा के मुआवजे के रूप में एक लाख रुपये, होटल के नुकसान के लिए 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित 2,527 रुपये और मुकदमे खर्च के रूप में 10,000 रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया। फ्लाइट में पानी न मिलना यात्रियों के अधिकारों का सीधा उल्लंघन है। सभी एयरलाइनों के लिए उड़ान के दौरान पीने का पानी मुफ्त उपलब्ध कराना अनिवार्य है।इसी प्रकार 31 जनवरी की सुबह लैक्स से की फ्लाइट लेट हो गई।साथ ही प्लेन बहुत गर्म और उमस भरा हो गया था।एक यात्री ने पानी मांगा तो एयर होस्टेस ने इसे नियमों के खिलाफ बताया व कहा कि वे पानी बेच भी नहीं सकते। उन्होंने यात्री को पानी पीने के लिए प्लेन से उतार दिया , लेकिन वापस प्लेन में चढ़ाने के लिए 10 मिनट तक दरवाजा खोलने के लिए कोई स्टाफ मौजूद नहीं था।

असम-नगालैंड के बीच दशकों का विवाद खत्म, तेल समझौता संपन्न, शाह ने पूर्वोत्तर का भाग्य ही बदल दिया

नीरज कुमार दुबे

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही मोदी सरकार को पूर्वोत्तर से एक बड़ी रणनीतिक सफलता मिली है। केंद्र, असम और नगालैंड के बीच तेल और प्राकृतिक गैस अन्वेषण को लेकर हुआ त्रिपक्षीय समझौता भारत को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के अभियान का निर्णायक अध्याय है। दशकों से विवाद और अस्थिरता में फंसे असम, नगालैंड सीमा क्षेत्र में तेल खोज का रास्ता खोलकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस मिशन को नई ताकत दे दी है, जिसका लक्ष्य विदेशी तेल निर्भरता घटाकर भारत को ऊर्जा महाशक्ति बनाना है। यही वजह है कि अमित शाह ने इसे विकसित पूर्वोत्तर और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है।

हम आपको बता दें कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में भारत सरकार, असम सरकार और नगालैंड सरकार के बीच असम-नगालैंड सीमावर्ती क्षेत्रों में खनिज तेल संचालन के संबंध में एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा और नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो सहित केंद्र, असम एवं नगालैंड सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अमित शाह ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए साफ कहा कि इस समझौते ने विकसित पूर्वोत्तर के रास्ते में खड़ी अंतिम बड़ी बाधा हटा दी है।

हम आपको बता दें कि असम और नगालैंड की सीमा से लगे विवादित क्षेत्र में तीन दशक से अधिक समय से तेल और खनिज अन्वेषण ठप पड़ा था। अधिकार क्षेत्र को लेकर दोनों राज्यों के बीच तनाव बना रहता था, जिसके कारण हजारों करोड़ रुपये की संपदा जमीन के नीचे दबी रह गई। अब इस समझौते के तहत एक हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में तेल, गैस और खनिज संसाधनों की खोज और उत्पादन का रास्ता खुल गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों राज्यों ने संसाधनों के बंटवारे पर 50-50 की सहमति बनाई है। यही वह राजनीतिक परिपक्वता है जिसने इस समझौते को टकराव से निकालकर साझेदारी के मॉडल में बदल दिया।

अमित शाह ने दावा किया कि इस एक समझौते से प्रतिदिन एक हजार से पंद्रह सौ बैरल तेल उत्पादन क्षमता को दस गुना तक बढ़ाया जा सकता है। केवल एक तेल क्षेत्र से पंद्रह हजार करोड़ रुपये से अधिक की संभावित प्राप्ति का अनुमान जताया गया है। यह बयान केवल आर्थिक संभावना का संकेत नहीं, बल्कि उस रणनीतिक दिशा का संकेत है जिसमें भारत तेजी से आगे बढ़ना चाहता है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और ऊर्जा आपूर्ति संकटों के दौर में भारत लंबे समय से आयातित तेल पर निर्भरता घटाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे समय में पूर्वोत्तर के विशाल तेल और गैस भंडार भारत के लिए नई ऊर्जा रीढ़ साबित हो सकते हैं।

दरअसल यह समझौता केवल तेल निकालने का मसला नहीं है। यह पूर्वोत्तर को संघर्ष की पहचान से निकालकर सामरिक और आर्थिक शक्ति केंद्र में बदलने की कवायद है। अमित शाह ने कहा कि यदि नगालैंड में फैले तेल और गैस भंडार का पूरा दोहन हुआ तो भारत विदेशी देशों पर अपनी ऊर्जा निर्भरता काफी हद तक कम कर सकेगा। इसका सीधा मतलब है कि भारत अपने ऊर्जा हितों को लेकर अधिक स्वतंत्र रणनीति अपना सकेगा। देखा जाये तो ऊर्जा आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक मुद्दा नहीं होती, यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मूल तत्व बन चुकी है। साथ ही इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा बड़ा पहलू सुरक्षा और शांति से जुड़ा है। अमित शाह ने पूर्वोत्तर में हिंसा की घटनाओं में लगभग अस्सी प्रतिशत गिरावट का दावा करते हुए कहा कि वर्ष 2019 के बाद 12 शांति समझौते हुए हैं। यही कारण है कि अब सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम को भी पूर्वोत्तर के अधिकांश हिस्सों से हटाने की तैयारी चल रही है। अमित शाह ने विश्वास जताया कि अगले वर्ष एक या दो राज्यों को छोड़कर पूरे पूर्वोत्तर से यह कानून हटाया जा सकता है। यह बयान बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि दशकों तक पूर्वोत्तर की पहचान उग्रवाद, सैन्य उपस्थिति और अस्थिरता से जुड़ी रही है। अब केंद्र सरकार यह संदेश देना चाहती है कि क्षेत्र संघर्ष से विकास की ओर बढ़ चुका है।

रणनीतिक दृष्टि से देखें तो यह समझौता चीन और दक्षिण पूर्व एशिया से जुड़ी भारत की व्यापक नीति से भी मेल खाता है। पूर्वोत्तर भारत लंबे समय तक केवल भौगोलिक सीमा माना जाता रहा, लेकिन अब उसे आर्थिक गलियारे, ऊर्जा केंद्र और संपर्क सेतु के रूप में विकसित किया जा रहा है। सड़क, रेल, निवेश, पर्यटन और ऊर्जा परियोजनाओं के जरिए केंद्र सरकार इस क्षेत्र को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा में लाने की कोशिश कर रही है। तेल और गैस परियोजनाओं के सक्रिय होने से निजी निवेश बढ़ेगा, रोजगार पैदा होंगे और क्षेत्रीय असंतोष कम होगा। यही वह बिंदु है जहां विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा एक दूसरे के पूरक बन जाते हैं।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने भी कहा कि यह समझौता देश की दीर्घकालिक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा। वहीं नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो की सहमति इस बात का संकेत है कि अब पूर्वोत्तर की राजनीति टकराव से अधिक आर्थिक साझेदारी की दिशा में बढ़ रही है। यही कारण है कि अमित शाह ने इसे जीत हार का नहीं, बल्कि सबकी जीत का समझौता बताया।

बहरहाल, अब स्पष्ट है कि यह त्रिपक्षीय समझौता केवल सीमाई विवाद सुलझाने का प्रयास नहीं, बल्कि पूर्वोत्तर के भविष्य को नए सिरे से परिभाषित करने की शुरूआत है। यदि सरकार अपने दावों के अनुरूप तेल उत्पादन, निवेश और शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में सफल रहती है, तो आने वाले वर्षों में पूर्वोत्तर भारत की ऊर्जा शक्ति, सामरिक मजबूती और आर्थिक विस्तार का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है।

संक्षिप्त समाचार

भारत से विवाद हल करने में तीसरे पक्ष की जरूरत नहीं : नेपाल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बुधवार को देश की संसद में स्पष्ट किया कि सरकार ने भारत के साथ सीमा विवाद को सुलझाने के लिए किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता न तो मांगी है और न ही वह इसका समर्थन करती है। यह स्पष्टीकरण 31 मई को प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के बयानों के बाद मचे राजनीतिक हंगामे को शांत करने के लिए दिया गया। पीएम के बयानों की विपक्ष ने कड़ी आलोचना की थी और उनके इस्तीफे की मांग भी उठी थी। खनाल ने कहा कि नेपाल और भारत के बीच सीमा को लेकर चल रहे विवाद पर दोनों देशों का एक संयुक्त कार्य समूह विचार करेगा।

चीनी विदेश मंत्रालय के साथ भारतीय दूत विक्रम की बैठक

बीजिंग, एजेंसी। चीन में भारत के राजदूत विक्रम दोराईस्वामी ने बुधवार को बीजिंग में चाइनीज पीपल्स एसोसिएशन फॉर फ्रेंडशिप विद फॉरेन कंट्रीज के अध्यक्ष यांग वानमिंग से मुलाकात की और दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। चाइनीज पीपल्स एसोसिएशन फॉर फ्रेंडशिप विद फॉरेन कंट्रीज चीन के विदेश मंत्रालय से जुड़ी संस्था है। यह चीन और दूसरे देशों के लोगों के बीच आपसी मेल-जोल पर ध्यान देती है। भारतीय दूतावास की पोस्ट के अनुसार, दोराईस्वामी और यांग ने भारत-चीन के बीच लोगों के आपसी मेल-जोल की पुरानी परंपरा और सांस्कृतिक, शैक्षिक व युवाओं के बीच बातचीत को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

अफगानिस्तान के हेरात में गोली लगने से एक किशोर की मौत

हेरात, एजेंसी। अफगानिस्तान के पश्चिमी शहर हेरात में महिलाओं की कथित गिरफ्तारी के विरोध में हुए प्रदर्शन पर की गई हिंसक कार्रवाई में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई है। संयुक्त राष्ट्र के अफगानिस्तान मिशन ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। हेरात इलाके में ड्रेस कोड नियमों के उल्लंघन के आरोप में 30 महिलाओं की गिरफ्तारी की गई थी। इन गिरफ्तारियों के खिलाफ मंगलवार को 100-150 लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। आरोप है कि इस दौरान तालिबान पुलिस ने भीड़ पर गोलीबारी की। गोली लगने से कम से कम एक किशोर की मौत हुई है, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए हैं। कुछ प्रदर्शनकारियों को लाठियों से पीटे जाने की भी रिपोर्ट है। साल 2021 में अमेरिकी नेतृत्व वाली सेनाओं की वापसी के बाद अफगानिस्तान पर तालिबान का शासन है। इसके बाद सरकार ने इस्लामी कानून (शरीयत) की सख्त व्याख्या पर आधारित कई नियम लागू किए हैं। देश में विरोध-प्रदर्शन दुर्लभ हैं और सरकार के खिलाफ असहमति को लगभग बर्दाश्त नहीं किया जाता। महिलाओं और लड़कियों पर कई सख्त प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिनमें प्राथमिक शिक्षा के बाद पढ़ाई पर रोक और सार्वजनिक स्थानों पर ड्रेस कोड शामिल है। नियमों के अनुसार महिलाओं को पूर्ण हिजाब—सिर से पैर तक ढका हुआ वस्त्र और चेहरा ढकने वाला नकाब—पहनकर ही बाहर निकलने की अनुमति है।

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा खुलासा, कहा- ईरान को पता ही नहीं, हमने होर्मुज से निकाल लिए 10 करोड़ बैरल तेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को बड़ा खुलासा किया। ट्रंप ने कहा कि उनके देश ने एक गुप्त सैन्य अभियान के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से 10 करोड़ (100 मिलियन) बैरल से ज्यादा तेल निकाल लिया है। होर्मुज दुनिया भर में तेल ले जाने का एक अहम रास्ता है और अमेरिका-ईरान के बीच चल रहे तनाव में एक अहम और संवेदनशील बिंदु है, उसे तेहरान ने 28 फरवरी से बंद कर रखा है। लेकिन बंद होर्मुज से अमेरिका ने 100 मिलियन बैरल तेल निकाल लिया, ये आश्चर्यजनक बात है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक गुप्त मिलिट्री ऑपरेशन की जानकारी देते हुए लिखा, 'पिछले महीने, मैंने हमारी महान अमेरिकी सेना को होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) से गुजरने वाले तेल टैंकरों और दूसरे कमर्शियल जहाजों की सुरक्षा के लिए एक गुप्त मिशन चलाने का निर्देश दिया था। उन्होंने आगे कहा, 'आज मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस कोशिश के नतीजे में 10 करोड़ (100 मिलियन) बैरल से ज्यादा तेल स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजारकर खुले बाजार तक पहुंचाया है। 200 से ज्यादा कमर्शियल जहाज सुरक्षित रूप से यहां से गुजरे हैं। यह जबरदस्त कामयाबी इसलिए मिली है क्योंकि होर्मुज पर अमेरिका का कंट्रोल है, ईरान का नहीं। उनकी सेना हार चुकी है और उनकी अर्थव्यवस्था बर्बाद हो चुकी है। ईरान का खेल खत्म हो चुका है!' ट्रंप ने कहा कि ईरान को इस सीक्रेट मिशन के बारे में पता नहीं था। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने ऑपरेशन के बारे में और जानकारी दी और दावा किया कि कल रात बिना लाइट जलाए 22 जहाज निकाले गए और ईरान को इसका पता नहीं चल पाया क्योंकि उनके पास रडार नहीं था। ट्रंप ने कहा, 'मैं आज पहली बार यह बता रहा हूं।

पीओके में पाकिस्तानी सेना का हेलिकॉप्टर क्रैश

21 सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की खबर, दावा- प्रदर्शन रोकने के लिए जा रहे थे सैनिक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बुधवार को पाकिस्तान सेना का एक एमआई-17 हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा मुजफ्फराबाद के पास उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हुआ। हेलिकॉप्टर में सवार सभी 21 सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की खबर है। हालांकि सेना ने अभी यह नहीं बताया है कि हेलिकॉप्टर में कुल कितने लोग सवार थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये सुरक्षाकर्मी पीओके के नीलम घाटी सेक्टर जा रहे थे। वहां पर विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद चल रहा है। इस वजह से सरकार वहां एक्स्ट्रा सैनिक तैनात कर रही है। मुजफ्फराबाद में उड़ान भरने के बाद हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई। पायलट ने आपातकालीन लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन सुरक्षित उतारा नहीं जा सका। पाकिस्तानी सेना ने कहा है कि दुर्घटना की असली वजह का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

आर्मी चीफ मुनीर ने हादसे की जांच का आदेश दिया : सेना ने कहा है कि दुर्घटना की असली वजह पता लगाने के लिए जांच के आदेश दे दिए गए हैं। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर समेत सेना के सभी अधिकारियों और जवानों ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया है और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी हेलिकॉप्टर हादसे पर शोक जताया। दोनों नेताओं ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की और कहा कि पूरा देश इन सैनिकों के बलिदान को सलाम करता है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि देश इन बहादुर सैनिकों की कुर्बानी को हमेशा याद रखेगा। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों ने मृतकों के लिए प्रार्थना की और उनके परिवारों को इस दुख को सहने की शक्ति मिलने की कामना की।

हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोगों की मौत : पाकिस्तान अखबार डॉन की रिपोर्ट के में दी गई जानकारी में बताया गया है कि पाकिस्तान आर्मी एविएशन का यह हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबियों के कारण उड़ान भरते समय हादसे का शिकार हो गया। घटना के वक्त हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है। पाकिस्तान मीडिया ने इंटर सर्विसेज पब्लिश रिलेशन के हवाले से यह जानकारी दी है। बताया गया है कि इस हादसे में हेलीकॉप्टर में सवाल कोई भी जीवित नहीं बचा है। वहीं, पाकिस्तानी आर्मी के ओर जारी बयान में कहा गया है कि हेलीकॉप्टर किसी तकनीकी खराबी की वजह से गिरा। हादसे के तुरंत बाद रेस्क्यू और रिकवरी टीमें मौके पर पहुंच गईं।

हेलीकॉप्टर में कुल 20 लोग थे सवार : बता दें कि यह दर्दनाक घटना पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के नीलम वैली में हुआ है। घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पाकिस्तान सेना का यह हेलीकॉप्टर अचानक आसमान से नीचे जमीन पर आ गिरा। नीचे गिरते ही हेलीकॉप्टर आग का गोला बन गई। हेलीकॉप्टर में आग इतनी भीषण थी कि कोई भी बाहर नहीं निकल सका और सभी मौत के मुंह में समा गए। आईएसपीआर की ओर से इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि हेलीकॉप्टर में कुल कितने सैनिक सवार थे। पीओके में प्रदर्शनकारियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पाकिस्तान सेना ने हेलिकॉप्टर तैनात किए हुए हैं। खबर यह भी है कि दो दिन पहले भी बलूचिस्तान में एक पाकिस्तानी सेना का हेलिकॉप्टर गिरा था।

पीओके में प्रदर्शन को रोकने सेना तैनात : यह हादसा ऐसे समय हुआ है जब मुजफ्फराबाद और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था काफी सख्त है। हाल के दिनों में वहां बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई थी। इसकी वजह यह थी कि एक विरोध आंदोलन से जुड़े लोगों ने प्रदर्शन करने का ऐलान किया था।

चीन के गुआंग्शी में भीषण विस्फोट, 7 लोगों की मौत; ब्लास्ट के बाद पूरे इलाके में मची अफरा-तफरी

गुआंग्शी , एजेंसी। चीन के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित गुआंग्शी क्षेत्र में एक विस्फोट ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया है। स्थानीय प्रशासन द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इस धमाके में अब तक 7 लोगों की जान जा चुकी है। जबकि 17 लोग घायल हुए हैं। घटना की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास की इमारतों और वहां मौजूद लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय आपातकालीन सेवाओं ने तुरंत सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। धमाके के बाद अस्पताल और घटना स्थल पर पीड़ित परिवारों की भारी भीड़ देखी गई। जैसे ही धमाके की गूंज सुनाई दी, पूरे इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल पैदा हो गया। स्थानीय प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत व्यापक बचाव एवं राहत अभियान शुरू किया। मलबे और घटना स्थल के आसपास फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव दल ने घंटों मशक्कत की। सुरक्षा की दृष्टि से पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई है ताकि आम नागरिकों को किसी और खतरे से बचाया जा सके और जांच प्रक्रिया में कोई बाधा न आए। प्रारंभिक जांच रिपोर्टों में यह स्पष्ट कर दिया गया है कि यह विस्फोट किसी गैस पाइपलाइन से जुड़ा हुआ नहीं था। इस खुलासे ने जांच को एक नई दिशा दे दी है, क्योंकि अब अधिकारी अन्य संभावित कारणों जैसे औद्योगिक लापरवाही या किसी विस्फोटक सामग्री की मौजूदगी की पड़ताल कर रहे हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विशेषज्ञ टीमों को काम पर लगा दिया गया है और वे बारीकी से साक्ष्य जुटा रहे हैं। फिलहाल, पूरा ध्यान जांच पूरी करने और विस्फोट की असली वजह का पता लगाने पर केंद्रित है। अधिकारियों का कहना है कि जब तक तकनीकी जांच और विशेषज्ञों की रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। इस घटना ने एक बार फिर क्षेत्र में सुरक्षा मानकों और आपातकालीन तैयारियों पर बहस छेड़ दी है। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

कांगो में इबोला का कहर: संक्रमित मरीजों का आंकडा बढ़कर 635 हुआ, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी बनी बड़ी चुनौती

किन्शासा, एजेंसी। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्री रोजर कांबा ने जानकारी दी है कि नौ जून तक देश में इबोला के पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर 635 हो गई है। यह बीमारी 'बुंडीबुग्यो इबोला वायरस' के कारण फैली है। हालांकि, इस संकट के बीच राहत की खबर यह है कि अब तक 30 मरीज ठीक होकर घर लौट चुके हैं। हाल ही में आठ नए मरीज ठीक हुए हैं, जिनमें से सात इतुरी प्रांत के न्यानकुंडे और एक मोंगबवालू इलाके से है। स्वास्थ्य मंत्री ने सोशल मीडिया पर बताया कि सरकार इस बीमारी को रोकने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि मरीजों के संपर्क में आए लोगों की पहचान करने का काम अब पहले से बेहतर हो रहा है। अब 61.1 प्रतिशत संपर्कों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। सरकार ने इतुरी, उत्तर कीवू और दक्षिण कीवू जैसे प्रभावित प्रांतों में 490 टन दवाइयां भेजी हैं। वहां प्रयोगशालाओं को मजबूत किया गया है और स्वास्थ्य टीमें दिन-रात काम कर रही हैं। मंत्री ने लोगों से अपील की है कि वे लक्षण दिखने पर तुरंत इलाज के लिए आएं, क्योंकि समय पर देखभाल से जान बचाई जा सकती है।

स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी बन रही चुनौती : दूसरी ओर, अफ्रीका सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने जमीनी हकीकत पर चिंता जताई है। एजेंसी का कहना है कि बचाव कार्यों में कई बड़ी बाधाएं आ रही हैं। प्रभावित इलाकों के अस्पतालों की हालत बहुत खराब है। वहां पीने के साफ पानी, कचरा जलाने वाली मशीनों, पीपीई किट और सफाई के सामान की भारी कमी है। इसके अलावा, खराब सड़कें, एम्बुलेंस की कमी और सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं भी काम को धीमा कर रही हैं। कई स्वास्थ्य कर्मियों को समय पर वेतन नहीं मिला है, जिससे उन पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है। एक बड़ी चुनौती स्थानीय लोगों के बीच भरोसे की कमी भी है। इसके अलावा, कुछ देशों ने प्रभावित अफ्रीकी देशों की यात्रा पर पाबंदियां लगा दी हैं, जिसे स्वास्थ्य एजेंसियों ने गलत बताया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 17 मई को ही इस प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया था।

अमेरिका का ईरान पर लगातार दूसरे दिन हमला

जवाब में ईरान ने कुवैत-बहरीन में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया, होर्मुज फिर बंद किया

तेहरान/वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने गुरुवार सुबह ईरान के कई ठिकानों पर नए हवाई हमले किए है। यह अप्रैल में हुए सीजफायर के बाद लगातार दूसरे दिन बड़ा अटैक है। ईरानी मीडिया के मुताबिक केश्म द्वीप, बंदर अब्बास, मीनाब और सीरिक में धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं। कई इलाकों में एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव कर दिए गए।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान समझौते की बातचीत में देरी कर रहा है, इसलिए अमेरिका दबाव बनाए रखेगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने 49 टॉमहॉक मिसाइलें दागीं और लड़ाकू विमानों से भी हमले किए। इसके जवाब में ईरान ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया है। हालांकि, किसी नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ईरान ने एक बार फिर होर्मुज स्ट्रेट को सभी जहाजों के लिए बंद कर दिया है। हालांकि अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इसे खारिज कर दिया।

जॉर्डन बोला- 5 ईरानी मिसाइलें हवा में मार गिराईं: जॉर्डन की सेना ने दावा किया कि ईरान से दागी गई 5 मिसाइलों को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया गया। किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है।

ईरान का दावा- अमेरिकी रूक्त-9 रीपर ड्रोन मार गिराया: तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक दक्षिणी ईरान के जाम इलाके में अमेरिकी रूक्त-9 ड्रोन को गिराया गया। अमेरिका की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई।

होर्मुज के पास टैंकर पर अमेरिकी हमला: ओमान तट के पास एक ऑयल टैंकर पर अमेरिकी हमले के बाद आग लग गई। जहाज पर 24 भारतीय समेत 28 क्रू मेंबर सवार थे। एक व्यक्ति की मौत हुई, जबकि कुछ क्रू मेंबर लापता बताए गए।

रूस ने अमेरिका-ईरान से हमले रोकने की अपील की: मॉस्को ने दोनों देशों से संयम बरतने और सैन्य कार्रवाई बंद कर कूटनीति का रास्ता अपनाने को कहा।

कतर का प्रतिनिधिमंडल तेहरान पहुंचा: कतर ने क्षेत्रीय तनाव कम करने और अमेरिका-ईरान टकराव पर बातचीत के लिए अपना प्रतिनिधिमंडल ईरान भेजा है। बहरीन में फिर बजे एयर रेड सायरन, लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने की सलाह अमेरिका-ईरान तनाव के बीच बहरीन में एक बार फिर एयर रेड सायरन बजाए गए हैं। बहरीन के गृह मंत्रालय ने लोगों से शांत रहने और तुरंत नजदीकी सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि नागरिक सुरक्षा निर्देशों का पालन करें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। हालांकि सायरन बजाने की वजह या संभावित खतरे के बारे में तत्काल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। कुवैत पर मिसाइल और ड्रोन हमले, सेना बोली- जवाबी कार्रवाई जारी मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच कुवैत ने कहा है कि उसके खिलाफ मिसाइल और ड्रोन हमले किए गए हैं। कुवैती सेना ने बताया कि वह इन हमलों का जवाब दे रही है और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट पर हैं। सेना ने लोगों से शांति बनाए रखने और जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है। अधिकारियों ने नागरिकों से अनावश्यक आवाजाही से बचने और आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने को कहा है।

सिर काटने की कोशिश के बाद आयरलैंड-ब्रिटेन में भड़के दंगे

लंदन, एजेंसी। आयरलैंड के बेलफास्ट में एक आयरिश व्यक्ति का सिर काटने की कोशिश के विरोध में शुरू हुआ प्रदर्शन बुधवार को बड़े एंटी-इमिग्रेशन दंगों में बदल गया। ?आयरलैंड और ब्रिटेन में एक दर्जन से ज्यादा जगहों पर हिंसा, आगजनी और लूटपाट की घटना सामने आई। बेलफास्ट और उसके आसपास के इलाकों में नकाबपोश भीड़ ने घरों, दुकानों, बसों और कारों को निशाना बनाया। बेलफास्ट के न्यूटाउनार्ड्स रोड पर कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया शैंकिल में दो दुकानें लूट ली गईं और एक अफ्रीकी प्रवासी की दुकान को आग के हवाले कर दिया गया। लंदन के पार्लियामेंट स्क्वायर व स्कॉटलैंड के ग्लासगो में भी प्रवासी विरोधी प्रदर्शन के दौरान जमकर हिंसा हुई।

हिंसा की शुरुआत बेलफास्ट में चाकूबाजी की घटना के बाद हुई। सूडान के एक शरणार्थी का एक आयरिश व्यक्ति से विवाद हो गया था। इसी बीच हादी ने चाकू से उसका गला काटने की कोशिश की थी। हमले में 40 वर्षीय आयरिश व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। इस वारदात का वीडियो वायरल होते ही प्रदर्शन की अपीलें तेज हो गईं थीं। पुलिस के मुताबिक चाकूबाजी घटना का आरोपी हादी अलोदिद सूडान से पेरिस और फिर डबलिन आया था। 2023 में वह बेलफास्ट पहुंचा और शरण मांगी।

प्रवासी विरोधियों परहिंसा भड़काने के आरोप : दक्षिणपंथी और प्रवासी विरोधियों ने सोशल मीडिया पर चाकूबाजी की घटना का वीडियो तेजी से फैलाया। कट्टरपंथी व प्रवासी-विरोधी टॉमी रॉबिनसन ने वीडियो शेयर करते हुए पूरे ब्रिटेन में लोगों से 'सड़कों पर उतरने' की अपील की थी। इसके बाद मास्क पहने हजारों लोगों की भीड़ सड़कों पर जमा हो गई। बेलफास्ट में नकाबपोशों ने कई घरों को निशाना बनाया है। कुछ जगह 'विदेशियों को निकालो' जैसे नारे भी लगाए। स्थानीय पादरी जैक मैकी ने बताया कि लोग सिर्फ प्रवासी होने के कारण घर छोड़ने को मजबूर हुए। बेलफास्ट इस्लामिक सेंटर ने शाम की नमाज रोक दी। दिग्गज कारोबारी इलॉन मस्क ने भी सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो शेयर करते हुए कहा- जोरदार प्रदर्शन से ही बदलाव आएगा। ब्रिटेन की कट्टरपंथी पार्टी रिफॉर्म यूके ने घटना को प्रवास नीति का नतीजा बताते हुए वीजा प्रतिबंध की अपनी पार्टी की बात दोहराई। वहीं, सांसद क्लेयर हन्ना ने मस्क, रिफॉर्म यूके के चीफ नाइजल फराज व अन्य को हिंसा का जिम्मेदार ठहराया।

'हमारा इलाका छोड़ दो वरना...', ईरानी विदेश मंत्री की अमेरिका को आखिरी चेतावनी; होर्मुज में भारी तबाही

तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक बार फिर भीषण सैन्य संघर्ष का केंद्र बन गया है। अमेरिकी सेना द्वारा ईरानी ठिकानों पर की गई हालिया बमबारी के बाद ईरान के तेवर बेहद सख्त नजर आ रहे हैं। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने अमेरिका को दो-टूक चेतावनी देते हुए कहा है कि किसी भी प्रकार की धमकी या हमले का ईरान की सेनाएं निर्णायक और मुंहतोड़ जवाब देंगी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से अराघची ने अमेरिकी कार्रवाई पर कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि युद्ध के मैदान में हार के बावजूद अमेरिका ने ईरान के संकल्प की परीक्षा लेने का फैसला किया है। अराघची ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर आप सुरक्षित रहना चाहते हैं, तो हमारे इलाके से चले जाएं। फारस की खाड़ी का इतिहास घुसपैठ करने वाले बाहरी लोगों के बुरे अंजामों की कई कहानियों से भरा पड़ा है।

होर्मुज की संप्रभुता पर छिड़ी जंग : ईरानी विदेश मंत्री ने होर्मुज की अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि होर्मुज स्ट्रेट कोई अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र नहीं है, बल्कि यह ईरान और ओमान के बीच बंटा हुआ क्षेत्र है, जो अमेरिका के तटों से हजारों मील दूर स्थित है। अराघची के अनुसार, समुद्री सीमाएं बिल्कुल स्पष्ट हैं और ईरानी सेनाएं अपने हवाई क्षेत्र, जमीन या जलक्षेत्र के किसी भी उल्लंघन के लिए हमेशा हाई अलर्ट पर रहती हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि क्षेत्र में मौजूद विदेशी सेनाओं को मानवीय गलतियों या अचानक होने वाली गोलीबारी में फंसने का खतरा हमेशा बना रहता है।

की 'सेल्फ-डिफेंस' स्ट्राइक : यह तनाव तब और बढ़ गया जब अमेरिकी केंद्रीय कमान ने ईरान पर हमलों की पुष्टि की। अमेरिकी राष्ट्रपति के आदेश पर 9 जून की शाम को यह जवाबी कार्रवाई शुरू की गई थी। अमेरिकी अधिकारियों का दावा है कि यह हमला पूरी तरह से 'आत्मरक्षा' में किया गया था, क्योंकि एक दिन पहले ईरान ने अमेरिकी सेना के एक अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराया था। अमेरिकी वायुसेना और नौसेना के लड़ाकू विमानों ने सटीक निर्देशित हथियारों का इस्तेमाल करते हुए होर्मुज के पास स्थित ईरान की वायु रक्षा प्रणालियों, ग्राउंड कंट्रोल स्टेशनों और निगरानी रडार ठिकानों को सफलतापूर्वक निशाना बनाया है।

बड़ी सैन्य कार्रवाई के लिए पूरी तरह मुस्तैद : कूटनीति बनाम युद्ध की भाषा संघर्ष के इस दौर में भी ईरान ने बातचीत का रास्ता खुला रखने की बात कही है, लेकिन साथ ही अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन भी किया है। अराघची ने कहा कि ईरान कूटनीति की भाषा को प्राथमिकता देता है, लेकिन उनके बहादुर योद्धा दुनिया को दिखा चुके हैं कि वे जरूरत पड़ने पर 'दूसरी भाषा' यानी युद्ध की भाषा बोलना भी जानते हैं। फिलहाल खाड़ी क्षेत्र में स्थिति बेहद तनावपूर्ण बनी हुई है और दोनों ओर की सेनाएं किसी भी बड़ी सैन्य कार्रवाई के लिए पूरी तरह मुस्तैद हैं।

बिल गेट्स का सनसनीखेज खुलासा, कहा- अफेयर को लेकर एपस्टीन ने बनाया था ब्लैकमेलिंग का दबाव

वाशिंगटन, एजेंसी। माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स ने अमेरिकी संसद की एक समिति के सामने बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया है. बिल गेट्स ने यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन ने उनके पुराने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स को लेकर उन्हें ब्लैकमेल किया था. एपस्टीन चाहता था कि दोनों के बीच रिश्ते खत्म होने के बाद गेट्स उससे दोबारा संपर्क शुरू करें.

बिल गेट्स अमेरिकी संसद की 'हाउस ओवरसाइट एंड गवर्नमेंट रिफॉर्म कमेटी' के सामने पेश हुए थे. ये समिति इस बात की जांच कर रही है कि प्रशासन ने एपस्टीन मामले को कैसे संभाला. साथ ही, जांचकर्ता उस रसूखदार नेटवर्क का भी पता लगा रहे हैं जो एपस्टीन के संपर्क में था. न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक बिल गेट्स ने माना कि जब वेफिलांथ्रोपी के कामों के सिलसिले में एपस्टीन से मिले थे, तब वो उसके अपराधों की गंभीरता को पूरी तरह नहीं समझ पाए थे. गेट्स ने अपने बयान में कहा, 'इन अफेयर्स का एपस्टीन के साथ मेरी बातचीत से कोई लेना-देना नहीं था, लेकिन ये मेरे परिवार के लिए बेहद दर्दनाक थे. एपस्टीन ने मेरी बेवफाई की जानकारी और उसके ऊपर कई झूठ की परतें चढ़ाकर मुझ पर दोबारा जुड़ने का दबाव बनाने की कोशिश की थी.'

व्यक्तिगत रिश्तों से साफ इनकार : बिल गेट्स ने इस दौरान बताया कि एपस्टीन के साथ उनकी मुलाकातें सिर्फ चैरिटी, वैश्विक स्वास्थ्य और फंड जुटाने को लेकर ही हुई थीं. उन्होंने एपस्टीन के साथ किसी भी तरह के निजी या दोस्ताना रिश्ते से साफ इनकार किया. गेट्स ने सांसदों को बताया, 'मैं कभी भी उसके द्वीप (आइसलैंड), उसके फार्महाउस (रेंच) या फ्लोरिडा वाले घर पर नहीं गया. मैंने कभी किसी का शोषण नहीं किया है.' उन्होंने आगे कहा, 'हो सकता है कि उसने निजी संबंध बढ़ाने की कोशिश की हो, लेकिन मेरी कभी ऐसी कोई दिलचस्पी नहीं थी और न ही मैंने कभी उसकी तरफ हाथ बढ़ाया।

2014 में एपस्टीन से तोड़ दिया था नाता : बिल गेट्स ने बताया कि वो एपस्टीन से 2011 में जुड़े थे. ये वो समय था जब एपस्टीन फ्लोरिडा में वेश्यावृत्ति के आरोप में जेल की सजा काट चुका था. गेट्स ने कहा कि साल 2014 में जब उन्हें समझ आ गया कि एपस्टीन के जरिए चैरिटी के लिए फंड जुटाने की कोशिशें बेकार जा रही हैं, तो उन्होंने सारे नाते तोड़ दिए. गेट्स के मुताबिक, 'उस मोड़ पर मैंने मुझे समझ आया कि एपस्टीन अपने वादे कभी पूरे नहीं करेगा. मैंने उससे कह दिया कि हम अब आगे बात नहीं करेंगे और उससे मिलना-जुलना पूरी तरह बंद कर दिया.' गेट्स ने ये भी बताया कि उन्होंने एपस्टीन को कभी कोई आपराधिक काम करते नहीं देखा।

सांसदों के सवाल- सब जानते हुए भी संपर्क क्यों रखा : संसद की इस द्विदलीय समिति ने बिल गेट्स से तीखे सवाल पूछे. दोनों ही पार्टियों के सांसदों ने पूछा कि जब एपस्टीन के पुराने अपराधों और सजा की बात जगजाहिर थी, तो गेट्स उससे क्यों मिलते रहे? कमेटी के शीर्ष डेमोक्रेटिक सांसद रॉबर्ट गार्सिया ने सुनवाई के बाद बताया कि बिल गेट्स ने ये मंजूर किया है कि उन्हें एपस्टीन के पुराने अपराधों और सजा की जानकारी थी. वहीं, रिपब्लिकन सांसद टिम बर्चेट ने एपस्टीन को एक फ्रेंड कलेक्टर बताया. बर्चेट ने कहा, 'ये पूरी तरह साफ है कि एपस्टीन बड़े लोगों को इकट्ठा करने का शौकीन था. उसे रसूखदार लोगों के साथ तस्वीरें खिंचवाना और उनके साथ घूमना पसंद था, ताकि वो अपना प्रभाव बढ़ा सके. मुझे लगता है कि इसी तरह उसने लोगों को अपने जाल में फंसाया.' डेमोक्रेटिक सांसद एमिली रैंडल ने कहा कि इस गवाही से ये पता चलता है कि एपस्टीन के साथ उठने-बैठने वाले कई ताकतवर पुरुषों ने जानबूझकर चेतावनी के संकेतों को नजरअंदाज किया और वही देखा जो वो देखना चाहते थे.

पीड़ितों के लिए न्याय की मांग : सुनवाई के दौरान बिल गेट्स ने एपस्टीन के अपराधों का शिकार हुए लोगों को लेकर अपनी संवेदना जाहिर की. उन्होंने कहा, 'मैं उम्मीद करता हूं कि एपस्टीन के अपराधों से बचे लोगों को वो न्याय मिले जिसके वे हकदार हैं।

स्टाइलिश साड़ी टिप्स

सदियों से ही भारतीय नारी का पारंपरिक परिधान साड़ी ही रहा है। ढेर सारे प्रयोगों के बाद भी साड़ी वही है, बदला है तो केवल उसका स्टाइल।

नित नए फैशनेबल स्टाइल साड़ी में आ रहे हैं। ऐसे में बहुत महँगी साड़ी न खरीदते हुए भी आप थोड़ी-सी सूझबूझ से कम कीमत में अपनी साड़ियों को घर पर ही सजा कर आप न्यू लुक दे सकती हैं। जो आपकी साड़ियों में चार चाँद लगा सकते हैं।

आइए देखें क्या हैं टिप्स...

- प्लेन साड़ी में प्लेट्स (पटली) और पल्लू पर बड़े सितारे लगाएँ बाकी साड़ी को प्लेन ही रहने दें।
- आजकल कई तरह का साड़ी वर्क फैशन में हैं। आप भी अपनी साड़ी को मनचाहा ट्रेस देकर उसमें सितारे, कुंदन, मिरर, पाइप नाका टाँकी आदि वर्क करें।
- अपनी साड़ी की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए प्रिटेंड साड़ी में चिपकने वाले सितारों का उपयोग करें।
- अपनी साड़ी में बंधेज वर्क करके आप उसे एक अनोखा रूप दे सकती हैं।
- नेट की साड़ी आजकल बहुत प्रचलन में हैं, नेट पर मनचाही डिजाइन में वर्क करके उसे न्यू इफेक्ट दें।
- व्हाइट और ब्लैक ऐसे कलर हैं, जिस पर कोई भी वर्क करके आप पार्टी की शान बन सकती हैं।
- बॉर्डर और पल्लू को जरदौजी वर्क से डेकोरेट करें। बॉर्डर को लहरदार भी बना सकती हैं।
- किसी भी इवनिंग पार्टी के लिए साड़ी में मोती का वर्क करें, जो आपकी साड़ी को सोबर लुक देगा।
- प्लेन जॉर्जेट की साड़ी पर सॉटन के फूलों का वर्क करें, जो बहुत ही शानदार लगेगा।
- कॉटन की साड़ी पर पेंचवर्क साड़ी की शोभा दुगुनी कर देगा।
- अपनी साड़ी आकर्षक बनाने के लिए उस पर कढ़ाई करें। जैसे काथा वर्क, नॉटस्टिच, सिंधी कढ़ाई, लेजी-डेजी आदि कढ़ाई से साड़ी बहुत लुभावनी लगेगी।
- अपनी साड़ी में एम्ब्रॉइडरी करवाकर आप उसे स्पेशल बना सकती हैं।
- आजकल विभिन्न प्रकार की लेस चलन में है। अपनी किसी साड़ी में लेस लगाकर आप उसे हैवी बना सकती हैं।
- साड़ी में फेब्रिक पेंटिंग करके आप उसे न्यू लुक दे सकती हैं।
- सॉटन या अन्य किसी प्रिंटेड कपड़े की लेसनुमा बॉर्डर भी आप अपनी साड़ी में लगा सकती हैं।
- फेब्रिक कलर ट्यूब, जो आजकल हर कलर में उपलब्ध हैं, से आप साड़ी पर कम समय और कम लागत में वर्क करके साड़ी को पार्टी वियर बना सकती हैं।

साड़ी पहनने के अलग-अलग स्टाइल

ऐसा जरूरी नहीं कि आप जिस स्टाइल की साड़ी पहनती हैं, उसे ही हमेशा पहनें। साड़ी को पहनने के भी कई तरीके हैं।

आप अपनी हाइट, हेल्थ और मौके के अनुसार उसे चुन सकती हैं, जैसे : फ्री पल्लू साड़ी, पिनअप साड़ी, उल्टा पल्लू, सीधा पल्लू, लहँगा स्टाइल साड़ी, मुमताज स्टाइल साड़ी, बंगाली साड़ी, साड़ी आदि स्टाइलों की साड़ियों को आप अपनी पसंद से चेंज करके पहन सकती हैं।

कमरा सजाएँ फूलों से

फूलों से सजाएँ अपनी दुनिया

अपने घर या ऑफिस को प्रभावी बनाना चाहती हैं और ये भी चाहती हैं कि सजावट जीवंत होकर आपके भाव खुद ही बयाँ करे। प्रकृति से जुड़ा आपका मन विभिन्न रंगों की कल्पना करता है तो फूलों से बेहतर क्या हो सकता है? फूलों के बारे में सोचकर आधा काम तो आपने कर लिया। अब बारी है यह देखने की कि आगे कैसे क्या करें।

- यदि आप कमरे की व्यवस्था में लंबी सजावट का प्रयोग कर रहीं हैं तो कुछ लंबे फूलों का प्रयोग करें। लंबे फूलों से अर्थ है कि जिनमें ऊपर की ओर कलियाँ होती हैं तथा नीचे की ओर फूल लगे होते हैं जैसे रजनीगंधा, ग्लेडुलाई, डेलफिनियम तथा ट्यूबरोजेस आदि।
- फूलों के गुच्छे आपकी सजावट में समृद्धि लाते हैं इसलिए यदि आप रिच लुक देना चाहती हैं तो ये बहुत अच्छे विकल्प हो सकते हैं। ये गुच्छे एक ही फूलों के या विभिन्न फूलों के हो सकते हैं। इन फूलों में गुलाब, कार्नेशन, झरबेरी, लिली, जिनिस तथा सेवंती को अपनी पसंद के अनुसार चुन सकती हैं। जहाँ कुछ खाली-खाली लग रहा हो वहाँ कुछ सहायक फूलों तथा पत्तियों के प्रयोग से जान डाल सकती हैं। जैसे फर्न, एस्टर तथा कुछ अन्य प्रकार की डालियाँ।
- चुने गए फूलों के अनुसार आप सजावट कर सकती हैं जैसे एक लंबे पतले वॉस में एक गुलाब की कली को सजाकर रख सकती हैं या चौड़े पॉट में बहुत से फूलों को बाँधकर रखें। इसे टेबल के सेंटरपीस की तरह प्रयोग करें। चाहें तो फूलों को पारंपरिक रुप से सजाएँ या इकेबाना का रुप दें लेकिन यदि आपका मन कह रहा है कि इस रंग के फूल के साथ यही फूल अच्छा लगेगा तो सज्जा के नियमों को अलग रखकर अपने मन की बात मानें।
- प्रकृति के इन अनुपम उपहारों को आप अलग-अलग थीम देकर भी सजा सकती हैं और इनके साथ विभिन्न सजावट की वस्तुओं का प्रयोग भी कर सकती हैं।

बच्चे के मुँह में जब हो अँगूठा

बच्चों का अँगूठा चूसना एक सामान्य क्रिया है, लेकिन छह माह की उम्र के बाद भी बच्चा अँगूठा चूसना नहीं छोड़ता है, तो यह इस बात का सूचक है कि बच्चे के माँ-बाप बच्चे के प्रति लपरवाह हैं।

यह आदत बच्चों में तब पड़ती है, जब वह अपने को अकेला, असहाय, असुरक्षित महसूस करता है। अधिकतर माता-पिता इस आदत को बहुत सामान्य तरीके से लेते हैं। क्या आप जानते हैं आपके बच्चे की अँगूठा चूसने की आदत के क्या नुकसान है?

अँगूठा चूसने के नुकसान :

- हमेशा तो बच्चे को साफ-सुथरा रखना संभव नहीं होता, ऐसे में यदि वे अपना अँगूठा या हाथ मुँह में लेते हैं, तो हाथ के साथ गंदगी, धूल व कीटाणु भी बच्चे के मुँह में चले जाते हैं।
- अँगूठा चूसने वाले बच्चे की भूख मर जाती है, वे दूध की या भोजन की माँग नहीं करते, फलस्वरूप उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है।
- अँगूठा चूसने का प्रभाव बच्चे के मस्तिष्क पर भी पड़ता है, वे अँगूठा चूसने में मस्त रहते हैं और मंद बुद्धि की ओर अग्रसर होते हैं।
- अँगूठा चूसने से बच्चे के दाँत बाहर की ओर निकल आते हैं, होठ मोटे होकर लटक जाते हैं, मुँह खुला रखने की आदत पड़ जाती है।
- एक ही हाथ का अँगूठा चूसने के कारण वह अँगूठा पतला हो जाता है, इसका असर बच्चे के शिक्षण पर भी पड़ सकता है, यदि वह उसी हाथ से लिखना शुरू करें।
- अँगूठा चूसने वाले बच्चे की जीभ बाहर की ओर निकली रहती है, इससे वे बोलने में तुतलाते हैं।
- ऐसे बच्चे आलसी व कमजोर हो जाते हैं, बड़े होते-होते हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं।

कॉफी को जायकेदार बनाएँ

- कॉफी को सदैव हवाबंद बॉटल में भरकर रखें। हवा लगने से कॉफी में गुठले पड़ जाते हैं और स्वाद भी खराब हो जाता है।
- कॉफी का स्वाद बढ़ाने के लिए उसमें अदरक और छोटी इलायची डालें।
- एस्प्रेसो कॉफी का आनंद प्राप्त करने के लिए एक कप में कॉफी में प्रयोग होने वाली कुल चीनी और कॉफी लें और दो चम्मच दूध डालकर चम्मच से खूब फेंटें जब कॉफी का रंग बिलकुल सफेद हो जाए तब इसे दूध में डालकर एक उबाल दें, थोड़ी ऊँचाई से कप में धार बनाकर डालें। आपको एस्प्रेसो कॉफी का आनंद मिलेगा।
- कॉफी को सदैव शीशी में रखें, खुली रखने से कॉफी की खुशबू उड़ जाती है।
- विविध जायकेदार कॉफी बनाने के लिए उसमें दालचीनी, लौंग, चॉकलेट के टुकड़े व नींबू के छिलके डालें।

रिबन सैंडविच

सामग्री : 6 सफेद ब्रेड के स्लाइसेस, 6 ब्राउन ब्रेड के स्लाइसेस, मक्खन 3 टेबल स्पून, उबले आलू 2, पीला रंग 5 बूँदें, नमक, कालीमिर्च पावडर स्वादानुसार, हरी चटनी पाव कप, टमाटर सॉस पाव कप।

सामग्री कवर के लिए : बेसन एक कप, नमक पाव टी स्पून, सोडा चुटकी भर, मोयन के लिए गरम तेल एक टी स्पून, तेल तलने के लिए।

विधि : ब्रेड के स्लाइसेस पर मक्खन लगा लें। उबले हुए आलू कसकर उसमें पीला रंग, नमक, कालीमिर्च मिला लें। फिर 2 सफेद और 2 ब्राउन ब्रेड के स्लाइसेस लें। एक सफेद ब्रेड स्लाइस पर हरी चटनी लगाकर उस पर ब्राउन ब्रेड रखें।

उसके ऊपर टमाटर सॉस लगाकर ऊपर सफेद ब्रेड का स्लाइस रखें। अंत में सफेद ब्रेड पर आलू के पीले मिश्रण की पतली परत रखकर उसके ऊपर ब्राउन ब्रेड का स्लाइस रखें। सैंडविच अच्छी तरह से दबाएँ और तेज छुरी से उसे तीन हिस्सों में काटिए (आप चाहें तो सैंडविच ऐसे भी परोस सकते हैं।) अब बेसन में नमक, सोडा और गरम तेल का मोयन डालकर पकौड़े के मिश्रण जैसा बनाएँ।

इस मिश्रण में तैयार सैंडविच डुबोकर गरम तेल में तलकर गरमा-गरम परोसिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 4083

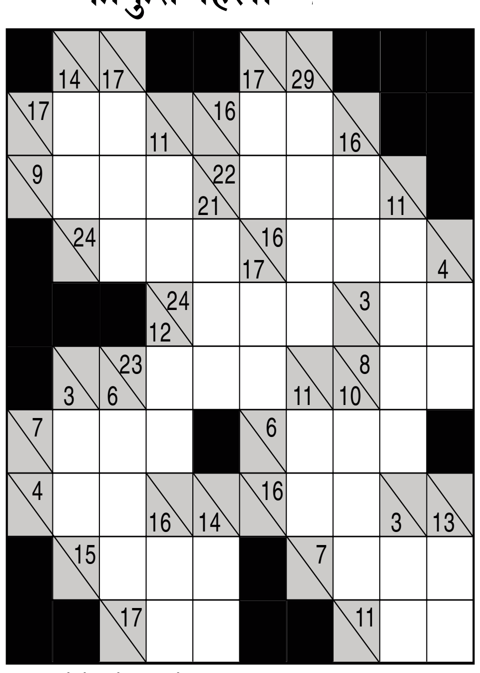

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

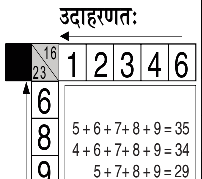

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो -4082 का हल

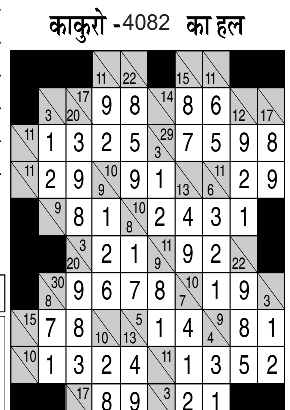

हंसी के फूव्वारें

फौजदारी का मुकदमा था.

अपराध स्वीकार कर लेने के पश्चात वकील ने अपराधी से पूछा- 'तुमने उसे कितने थप्पड़ मारे थे ?'

'जी एक !'

तभी वह आदमी चिल्ला पड़ा जिसे मार पड़ी थी- 'यह झूठ बोलता है मीलॉर्ड ! इसने मुझे पांच थप्पड़ मारे थे !'

इस पर अपराधी ने भोलेपन से कहा- 'मीलॉर्ड ! मैंने मारा तो एक ही थप्पड़ था, पर इसके स्वास्थ्य को देखते हुए मैंने उसे पांच किश्तों में बांट दिया था.'

□ □ □

एक बार परेड हो रही थी.

एक कमांडर को बहुत कम जवानों के नाम याद रहते थे. वह जिस किसी जवान का नाम जानता था, परेड के समय उसी को ज्यादा टोकता था.

उस दिन परेड में वह चिल्लाया- 'महेश ! परेड के साथ नहीं चलते. कदम बराबर मिलाओ ! तुम बहुत सुस्त चलते हो.'

'सर !'

सूबेदार ने सूचना दी- 'महेश तो आज छुट्टी पर है.'

'तो क्या हुआ ?'

कमांडर और जोर से चीखा- 'वह वहां भी सुस्त चल रहा होगा.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली -4083

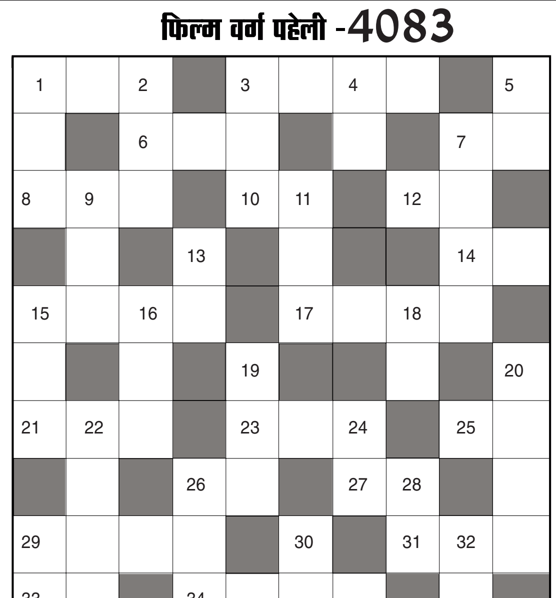

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 4082

सूडोकु -4083

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4082 हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली -4083

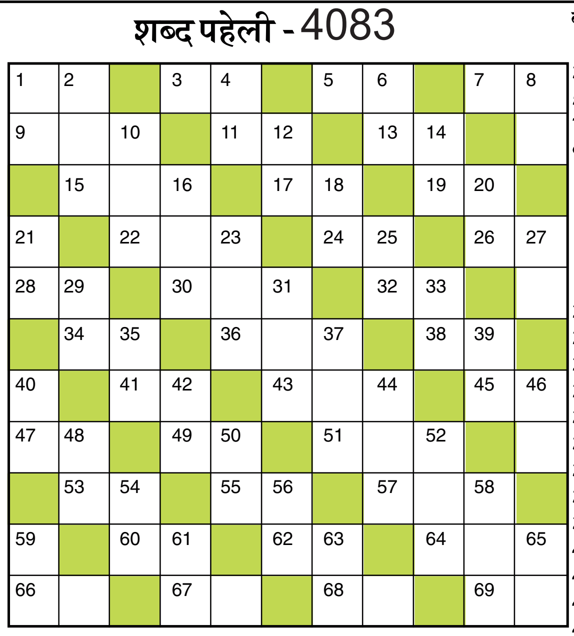

बाएँ से दाएँ

1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सदं,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी-2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा -2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरुर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा-2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली -4082 का हल

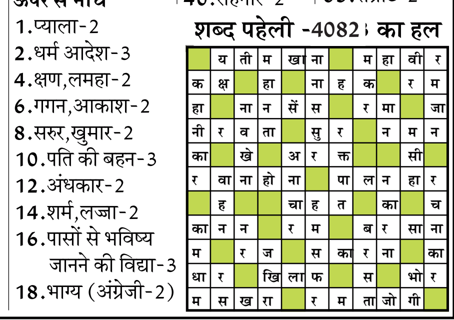

तिलहन किसानों के लिए शुरू हुई 'ऑयलसीड्स किसान मित्र' सेवा, व्हाट्सएप पर मिलेगी 24 घंटे मुफ्त कृषि सलाह

एजेंसी

नई दिल्ली। तिलहन फसलों की खेती करने वाले किसानों के लिए अच्छी खबर है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अंतर्गत भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान ने 'ऑयलसीड्स किसान मित्र' नामक देश की पहली व्हाट्सएप आधारित एआई सलाहकार सेवा शुरू की है। इस सेवा के जरिए किसान अब घर बैठे अपने मोबाइल पर ही तिलहन फसलों से जुड़ी हर तरह की वैज्ञानिक और शोध आधारित जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। खास बात यह है कि यह सेवा 24 घंटे, सप्ताह के सातों दिन और पूरी तरह मुफ्त उपलब्ध रहेगी। कृषि मंत्रालय ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि ऑयलसीड्स किसान मित्र एप का व्हाट्सएप का नंबर +91 4024598180 रखा गया है जिस पर किसानों को उनकी भाषा में सवालों का जवाब मिल सकता है। चैटबॉट पर पूछे गए सवालों का तुरंत जवाब देकर फसल प्रबंधन, उन्नत किस्मों के चयन, कीट एवं रोग नियंत्रण, सिंचाई और कटाई के बाद की तकनीकों संबंधी जानकारी उपलब्ध कराएगा। यह सेवा मूंगफली, सरसों, तिल, सूरजमुखी, सोयाबीन और रामतिल जैसी प्रमुख तिलहन फसलों के लिए उपयोगी होगी। आईसीएआर-आईआईओआर के निदेशक आर के माथुर ने मीडिया को बताया कि पहली बार आईसीएआर के तिलहन अनुसंधान का लाभ देश के हर किसान तक उसकी अपनी भाषा में व्हाट्सएप के माध्यम से पहुंचाया जा रहा है। इससे भाषा, दूरी और लागत जैसी बाधाएं समाप्त होंगी।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने स्पीकर का आदेश मांगा, फिलहाल नेता प्रतिपक्ष बने रहेंगे ऋतब्रत बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता फिलहाल ऋतब्रत बनर्जी बने रहेंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता पद को लेकर जारी राजनीतिक और कानूनी विवाद के बीच कलकत्ता उच्च न्यायालय ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की। अदालत ने सवाल उठाया कि क्या विधानसभा अध्यक्ष किसी राजनीतिक दल की सहमति के बिना उसके कथित बागी विधायक को विपक्ष का नेता मान्यता दे सकते हैं, विशेषकर तब जब उसे पार्टी से निष्कासित किया जा चुका हो। उच्च न्यायालय ने फिलहाल कोई अंतरिम आदेश पारित नहीं किया है। अदालत ने कहा कि पहले विधानसभा अध्यक्ष का आदेश रिकॉर्ड पर लाया जाए, उसके बाद ही मामले के गुण-दोष पर विचार किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई 16 जून को होगी। अदालत की ओर से कोई रोक न लगाए जाने के कारण ऋतब्रत बनर्जी फिलहाल पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में बने रहेंगे। न्यायमूर्ति कृष्ण राव की एकल पीठ गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में विधानसभा अध्यक्ष के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसके तहत ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता और मुख्य सचेतक के रूप में मान्यता दी गई है।

शिक्षकों के कौशल उन्नयन के लिए क्यूआईपी-पीजी सर्टिफिकेट प्रोग्राम

नई दिल्ली। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने इंजीनियरिंग एवं तकनीकी विषयों के शिक्षकों के शैक्षणिक और व्यावसायिक उन्नयन के उद्देश्य से एआईसीटीई-क्यूआईपी-पीजी (क्वालिटी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम-पोस्ट ग्रेजुएट) सर्टिफिकेट प्रोग्राम शुरू किया है। छह माह की अवधि वाले इस हाइब्रिड कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़े नवीन ज्ञान और कौशल प्रदान करना है, ताकि वे विद्यार्थियों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे सकें। एआईसीटीई के अध्यक्ष योगेश सिंह ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह पहल तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी प्रौद्योगिकियां उद्योगों में तेजी से बदलाव ला रही हैं और भविष्य में कई नई तकनीकें सामने आएंगी। विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी शिक्षा और प्रशिक्षित शिक्षकों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को नवीनतम ज्ञान और उद्योग से जुड़े अनुभव उपलब्ध कराकर विद्यार्थियों को नवाचार, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान तथा वैश्विक अवसरों के लिए तैयार किया जा रहा है।

असली तृणमूल कौन है, इसका फैसला चुनाव आयोग करेगा : काकोली घोष दस्तिदार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कथित विभाजन को लेकर चल रही अटकलों के बीच बारासात से लोकसभा सांसद काकोली घोष दस्तिदार के बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने दावा किया है कि पार्टी के भीतर एक अलग समूह के साथ लगभग 20 सांसद जुड़े हुए हैं और 'असली तृणमूल' का फैसला चुनाव आयोग करेगा। मीडिया से बातचीत में सांसद ने कहा कि उनके साथ 20 सांसद हैं और वे सभी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ रहने के पक्ष में हैं। उन्होंने दावा किया कि हमारे साथ 20 सांसद हैं, इसलिए असली तृणमूल हम ही हैं। अंतिम फैसला चुनाव आयोग करेगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब टीएमसी के भीतर नेतृत्व और संगठन को लेकर असंतोष की चर्चाएं तेज हैं और पार्टी के भीतर दो धड़ों की अटकलें राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। काकोली घोष दस्तिदार ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम को हाल के चुनावी परिणामों से जोड़कर देखना गलत है। उन्होंने दावा किया कि यह प्रक्रिया अचानक नहीं शुरू हुई।

इंदौर में ब्रिक्स कृषि सम्मेलन का तीसरा दिन

खाद्य सुरक्षा, टिकाऊ खेती और किसानों की आय बढ़ाने पर वैश्विक मंथन

एजेंसी

इंदौर। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर इन दिनों वैश्विक कृषि कूटनीति का केंद्र बना हुआ है। भारत की अध्यक्षता में आयोजित पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ब्रिक्स कृषि सम्मेलन के तीसरे दिन खाद्य सुरक्षा, जलवायु अनुकूल कृषि, किसानों की आय में वृद्धि और कृषि क्षेत्र में नवाचार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। सम्मेलन में ब्रिक्स सदस्य देशों के साथ-साथ सहयोगी राष्ट्रों सहित करीब 20 देशों के कृषि मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक, नीति निर्माता और विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। सम्मेलन के दौरान संयुक्त घोषणा-पत्र (जॉइंट डिक्लेरेशन) के मसौदे

पर पहला चरण पूरा हो चुका है, जबकि दूसरे चरण की चर्चा जारी है। शाम को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव होटल मेरियट में विदेशी प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में विशेष रात्रिभोज का आयोजन करेंगे, जहां कृषि सहयोग और निवेश संभावनाओं पर अनौपचारिक संवाद भी होगा। सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य दुनिया के सामने उभर रही खाद्य सुरक्षा की चुनौतियों का समाधान तलाशना और कृषि क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत बनाना है। विशेषज्ञों ने कहा कि बढ़ती आबादी, जलवायु परिवर्तन और सीमित प्राकृतिक संसाधनों के बीच खाद्य उत्पादन को टिकाऊ बनाए रखना आने वाले वर्षों की सबसे बड़ी चुनौती होगी। प्रतिनिधियों ने कृषि उत्पादन बढ़ाने, खाद्य हानि कम करने, पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा कृषि आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने के उपायों पर अपने अनुभव साझा किए। कई देशों ने अपने सफल कृषि मॉडल और तकनीकी नवाचारों की जानकारी भी प्रस्तुत की। सम्मेलन में किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। कृषि विशेषज्ञों ने कहा कि केवल उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं है।

प्रधानमंत्री ने विनिर्माण क्षेत्र में तेजी लाने के लिए शिकायतों के निपटारे पर दिया जोर : लाहिड़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में नीति आयोग की शाषी परिषद की 11वीं बैठक में विनिर्माण क्षेत्र में तेजी लाने के लिए शिकायतों को तेजी से निपटाने पर जोर दिया। नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी ने बैठक के बाद यहां आयोजित एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया में जारी संकट से पैदा हुई स्थिति के कारण किसी भी मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से सहायता नहीं मांगी है। अशोक कुमार लाहिड़ी ने कहा कि नीति आयोग की शाषी परिषद की 11वीं बैठक में सभी 28 राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए। उन्होंने बताया कि हमें उनके महत्वपूर्ण सुझावों से लाभ मिला। लाहिड़ी ने कहा कि नीति आयोग शाषी परिषद की 11वीं बैठक का विषय विकसित भारत 2047 के लिए समावेशी मानव विकास' था और इसमें विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि समावेशी मानव विकास में जीवन के सभी चार चरण शामिल हैं, जिसमें बचपन और युवावस्था से लेकर कामकाजी उम्र और बुढ़ापे तक है। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार और जीवन के अन्य सभी पहलू भी शामिल हैं। लाहिड़ी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग शाषी परिषद की 11वीं बैठक में 28 राज्यों और पांच केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, उप-राज्यपाल और प्रशासक भी शामिल हुए।

इंदौर में ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों एवं विदेशी अतिथियों के सम्मान में मुख्यमंत्री डॉ यादव ने दिया रात्रि भोज

एजेंसी

इंदौर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इंदौर में आयोजित ब्रिक्स देशों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने आए विभिन्न देशों के कृषि मंत्रियों एवं अन्य विदेशी प्रतिनिधियों एवं अतिथियों के सम्मान में गुरुवार की रात भव्य रात्रि भोज का आयोजन किया।

इस अवसर पर अतिथियों के स्वागत के साथ मध्य प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक परंपरा और पर्यटन वैभव को प्रदर्शित करने वाले रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सांस्कृतिक संध्या में प्रदेश की लोक कला, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना पर आधारित प्रस्तुतियों ने देश-विदेश से आए प्रतिनिधियों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम के माध्यम से मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक धरोहरों और पर्यटन स्थलों की विशेषताओं को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया। ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान आयोजित यह विशेष कार्यक्रम मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का एक

महत्वपूर्ण अवसर बना, जिसमें प्रदेश की अतिथि-सत्कार परंपरा और सांस्कृतिक समृद्धि की प्रभावी झलक देखने को मिली।

रात्रि भोज एवं सांस्कृतिक आयोजन में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मप्र के मंत्रीगण कैलाश विजयवर्गीय, तुलसीराम सिलावट व एदलसिंह कंसाना, सांसद शंकर लालवानी तथा कविता पाटीदार, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, जिला पंचायत अध्यक्ष रीना सतीश मालवीय, विधायकगण मालिनी गौड़, उषा ठाकुर, रमेश मेंदोला, मधु वर्मा तथा गोलू शुक्ला, सावन सोनकर, प्रताप करोसिया, सुमित मिश्रा, श्रवण सिंह चावड़ा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

झारखंड सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत, चार गंभीर

एजेंसी

गुमला। बसिया-कोलेबीरा थाना क्षेत्र के सीमांत स्थित अघरमा गांव में एक सड़क हादसे में तीन मासूम बच्चों सहित पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार स्कॉर्पियो (जेएच 01 बी एम 54 54) में सवार एक ही परिवार के नौ लोग लोहरदगा से कोलेबिरा प्रखंड के लसिया मेहमानी आ रहे थे। कार जब अघरमा गांव के समीप पहुंची तो चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और कार सड़क के किनारे एक पेड़ से जा टकराई। इस दौरान स्कार्पियों की रफ्तार काफी तेज थी।

लिहाजा कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में मरने वालों की पहचान लोहरदगा निवासी 58 वर्षीय गुलाम मुस्तफा, 5 वर्षीय अर्श हाशमी, 3 वर्षीय अनाबिया परवीन, 55 वर्षीय गुलशन और लसिया कोलेबिरा प्रखंड निवासी डेढ़ वर्षीय आयरा परवीन रूप में हुई। गुलाम मुस्तफा एवं गुलशन दोनों पति-पत्नी थे। दुर्घटना के बाद वाहन में सवार लोगों की रोने की आवाज सुनकर अगल-बगल के लोग दुर्घटना स्थल पहुंचे। दुर्घटनाग्रस्त

वाहन में फंसे सभी घायलों को किसी तरह बाहर निकाला। ग्रामीणों ने 108 एंबुलेंस को फोन किया जो आधा घंटे की देरी पहुंची। इस बीच कुछ घायलों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही कोलेबिरा पुलिस तत्काल घटनास्थल पहुंची और गंभीर रूप से घायल एक महिला-एक पुरुष को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। मगर चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। स्थानीय ग्रामीणों ने अपने-अपने वाहनों से अन्य घायलों को उठाकर तत्काल कोनबीर रेफरल अस्पताल ले गए। जहां पर चिकित्सकों ने 5 वर्षीय उमर नवाज, पिता अर्श नवाज, 28 वर्षीय हिना परवीन, 33 वर्षीय अकरम खलीफा एवं 30 वर्षीय नेहा परवीन को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया। वहीं, पुलिस ने मृतक के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया।

हैदराबाद में धोखाधड़ी मामले में छह लोग गिरफ्तार, अंतरराष्ट्रीय संबंधों की जांच शुरू

एजेंसी

हैदराबाद। हैदराबाद पुलिस ने 'IGNITE' मल्टी-लेवल मार्केटिंग (एमएलएम) योजना से जुड़े धोखाधड़ी मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है। ये सभ एक मल्टी-लेवल मार्केटिंग योजना चला रहे थे। कथित तौर पर उच्च आय और मुनाफे के नाम पर लोगों से बड़ी रकम ठग रहे थे। पुलिस को एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का संदेह है, जो विदेश में छिपे मुख्य आरोपितों की तलाश में जुटी है।पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपितों का नाम ओनील गुप्ता, दिनेश कुमार साहिल, प्रियांशु सक्सेना, प्रवीण कुमार डकलिया, परितोष कुमार डकलिया और रियाज हैं। ये सभी IGNITE कंपनी में विभिन्न भूमिका निभा चुके हैं। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार के अनुसार IGNITE का मुख्यालय हांगकांग में है। कंपनी भारत में अपना संचालन कर रही थी। कंपनी के संस्थापक पथमन सेनाथिराजा और अन्य के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में मामले दर्ज हैं। आयुक्त ने कहा, प्रबंध निदेशक सेनाथिराजा, अदली हसन और ओनील गुप्ता

QNET संचालित करते थे। पुलिस की कार्रवाई के बाद उन्होंने IGNITE कंपनी शुरू की और वही मल्टी-लेवल मार्केटिंग का धंधा शुरू कर दिया, जो उच्च आय के बहाने लोगों को धोखा देने के अलावा और कुछ नहीं है।

पिछले 25 वर्षों में, इस गिरोह ने गोल्डक्वेस्ट, क्वेस्टनेट, क्यूनेट/विहान और IGNITE जैसे विभिन्न नामों से सैकड़ों करोड़ रुपये की ठगी की है। सज्जनार ने कहा, हमने शहर में IGNITE कंपनी शुरू होने के 18 दिनों के भीतर ही कार्रवाई की। तीन प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और लोगों को इस धोखाधड़ी का शिकार होने से बचाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। तीनों मामलों में प्रत्येक पीड़ित से 60,000 रुपये वसूले गए और उन्हें एक चुंबकीय पेन, एक ऊर्जा सामंजस्य सहायता और एक इलेक्ट्रिक टूथब्रश बेचने के लिए कहा गया। उन्होंने कहा, हमारी प्रारंभिक जांच से पता चला है कि इनमें से किसी भी उत्पाद को स्वास्थ्य या कल्याण के लिए किसी भारतीय या अंतरराष्ट्रीय नियामक प्राधिकरण से मंजूरी नहीं मिली है। पीड़ितों को अपना पैसा वापस पाने के लिए दो नए सदस्य जोड़ने के लिए कहा गया था।

पंजागुट्टा, काचीगुड़ा और एसआर नगर में दर्ज तीन प्राथमिकी बाद में सेंट्रल क्राइम स्टेशन को स्थानांतरित कर दी गईं। डिटेक्टिव डिपार्टमेंट की एक विशेष टीम ने जांच शुरू की और मामले में छह संदिग्धों को पकड़ लिया।

सज्जनार ने आगे कहा, इस मामले में शामिल मुख्य लोग हांगकांग और अन्य देशों में छिपे हुए हैं। हम इस मुद्दे को केंद्र सरकार के साथ उठाएंगे और रेड कॉर्नर नोटिस जारी करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी पीओके को मुक्त कराकर एक और राजनीतिक भूल सुधारें : अजमेर शरीफ दरगाह के दीवान

एजेंसी

अजमेर। अजमेर स्थित अजमेर शरीफ दरगाह के दीवान सैयद जैनुअल आबेदीन अली खान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को मुक्त कराने की दिशा में निर्णायक कदम उठाने की अपेक्षा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण निर्णय लेकर पूर्व की राजनीतिक भूलों को सुधारने का प्रयास किया है और उन्हें उम्मीद है कि पीओके के मुद्दे पर भी ऐसा ही कदम उठाया जाएगा। अजमेर में मीडिया से बातचीत करते हुए दरगाह दीवान ने कहा कि पीओके में लोगों के साथ हो रहे व्यवहार से पाकिस्तान का वास्तविक चेहरा उजागर हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां आम नागरिकों की आवाज दबाने का प्रयास किया जा

रहा है तथा महिलाओं, बच्चों और युवाओं के साथ कठोर व्यवहार की खबरें सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान स्वयं को इस्लामिक देश बताता है, लेकिन यदि ऐसी घटनाएं हो रही हैं तो वे इस्लाम की शिक्षाओं के अनुरूप नहीं हैं। उनके अनुसार पीओके के हालात अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने पाकिस्तान की नीतियों को उजागर कर रहे हैं। दरगाह दीवान ने कहा कि पाकिस्तान का पीओके पर कब्जा समाप्त होना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि देशहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय उनके कार्यकाल में लिए गए हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि पीओके के संबंध में भी भारत के हित में उचित निर्णय लिया जाएगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 20 से 22 जून तक मध्य प्रदेश के प्रवास पर, कूनो नेशनल पार्क का करेंगी भ्रमण

एजेंसी

श्योपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आगामी 20 से 22 जून तक मध्य प्रदेश का दौरान प्रस्तावितत है। इस दौरान वे जबलपुर और ग्वालियर के साथ श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क का भी भ्रमण करेंगी। राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कूनो आगमन को लेकर वीसी के माध्यम से तैयारियों तथा कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था कें संबंध में समीक्षा की तथा प्रोटोकॉल अनुसार विभिन्न व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। इस दौरान एनआईसी कक्ष श्योपुर में कलेक्टर शीला दाहिमा, पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल, कूनो के डीएफओ आर थिरूकुराल, अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय, जिला पंचायत सीईओ गगन सिंह मीणा, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इसके अलावा बैतूल, खण्डवा, इंदौर, ग्वालियर के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक आदि अधिकारी भी वीसी के माध्यम से बैठक में शामिल रहें।

मुख्य सचिव जैन ने राष्ट्रपति

द्रौपदी मुर्मू के मध्य प्रदेश के प्रवास के दौरान कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के संदर्भ में अधिकारियों को प्रोटोकॉल अनुरूप सभी प्रकार की तैयारियां एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में बताया गया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मध्य प्रदेश में ओंकारेश्वर मंदिर, जबलपुर, ग्वालियर एवं कूनो नेशनल पार्क श्योपुर के भ्रमण पर रहेंगी। श्योपुर जिले में दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्रपति 21 जून को अपरान्ह 03 बजे के लगभग श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क पहुंचेगी तथा रात्रि विश्राम करेंगी। राष्ट्रपति 22 जून को प्रातः 10 बजे कूनो नेशनल पार्क से प्रस्थान करेंगी। इधर, राष्ट्रपति के आगमन और रात्रि विश्राम कार्यक्रम के मद्देनजर कूनो नेशनल पार्क में संभागायुक्त सुरेश कुमार ने एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक के बाद कलेक्टर शीला दाहिमा और पुलिस अधीक्षक सुधीर कुमार अग्रवाल ने कूनो नेशनल पार्क का जमीनी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने हेलीपैड स्थल का जायजा लेते हुए अफसरों को प्रोटोकॉल के तहत बैरिकेडिंग कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही सुरक्षा चेकिंग पॉइंट्स, स्वास्थ्य सुविधाओं और संचार व्यवस्थाओं को भी परखा गया। अधिकारियों को राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल के मुताबिक सभी जरूरी इंतजाम समय पर पूरे करने के निर्देश दिए गए हैं। इधर, जबलपुर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के अवसर पर राष्ट्रपति के जबलपुर आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी सिलसिले में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय की संयुक्त अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

असम-नागालैंड सीमा क्षेत्रों में तेल एवं गैस दोहन का मार्ग प्रशस्त, केंद्र और दोनों राज्यों के बीच त्रिपक्षीय समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में केंद्र, असम और नागालैंड सरकार के बीच असम-नागालैंड सीमा क्षेत्रों में खनिज तेल एवं प्राकृतिक गैस के अन्वेषण और दोहन को सुगम बनाने के लिए एक ऐतिहासिक त्रिपक्षीय समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस मौके पर केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा मौजूद रहे। इस अवसर पर अमित शाह ने कहा कि देश आज एक ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बन रहा है। उन्होंने कहा कि यह समझौता आने वाले समय में इतिहास में दर्ज किया जाएगा और इससे तेल, प्राकृतिक गैस तथा अन्य खनिज संसाधनों के दोहन की व्यापक संभावनाएं खुलेंगी। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समृद्ध और विकसित पूर्वोत्तर क्षेत्र का जो विजन रखा है, यह समझौता उसे साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि असम और नागालैंड ने राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखते हुए यह तय किया कि सीमा संबंधी मुद्दे देश के ऊर्जा संसाधनों के उपयोग में बाधा नहीं

बनेंगे और दोनों राज्य 50-50 हिस्सेदारी के मॉडल पर सहमत हुए हैं।गृह मंत्री ने कहा कि यह समझौता सहकारी संघवाद (कोऑपरेटिव फेडरलिज्म) का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने नागालैंड सरकार के उस निर्णय का स्वागत किया, जिसके तहत राज्य ने केवल छह क्षेत्रों तक सीमित रहने के बजाय पूरे प्रदेश में तेल एवं गैस की खोज के लिए भी सहमति जताई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में संबंधित क्षेत्रों में प्रतिदिन 1,000 से 1,500 बैरल उत्पादन क्षमता है, जिसे इस समझौते के बाद दस गुना से अधिक बढ़ाया जा सकता है। शाह ने कहा कि अकेले एक क्षेत्र में 15,000 करोड़ रुपये से अधिक की रिकवरी की संभावना है। यदि नागालैंड के तेल और गैस भंडारों का पूर्ण उपयोग किया जाए तो भारत इस क्षेत्र में विदेशी स्रोतों पर अपनी निर्भरता को काफी हद तक कम कर सकता है।

अमित शाह ने कहा कि लंबे समय से चले आ रहे विवादों और कानूनी अड़चनों के कारण दोनों राज्यों के आर्थिक विकास पर असर पड़ रहा था, लेकिन इस समझौते से विकास का नया मार्ग खुलेगा। उन्होंने कहा कि नागालैंड में उपलब्ध तेल और प्राकृतिक गैस संसाधनों का दोहन देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा, वहीं असम और नागालैंड के आर्थिक विकास के लिए भी नए अवसर पैदा करेगा। पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति और विकास का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि क्षेत्र में पर्यटन, निवेश और औद्योगिक गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) का दायरा लगातार घटा है और वर्तमान में पूर्वोत्तर का 80 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र इससे मुक्त हो चुका है। उन्होंने विश्वास जताया कि एक-दो राज्यों को छोड़कर अगले वर्ष पूरे पूर्वोत्तर से अफस्पा को पूरी तरह समाप्त करने की दिशा में प्रगति होगी। गृह मंत्री ने कहा कि यह समझौता केवल ऊर्जा क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर में खनिज संसाधनों के दोहन और क्षेत्रीय विकास के नए अध्याय की शुरुआत का संकेत भी देता है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत संकट प्रबंधन का वैश्विक मॉडल बनकर उभरा, जिसका विश्वभर में हो रहा शोध : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एक साधारण परिवार से निकलकर 25 वर्षों तक लगातार जनता का विश्वास प्राप्त करना भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत का प्रमाण है। उनके नेतृत्व में भारत आज संकट प्रबंधन का वैश्विक मॉडल बनकर उभरा है, जिसका विश्वभर में शोध हो रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज राजग 80 प्रतिशत भूभाग और 76 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करते हुए सुशासन और विकास की राजनीति को आगे बढ़ा रहा है। भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की बैठक में अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का स्थिरता, निरंतरता और निर्णायक नेतृत्व भारतीय इतिहास का स्वर्णिम कालखंड हैउन्होंने गुरु नानक देव जी के सत्ता को सेवा और समर्थ रामदास जी के निष्काम कर्मयोगी के संदेश को प्रधानसेवक बनकर चरितार्थ किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यह कालखंड मजबूत रीढ़ वाली विदेश नीति को स्थापित करने वाले कालखंड के रूप में जाना जाएगा। साथ ही नरेन्द्र मोदी का यह कालखंड देश के सम्मान के साथ कोई समझौता न करने वाली रक्षा नीति के निर्माण के रूप में भी जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि कोरोना का वैश्विक संकट आया, उस वक्त मोदी जी ने सामूहिक नेतृत्व का परिचय देते हुए न केवल केंद्र सरकार और उसके सभी विभागों को, बल्कि सभी राज्य सरकारों तथा 140 करोड़ देशवासियों को साथ लेकर इतने बड़े संकट से देश को बाहर निकालने का कार्य किया। मोदी जी के नेतृत्व में भारत उन देशों में शामिल हुआ, जिन्होंने सबसे पहले वैक्सीन विकसित की। भारत की कोरोना के विरुद्ध लड़ाई को मॉडल क्राइसिस मैनेजमेंट के रूप में देखा जाने लगा। उन्होंने कहा कि जब वर्ष 2014 में वह प्रधानमंत्री बने, तब उन्होंने संसद की सीढ़ियों पर माथा टेककर लोकतंत्र की सबसे बड़ी पंचायत के इस भवन को सेवा के मंदिर के रूप में परिभाषित किया और लंबे समय बाद दुनिया को हमारे संविधान की भावना से परिचित कराया। प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से स्वयं को प्रधानमंत्री के बजाय 'प्रधान सेवक' के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस कल्पना को चरितार्थ करते हुए सदैव 'राष्ट्र प्रथम' के भाव को आगे बढ़ाया।

बांग्लादेश ने रचा इतिहास, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार जीती वनडे सीरीज

मीरपुर (बांग्लादेश) (एजेंसी)। बांग्लादेश ने बृहस्पतिवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीत ली। बारिश के कारण खेल ढाई घंटे रुका रहा जिससे डकवर्थ लुईस पद्धति के अनुसार बांग्लादेश को जीत के लिए 41 ओवर में 192 रन का लक्ष्य मिला। बांग्लादेश ने 6 ओवर रहते पांच विकेट पर 195 रन बनाकर तीन मैच की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। तीसरा और आखिरी मैच रविवार को इसी मैदान पर खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत खराब रही और उसने बिना कोई रन बनाए ही तीन विकेट गंवा दिए। फिर मार्नस लाबुशेन (नाबाद 55 रन) और जेवियर बार्टलेट (52 रन) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत टीम 42 ओवर में आठ विकेट पर 187 रन के स्कोर तक पहुंच सकी। बांग्लादेश ने इसी मैदान पर डकवर्थ लुईस पद्धति से पहला मैच 86 रन से जीता था। टीम ने उस टीम में एकमात्र बदलाव करते हुए सलामी बल्लेबाज सौम्य सरकार को अंतिम एकादश में जगह दी। उन्होंने और नजमुल हुसैन शांटो ने 42-42 रन बनाए जबकि तौहीद हृदय 55 गेंद पर 40 रन बनाकर नाबाद रहे।

शांटो और सरकार ने 86 रन की साझेदारी करके टीम को संभाला। 27वें ओवर में बांग्लादेश पांच विकेट पर 144 रन के स्कोर पर लड़खड़ा गया था, लेकिन हृदय और कप्तान मेहदी हसन मिराज ने नाबाद 51 रन की अटूट साझेदारी करके सीरीज में ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी। मैच खत्म होने से ठीक पहले नाथन एलिस की एक गेंद मेहदी के हेलमेट पर लगी जिससे वह घुटनों के बल गिर गए और उन्हें उल्टी हुई। मेहदी ने स्ट्रेचर लेने से इनकार कर दिया और खेलना जारी रखा। लेकिन शांटो ने बताया कि बाद में उन्हें निगरानी के लिए अस्पताल ले जाया गया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और मैथ्यू शॉर्ट वनडे में लगातार तीसरी बार बिना खाता खोले आउट हो गए। उसके बाद कूपर कोनोली और मैट रेनशॉ भी शून्य पर आउट हो गए। वनडे इतिहास में यह केवल चौथी बार था जब किसी टीम ने बिना कोई रन बनाए अपने शुरुआती तीन विकेट गंवा दिए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने 27 रन देकर तीन विकेट और तास्किन अहमद ने 33 रन देकर तीन विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया ने 68 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। बल्लेबाजी क्रम में सातवें नंबर पर उतरे

लाबुशेन और बार्टलेट ने 103 रन की साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया की पारी को संभाला। लाबुशेन ने 14 पारियों के बाद अपना पहला वनडे अर्धशतक लगाया। उन्हें तनवीर इस्लाम ने जीवनदान दिया जब उन्होंने महज एक रन बनाया था।

जसपाल राणा की अनकही दास्तां, निशानेबाजी के महानायक के निधन से शोक की लहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाजी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने वाले दिग्गज निशानेबाज और कोच जसपाल राणा का 49 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से भारतीय खेल जगत, विशेषकर शूटिंग समुदाय में गहरा शोक व्याप्त है। राणा लंबे समय से हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे और हाल ही में उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल सूत्रों के अनुसार सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें एक जून को नई दिल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां जांच में हृदय की धमनियों में रुकावट पाई गई। हाल ही में जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित विश्व कप प्रतियोगिता से भारतीय दल के साथ लौटते समय भी उनकी तबीयत बिगड़ी थी। उपचार और स्टेंट डाले जाने के बाद उनकी स्थिति स्थिर बताई गई थी, लेकिन बाद में स्वास्थ्य में गिरावट आने से शुक्रवार तड़के उनका निधन हो गया।

जसपाल राणा भारतीय निशानेबाजी के उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल थे, जिन्होंने देश को विश्व मंच पर पहचान दिलाई। उन्होंने महज 12 वर्ष की उम्र में अपना पहला राष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने चार राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेते हुए नौ स्वर्ण सहित कुल 15 पदक अपने नाम किए। वर्ष 1994 के एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उनके करियर का सबसे यादगार प्रदर्शन 2006 के दोहा एशियाई खेलों में देखने को मिला, जहां उन्होंने तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इस दौरान उन्होंने विश्व रिकॉर्ड की बराबरी भी की थी।

हालांकि ओलंपिक पदक जीतने का सपना अधूरा रह गया, लेकिन भारतीय निशानेबाजी में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। खिलाड़ी के रूप में सफलता हासिल करने के बाद जसपाल राणा ने कोचिंग में भी उल्लेखनीय योगदान दिया। वर्ष 2012 से जूनियर पिस्टल कोच के रूप में उन्होंने कई प्रतिभाशाली निशानेबाजों को तराशा। उनकी देखरेख में सौरभ चौधरी, अनीश भानवाला और चिंकी यादव जैसे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उभरे। पिछले वर्ष उन्हें 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा का हाई-परफॉर्मेंस कोच नियुक्त किया गया था।

भारतीय निशानेबाजी की स्टार खिलाड़ी मनु भाकर की सफलता में भी जसपाल राणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पेरिस ओलंपिक में मनु भाकर द्वारा जीते गए दो कांस्य पदकों के पीछे उनके मार्गदर्शन को अहम माना जाता है। मनु उन्हें अपने पिता समान मानती थीं। जसपाल राणा का जाना भारतीय खेल जगत के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।

रियान पराग की कंधे की सर्जरी सफल

– घरेलू सत्र के शुरुआती मुकाबलों से रह सकते हैं बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के उभरते ऑलराउंडर और इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर चुके रियान पराग की दाहिने कंधे की सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में हुई इस सर्जरी को देश के प्रसिद्ध स्पोर्ट्स ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. दिनशॉ परदीवाला ने अंजाम दिया। सफल ऑपरेशन के बावजूद रियान पराग को अब लंबी पुनर्वास प्रक्रिया से गुजरना होगा, जिसके कारण उनके घरेलू सत्र 2026-27 के शुरुआती चरण में हिस्सा लेने की संभावना कम दिखाई दे रही है। पिछले कुछ महीनों में रियान पराग का क्रिकेट करियर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी करते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और अपनी नेतृत्व क्षमता से टीम को प्लेऑफ तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके बेहतरीन खेल को देखते हुए चयनकर्ताओं ने उन्हें दांबुला में आयोजित त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत ए टीम का उपकप्तान भी नियुक्त किया था। हालांकि श्रृंखला शुरू होने से ठीक पहले उन्हें गंभीर चोट का सामना करना पड़ा। मांसपेशियों और कंधे से जुड़ी समस्या के कारण वह प्रतियोगिता से बाहर हो गए। विस्तृत चिकित्सकीय जांच के बाद डॉक्टरों ने सर्जरी की सलाह दी, जिसे अब सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। उनकी अनुपस्थिति में रुतुराज गायकवाड़ को टीम में शामिल किया गया। सर्जरी के बाद अब रियान पराग की प्राथमिकता पूरी तरह फिट होकर मैदान पर वापसी करना होगी। इसके लिए उन्हें जल्द ही बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अत्याधुनिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भेजा जाएगा। वहां बोर्ड के विशेषज्ञ फिजियोथेरेपिस्ट और चिकित्सा टीम की निगरानी में उनका रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम शुरू होगा। माना जा रहा है कि उनकी रिकवरी प्रक्रिया में कुछ महीने लग सकते हैं और इसी कारण आगामी घरेलू सत्र के शुरुआती मुकाबलों में उनकी उपलब्धता संदिग्ध बनी हुई है। सर्जरी के बाद रियान पराग ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने प्रशंसकों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी। अस्पताल से साझा की गई तस्वीर के साथ उन्होंने भावुक संदेश लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सफल रहा है और अब वह एक नई चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं।

वैभव सूर्यवंशी का भारत के लिए डेब्यू खतरे में, आयरलैंड की स्थिति पर नजर रख रहा बीसीसीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी के आयरलैंड और इंग्लैंड के टी20आई दौरे पर सीनियर टीम के लिए संभावित डेब्यू को लेकर चर्चा हो रही है। सूर्यवंशी ने भारत की टी20आई टीम में चुने जाकर सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पहले ही तोड़ दिया है और अभी श्रीलंका में इंडिया ए टीम के साथ ट्राई-नेशन सीरीज में व्यस्त हैं। इस महीने के आखिर में आयरलैंड में उनके सीनियर इंडिया डेब्यू की चर्चा के बीच, वहां चल रही कम्युनिटी अशांति के कारण खतरा पैदा हो गया है।

लिस्बन में होने वाला इंटर-प्रोविंशियल टी20 फेस्टिवल पहले ही रद्द कर दिया गया है जबकि क्रिकेट आयरलैंड ने एक बयान में कहा है कि रविवार को होने वाले आयरिश सीनियर कप और नेशनल कप मैचों पर फैसला अगले 48 घंटों में लिया जाएगा। अगर स्थिति ठीक नहीं होती है तो आयरलैंड बनाम भारत सीरीज पर भी खतरा मंडरा सकता है। क्रिकेट आयरलैंड ने एक बयान में कहा, 'क्रिकेट आयरलैंड उन इलाकों में स्थिति पर नजर रख रहा है जहां अभी कम्युनिटी अशांति है और इस रविवार को होने वाले आयरिश सीनियर कप और नेशनल कप मैचों के बारे में अगले 48 घंटों में फैसला करेगा।'

बयान में आगे कहा गया, 'हम संबंधित अधिकारियों और अपनी प्रोविंशियल यूनियनों के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं। खिलाड़ियों, कोचों, मैच अधिकारियों और समर्थकों की सुरक्षा हमारे लिए सबसे जरूरी है। जैसे ही और जानकारी मिलेगी, अपडेट दिए जाएंगे।' एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) भी आयरलैंड की स्थिति पर नजर रख रहा है। अगर स्थिति में सुधार नहीं होता है, तो बोर्ड बेलफास्ट से मैच दूसरी जगह शिफ्ट करने का फैसला कर सकता है।

गौर हो कि पिछले महीने खत्म हुए इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए कुछ धमाकेदार पारियां खेलने के बाद वैभव सूर्यवंशी इंडिया ए के लिए वन-डे क्रिकेट में एक अलग अंदाज में दिखे हैं। गुरुवार को अफगानिस्तान ए के खिलाफ सूर्यवंशी ने आउट होने से पहले 22 गेंदों में 44 रन बनाए, लेकिन एक भी छक्का नहीं लगाया। [illegible] में जहां 15 साल के इस खिलाड़ी ने ज्यादातर छक्के लगाकर रन बनाए थे, वहीं अफगानिस्तान के खिलाफ उनका खेल काफी संभला हुआ दिखा, जिससे वे जमीन के सहारे शॉट खेल पाए। सूर्यवंशी की जबरदस्त कोशिश के बावजूद इस मैच में इंडिया ए को अफ़गानिस्तान ए से हार का सामना करना पड़ा।

विश्व कप के पहले मैच में ही बना लाल कार्ड का नया रिकॉर्ड

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के बीच बृहस्पतिवार को यहां खेले गए विश्व कप के उद्घाटन मैच में ही अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल की एक अनोखी घटना देखने को मिली। इस मैच में तीन खिलाड़ियों को लाल कार्ड दिखाया गया। यह भले ही विश्व कप का रिकॉर्ड नहीं है लेकिन यह उद्घाटन मैच में लाल कार्ड का नया रिकॉर्ड है। विश्व कप के किसी मैच में सर्वाधिक लाल कार्ड दिखाए जाने के रिकॉर्ड में यह मैच दूसरे स्थान पर है। पुर्तगाल और नीदरलैंड के बीच 2006 में जर्मनी में खेले गए विश्व कप के मैच में चार लाल कार्ड दिखाए गए थे। यह घटना इसलिए भी अनोखी है क्योंकि कतर में 2022 में खेले गए पिछले विश्व कप में पूरे टूर्नामेंट में केवल चार लाल कार्ड दिखाए गए थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी स्फेफेलो सिथोले और थेम्बा जवाने दोनों को लाल कार्ड दिखाया गया, जिसके चलते टीम को 9 खिलाड़ियों के साथ ही मैच समाप्त करना पड़ा।

विश्व कप 2026 : रैना ने बताई हार्दिक की चिंता, कुंबले ने की युवा प्रिंस यादव की तारीफ

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने आगामी वनडे विश्व कप 2026 से जुड़ी भारतीय टीम की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण सलाह दी है। रैना का मानना है कि चोटों से लगातार जूझ रहे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के लिए भारत को एक भरोसेमंद विकल्प तलाशना होगा और उसे प्राथमिकता के साथ तैयार किया जाना चाहिए, क्योंकि हार्दिक की फिटनेस संबंधी समस्याएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। मौजूदा समय में भी हार्दिक चोट के चलते अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से बाहर हैं। रैना ने एक चैनल पर अपनी राय व्यक्त करते हुए नितीश कुमार रेड्डी को एक उपयुक्त विकल्प बताया। उन्होंने नितीश की बल्लेबाजी में सुधार, अच्छी गति और नियंत्रण के साथ गेंदबाजी तथा बेहतरीन फिटनेस की सराहना की। रैना ने टीम प्रबंधन को उनके काम के बोझ का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करने और उन्हें लगातार अवसर प्रदान करने का सुझाव दिया। इसके अतिरिक्त, रैना ने कप्तान शुभमन गिल के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी को एक बड़ा फायदा बताया। उन्होंने कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट्स में इन दोनों खिलाड़ियों का व्यापक अनुभव, बड़े स्कोर बनाने की क्षमता और नॉकआउट मुकाबलों में दबाव संभालने का कौशल गिल के लिए अमूल्य साबित होगा। दोनों ने आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं और विश्व कप में गिल की कप्तानी में उनकी भूमिका अहम होगी। वहीं, पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने भी भारतीय एकदिवसीय टीम में युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव के चयन का स्वागत किया है। कुंबले ने कहा कि प्रिंस ने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर यह मौका हासिल किया है। उन्होंने प्रिंस की विभिन्न प्रकार की गेंदों कटर, धीमी गेंद और यॉर्कर की सराहना करते हुए उन्हें हर चरण में गेंदबाजी करने वाला गेंदबाज बताया। कुंबले ने यह भी रेखांकित किया कि युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी जगह पक्की करने के लिए लगातार अवसर दिए जाने चाहिए।

14 जून भारतीय महिला टीम करेगी पाकिस्तान के खिलाफ आगाज

- महिला टी20 विश्व कप 2026 के मैचों का पूरा शेड्यूल और प्रसारण समय

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी महिला टी20 विश्व कप 2026 का विस्तृत शेड्यूल पहले ही जारी कर दिया गया था, लेकिन भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण जानकारी यह है कि वे इन रोमांचक मुकाबलों को किस समय देख पाएंगे। इंग्लैंड की मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट के मैचों का समय भारतीय समयानुसार अब स्पष्ट हो गया है, जिससे प्रशंसकों को अपने पसंदीदा मैचों का आनंद लेने में सुविधा होगी। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट आज शुक्रवार, 12 जून, 2026 से शुरू होकर रविवार, 5 जुलाई, 2026 को फाइनल मुकाबले के साथ समाप्त होगा। उद्घाटन मैच मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। भारतीय महिला टीम, जो ग्रुप ए का हिस्सा है, अपना पहला मुकाबला रविवार, 14 जून को खेलेगी। भारतीय टीम के ग्रुप में पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, नीदरलैंड और बांग्लादेश जैसी मजबूत टीमें शामिल हैं।

भारत और इंग्लैंड के स्थानीय समय में लगभग साढ़े चार घंटे का अंतर है। जब इंग्लैंड में शाम के साढ़े छह बजते हैं, तब भारत में रात के ग्यारह बज चुके होते हैं। इसका मतलब है कि कई शुरुआती मुकाबले, जो इंग्लैंड के स्थानीय समय के अनुसार शाम को 6:30 बजे शुरू होंगे, भारतीय दर्शकों के लिए रात 11:00 बजे से लाइव उपलब्ध होंगे। हालांकि, भारतीय प्रशंसकों के लिए एक सुखद खबर यह है कि भारतीय महिला टीम के मैचों का समय भारतीय समयानुसार शाम को रखा गया है। इंग्लैंड के स्थानीय समय के अनुसार ये मैच दोपहर 2:30 बजे शुरू होंगे, जिसका अर्थ है कि भारतीय समयानुसार आप इन्हें शाम 7:00 बजे से देख पाएंगे। सेमीफाइनल और फाइनल मैच भी स्थानीय समय के अनुसार दोपहर में ही खेले जाएंगे, ताकि भारतीय दर्शकों को ये मुकाबले शाम 7:00 बजे से देखने को मिलें। यह ध्यान रखना दिलचस्प होगा कि अगर आप रात 10:00 बजे भारत में मैच देख रहे हों और आपको स्क्रीन पर धूप दिख रही हो, तो चौंकने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि उस समय इंग्लैंड में दोपहर का समय होगा। प्रशंसकों को इन महत्वपूर्ण तिथियों और समय को अभी से नोट कर लेना चाहिए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : पीवी सिंधु ने चीनी ताइपे की चेन सु यू को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

सिडनी। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने शुक्रवार को यहां ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स शानदार जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने चीनी ताइपे की चेन सु यू को एकतरफा क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 21-6, 21-14 से हराया, यह मुकाबला सिर्फ 27 मिनट तक चला। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन सिंधु का अगला मुकाबला जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची से होगा जिन्होंने भारतीय टीनएजर तन्वी शर्मा के शानदार सफर को 32 मिनट में 21-14, 21-14 से हराकर खत्म किया। दिलचस्प बात यह है कि सिंधु का वर्ल्ड नंबर 3 जापानी खिलाड़ी के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 15-13 का है, जिसमें वह थोड़ी आगे हैं। सिंधु ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और अपनी बेहतर पहुंच और कोर्ट कवरेज का इस्तेमाल करते हुए अपनी प्रतिद्वंद्वी को लगातार दबाव में रखा। उन्होंने पहला गेम आसानी से जीता और दूसरे गेम में भी अपनी लय बनाए रखते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। सेमीफाइनल में पहुंचना सिंधु के लिए एक बड़ी बात है, क्योंकि उनका सीजन उतार-चढ़ाव भरा रहा है और वह [illegible] वर्ल्ड टूर पर अपनी लय पाने की कोशिश कर रही हैं। साथ ही वह दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल के बाद से अपने पहले खिताब की तलाश में हैं। इससे पहले सिंधु ने प्री-क्वार्टर फाइनल में अपनी ही देश की खिलाड़ी इशारानी बरुआ को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

भारतीय तेज गेंदबाज आकाशदीप 24 जून को रचाएंगे शादी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप जल्द ही अपने जीवन की नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। मैदान पर अपनी तेज गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान करने वाले आकाशदीप अब विवाह बंधन में बंधने की तैयारी में हैं। जानकारी के अनुसार वह 24 जून को अपनी मंगेतर अक्षिता के साथ सात फेरे लेंगे। शादी समारोह बिहार के रोहतास जिले में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित किया जाएगा। आकाशदीप की होने वाली पत्नी अक्षिता डेहरी-ऑन-सोन के मानिकपुर गांव की निवासी हैं। दोनों परिवारों की सहमति से यह विवाह संपन्न होगा। शादी को लेकर दोनों परिवारों में तैयारियां जोरों पर चल रही हैं और रिश्तेदारों के आने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। विवाह समारोह को पारंपरिक और पारिवारिक माहौल में आयोजित करने की योजना बनाई गई है। सूत्रों के अनुसार शादी से पहले विभिन्न रस्में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न होंगी। 21 जून को तिलक समारोह आयोजित किया जाएगा, जबकि 22 जून को मेहंदी की रस्म होगी। इसके बाद 23 जून को हल्दी समारोह का आयोजन किया जाएगा। इन सभी कार्यक्रमों में परिवार के सदस्य, करीबी रिश्तेदार और मित्र शामिल होंगे। 24 जून को आकाशदीप बारात लेकर अक्षिता के घर पहुंचेंगे और विवाह की सभी परंपराओं का पालन करते हुए दोनों जीवनसाथी बनेंगे। आकाशदीप का पैतृक गांव रोहतास जिले का बड्डी गांव है, जहां विवाह से जुड़ी कई रस्में संपन्न की जाएंगी। स्थानीय लोगों में भी इस शादी को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। क्रिकेट के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके आकाशदीप की इस खुशखबरी से उनके प्रशंसकों में भी खुशी का माहौल है। भारतीय टीम के लिए खेलते हुए आकाशदीप ने अपनी तेज और सटीक गेंदबाजी से कई बड़े बल्लेबाजों को परेशानी में डाला है।

फीफा विश्व कप : मैक्सिको की धमाकेदार शुरुआत, दक्षिण अफ्रीका को से हराया

मैक्सिको सिटी (एजेंसी)। सह मेजबान मैक्सिको ने अब तक के सबसे बड़े फुटबॉल विश्व कप के उद्घाटन मैच में दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराकर अपने अभियान की धमाकेदार शुरुआत की। इस बार विश्व कप में 48 टीम भाग ले रही हैं और खचाखच भरे एज़्टेका स्टेडियम में मैक्सिको की टीम पर अपेक्षाओं का दबाव होना स्वाभाविक था। लेकिन उसके खिलाड़ियों ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई और दक्षिण अफ्रीका को आसानी से हराकर अपने प्रशंसकों को जमकर जश्न मनाने का मौका दिया।

इस मैच में तीन खिलाड़ियों को लाल कार्ड भी दिखाए गए। जूलियन क्विनोनेस (नौवें मिनट) और राउल जिमेनेज (66वें) ने मैक्सिको के लिए गोल किए, जो कनाडा और अमेरिका के साथ इस टूर्नामेंट की सह-मेजबानी कर रहा है। मैक्सिको के कोच जेवियर अगुइरे ने मैच के बाद कहा, 'मैंने उन्हें यह समझाने की कोशिश की कि विश्व कप और घरेलू मैदान पर पहला मैच खेलने का क्या मतलब होता है। वे युवा हैं और उन्हें खुद इसका अनुभव करना था।'

मैक्सिको चार साल पहले कतर में खेले गए विश्व कप में ग्रुप चरण से बाहर हो गया था। इससे पहले उसकी टीम लगातार सात बार अंतिम 16 में पहुंचने में सफल रही लेकिन क्वार्टर फाइनल में नहीं पहुंच पाई थी। लेकिन इस साल उम्मीद की किरण है। मैक्सिको अब तक केवल दो बार 1970 और 1986 में विश्व कप के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचा है। इन दोनों अवसरों पर वह मेजबान देश था। अगुइरे 1986 की टीम का हिस्सा थे।

मैक्सिको ने 80,824 दर्शकों की उपस्थिति में आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और नौवें मिनट में क्विनोनेस के गोल से बढ़त बना ली। जिमेनेज ने 66वें मिनट में हेडर से दूसरा गोल दागा। यह मैक्सिको के लिए उनका 46वां लेकिन तीन विश्व कप में पहला गोल था। जिमेनेज़ इस गोल से मैक्सिको की तरफ से सर्वाधिक गोल करने के मामले में जारेड बोर्गेटी के साथ दूसरे स्थान पर आ गए हैं। वह शीर्ष पर काबिज जेवियर हर्नांडेज़ से छह गोल पीछे हैं।

अगुएरे ने कहा, 'हमने पहले हाफ में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन अगर हम हाफ टाइम तक 3-0 की बढ़त बना लेते तो किसी को कोई शिकायत नहीं होती। हमने उनसे कहीं बेहतर खेल दिखाया।' दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी स्फेफेलो सिथोले और थेम्बा ज़वाने दोनों को लाल कार्ड दिखाया गया, जिसके चलते टीम को नौ खिलाड़ियों के साथ ही मैच समाप्त करना पड़ा। इसके बाद मैक्सिको के डिफेंडर सेसार मोंटेस को भी इंजरी टाइम में लाल कार्ड मिला।

विश्व कप टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में पहली बार तीन लाल कार्ड दिखाए गए। विश्व कप के किसी मैच में सर्वाधिक लाल कार्ड दिखाए जाने के मामले में यह मैच दूसरे स्थान पर है। पुर्तगाल और नीदरलैंड के बीच 2006 में जर्मनी में खेले गए विश्व कप के मैच में चार लाल कार्ड दिखाए गए थे। मैक्सिको के अब ग्रुप ए में तीन अंक हो गए हैं और वह अगले गुरुवार को ग्वाडलजारा में दक्षिण कोरिया के खिलाफ खेलेगा। दक्षिण अफ्रीका उसी दिन अटलांटा में चेक गणराज्य का सामना करेगा।

इंडियन आइडल की जज बनीं नेहा कक्कड़

बॉलीवुड की लोकप्रिय गायिका नेहा कक्कड़ आज देश की सबसे चर्चित सिंगर्स में गिनी जाती हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें पहचान बनाने के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा। उनकी जिंदगी का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि जिस रियलिटी शो में वह एक कंटेस्टेंट के रूप में हिस्सा लेकर बाहर हो गई थीं, बाद में उसी शो में जज की कुर्सी तक पहुंचीं। नेहा कक्कड़ का परिवार एक छोटे से किराए के घर में रहता था। संगीत से जुड़े माहौल में पली-बढ़ीं नेहा को बचपन से ही गाने का शौक था। उनकी बड़ी बहन सोनू कक्कड़ और भाई टोनी कक्कड़ भी संगीत से जुड़े रहे हैं। महज चार साल की उम्र में नेहा ने धार्मिक आयोजनों और जागरणों में गाना शुरू कर दिया था। छोटी उम्र में ही वह परिवार के साथ मंच पर भजन गाती थीं। धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया और उन्होंने गायकी को ही अपना भविष्य बनाने का फैसला किया। बेहतर अवसरों की तलाश में परिवार दिल्ली आया और बाद में नेहा अपने भाई टोनी कक्कड़ के साथ मुंबई पहुंच गईं। यहां उन्हें कई बार निराशा का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। साल 2005 में नेहा ने 'इंडियन आइडल' में हिस्सा लिया, लेकिन वह आगे नहीं बढ़ सकीं और शुरुआती दौर में ही बाहर हो गईं। उस समय शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यही लड़की एक दिन उसी मंच पर जज बनकर बैठेगी।

शो से बाहर होने के बाद नेहा ने छोटे-बड़े कई प्रोजेक्ट्स में काम किया। साल 2008 में उनका पहला म्यूजिक एल्बम 'नेहा द रॉकस्टार' रिलीज हुआ। इसी दौरान उन्होंने फिल्म 'मीराबाई नॉट आउट' में कोरस सिंगिंग की। इसके बाद उन्हें कई फिल्मों और म्यूजिक प्रोजेक्ट्स में काम मिलने लगा। फिल्म 'कॉकटेल' का गाना 'सेकंड हैंड जवानी' उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ। इस गाने ने उन्हें देशभर में पहचान दिलाई। इसके बाद सफलता का सिलसिला लगातार आगे बढ़ता गया। 'लंदन ठुमकदा', 'सनी सनी', 'काला चश्मा', 'दिलबर' और 'आंख मारे' जैसे गानों ने उन्हें बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय आवाजों में शामिल कर दिया। उनकी गायकी को देश ही नहीं, विदेशों में भी पसंद किया जाने लगा। सोशल मीडिया और यूट्यूब पर भी उनकी बड़ी फैन फॉलोइंग बनी। नेहा को उसी 'इंडियन आइडल' में जज बनने का मौका मिला, जहां कभी वह कंटेस्टेंट के रूप में बाहर हो गई थीं। उन्होंने कई सीजन में जज की भूमिका निभाई और नए प्रतिभाशाली गायकों को मार्गदर्शन दिया।

तापसी पन्नू को नहीं मिल रहे खास तरह के रोल

शाहरुख को लेकर कहा

तापसी पन्नू ने हाल ही में एक अहम मुद्दे पर बात की है। वह महिला कलाकारों के साथ हो रहे भेदभाव का जिक्र करती हैं। खुद भी वह ऐसी ही चुनौती का सामना कर रही हैं। तापसी का कहना है कि बढ़ती उम्र के कारण उन्हें कुछ खास तरह के किरदार ऑफर ही नहीं हो रहे हैं, मेकर्स को लगता है कि वो ऐसे किरदारों के लिए बड़ी हैं।

सिनेमा इंडस्ट्री में होता है उम्र को लेकर भेदभाव

हालिया इंटरव्यू में तापसी पन्नू कहती हैं, 'जब तक आप इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाते हैं, तब तक आप 30 साल के हो चुके होते हैं। फिर वे कहते हैं कि आप रोमांटिक-कॉमेडी में काम करने के लिए उतने यंग नहीं हैं। लेकिन मेल एक्टर्स के मामले में ऐसा नहीं होता है। इंडस्ट्री में उम्र को लेकर भेदभाव एक बड़ी बात है।'

तापसी पन्नू करियर फ्रंट पर क्या कर रही हैं?

तापसी पन्नू की हाल ही में एक फिल्म 'अस्सी' रिलीज हुई, इसमें उन्होंने एक वकील का रोल किया। यह फिल्म दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराध को लेकर एक बड़ी बहस छेड़ती है। तापसी पन्नू 'वो लड़की है कहां' और 'गांधारी' जैसी फिल्मों में भी नजर आएंगी।

शाहरुख का दिया उदाहरण

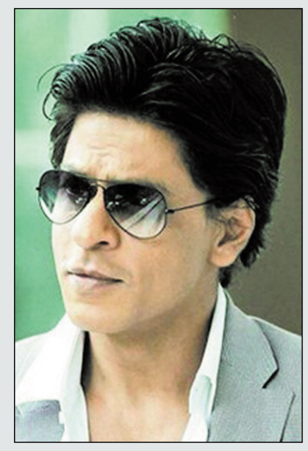

आगे तापसी पन्नू कहती हैं, 'साउथ में भी मेरे साथ ऐसा होता था। जैसे ही मुझे किसी सीनियर एक्टर के अपोजिट कास्ट किया जाता, यंग एक्टर मेरे साथ काम नहीं करना चाहते थे।' तापसी फिर बॉलीवुड का जिक्र करते हुए कहती हैं, 'शाहरुख खान के बारे में तो आप ऐसी बात कहने की हिम्मत भी नहीं कर सकते हैं।' इस तरह तापसी ने जाहिर किया दिया कि उम्र को लेकर भेदभाव सिर्फ एक्ट्रेसेस के साथ होता है, मेल एक्टर्स के करियर पर उम्र बढ़ने का कोई असर नहीं होता है।

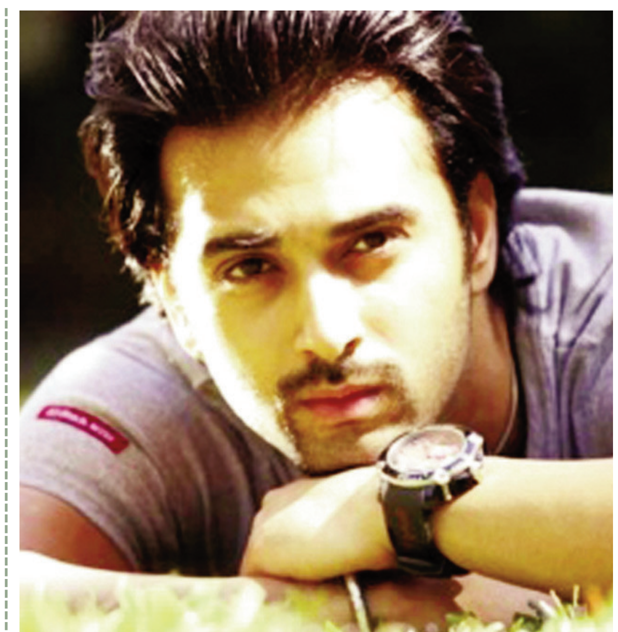

पुलकित सम्राट ने पूरी की अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग

अभिनेता पुलकित सम्राट ने निर्देशिका स्नेहा तौरानी द्वारा निर्देशित और रमेश तौरानी की टिप्स फिल्म्स के बैनर तले बन रही अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। हालांकि फिल्म की आधिकारिक घोषणा का अभी इंतजार है, लेकिन सूत्रों के अनुसार फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब केवल एक गाने की शूटिंग बाकी है।

फिलहाल अपने प्रोडक्शन के अंतिम चरण में पहुंच चुका पुलकित सम्राट का यह प्रोजेक्ट दर्शकों के एक कदम और करीब आ गया है। वैसे पिछले साल जब पुलकित का नाम इस प्रोजेक्ट से जुड़ा था, तब से ही फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई थी, लेकिन इस खबर के साथ ही दर्शकों की उत्सुकता अब चरम पर पहुंच चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि बॉलीवुड के सबसे सफल प्रोडक्शन हाउसेज़ में से एक टिप्स फिल्म्स के साथ एक उभरती हुई निर्देशिका और अपने करियर के मजबूत दौर से गुजर रहे अभिनेता का यह सहयोग इंडस्ट्री में पहले ही चर्चा का विषय बन चुका है।

हालांकि पुलकित की इस फिल्म की शूटिंग पूरी होने की खबर भी ऐसे समय में आई है, जब पुलकित को उनकी हालिया रिलीज 'ग्लोरी' में दमदार प्रदर्शन के लिए काफी सराहना मिल रही है। गौरतलब है कि इस प्रोजेक्ट में एक बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आए पुलकित को उनके फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन और अभिनय के लिए दर्शकों ने खूब पसंद किया है। सिर्फ यही नहीं इस किरदार ने एक कलाकार के रूप में पुलकित की न सिर्फ एक नई छवि पेश की है, बल्कि चुनौतीपूर्ण व विविध भूमिकाएं निभाने की उनकी प्रतिष्ठा को भी और मजबूत किया है। सालों से अलग-अलग शैलियों में प्रयोग करते आए पुलकित सम्राट ने कमर्शियल एंटरटेनर्स के साथ-साथ परफॉर्मेंस आधारित किरदारों के बीच संतुलन बनाए रखा है। यही वजह है कि 'ग्लोरी' से मिली इस नई रफ्तार के बाद अब दर्शकों के बीच टिप्स फिल्म्स के साथ उनकी इस नई फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है। फिलहाल शूटिंग के बाद अंतिम चरण में पहुंच चुकी इस फिल्म में पुलकित सम्राट को बतौर मुख्य अभिनेता एक और दिलचस्प किरदार निभाते देखना वाकई आँखों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होगा। फिलहाल मेकर्स की ओर से आने वाले महीनों में फिल्म की आधिकारिक घोषणा किए जाने की संभावना है।

क्या गौतम तिन्ननुरी की फिल्म में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना?

कर्नाटक संगीत की महान गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी की जिंदगी पर एक बायोपिक फिल्म बनने जा रही है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभा सकती हैं।

मुख्य अभिनेत्री को लेकर सस्पेंस

फिल्म में मुख्य भूमिका कौन निभाएगा, इसे लेकर अभी अलग-अलग जानकारी आ रही हैं। रश्मिका मंदाना को एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक के लिए चुना गया है। बताया जा रहा है कि हाल ही में इसके लिए उनके घर पर एक लुक टेस्ट भी हुआ है। हालांकि, कुछ समय पहले यह जानकारी आई थी कि रश्मिका या साई पल्लवी की जगह रुक्मिणी वसंत को इस रोल के लिए साइन किया गया है। लेकिन सबसे पहले चर्चा थी कि साई पल्लवी यह किरदार निभाएंगी और उन्होंने इसके लिए कर्नाटक संगीत सीखना भी शुरू कर दिया है। बहरहाल, फिल्म मेकर्स की तरफ से अभी तक किसी भी नाम पर आधिकारिक पुष्टि नहीं दी है।

बायोपिक का निर्देशन

एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक पर बन रही इस फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्ननुरी करेंगे। गौतम तिन्ननुरी को सुपरहिट फिल्म 'जर्सी' बनाने के लिए जाना जाता है। गौतम काफी समय से इस कहानी पर रिसर्च कर रहे हैं।

'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी रश्मिका

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसके लिए रश्मिका ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया है। फिल्म 'कॉकटेल 2', 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं ।

शोभिता धुलिपाला ने आलोचकों को दिया करारा जवाब

नागा चैतन्य के साथ रिश्ते और शादी को लेकर लंबे समय से सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना कर रहीं शोभिता धुलिपाला ने आखिरकार आलोचकों को करारा जवाब दिया है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि 'अब मुझे लोगों की बातों से फर्क नहीं पड़ता। मैं अपनी जिंदगी के बेहद खूबसूरत दौर में हूं।' बता दें कि शोभिता और नागा चैतन्य के रिश्ते की चर्चा साल 2022 में शुरू हुई थी। इसके बाद अगस्त 2024 में दोनों ने सगाई की और उसी साल दिसंबर में शादी कर ली। हालांकि, इस रिश्ते को लेकर शोभिता को लगातार सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। शोभिता ने आगे कहा कि 'लोगों की दिलचस्पी और चर्चाओं को मैं उत्सुकता के तौर पर देखती हूं। मैं बस अपनी जिंदगी जी रही थी और मुझे समझ नहीं आता कि लोग मुझसे कैसी प्रतिक्रिया की उम्मीद कर रहे हैं। समय के साथ मुझे अपनी पहचान और मानसिक मजबूती का बेहतर एहसास हो गया है।'

अपनी अच्छे एक्टर वाली छवि को बदलना चाहते हैं ऋतिक रोशन

बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन अब अपनी अच्छे एक्टर वाली छवि को बदलना चाहते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इशारा किया है कि वह अब सीधे-साधे और हमेशा सही रहने वाले किरदारों से हटकर कुछ अलग और गंभीर यानी ग्रे शेड की भूमिकाएं करना चाहते हैं। ऋतिक ने माना कि डायरेक्टर अक्सर उन्हें सिर्फ पॉजिटिव रोल ही ऑफर करते हैं, जिससे वे थोड़े निराश हैं।

इंस्टाग्राम पर शेयर की दिल की बात

ऋतिक ने पेरिस की एक खूबसूरत सड़क से अपनी एक सेल्फी शेयर की, जिसके बैकग्राउंड में एफिल टावर दिख रहा है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 'मुझसे अभी पूछा गया कि मैं किस तरह का रोल करना चाहता हूं। जब मुझे इसका जवाब मिला, तो मैं खुद भी हैरान रह गया। क्या आपको फिल्म 'लक बाय चांस' का जफ्फर याद है? मुझे वैसा ही रोल चाहिए।' ऋतिक ने आगे लिखा, 'अगर मुझे ऐसा कोई मौका मिला, तो मैं उसे तुरंत अपना लूंगा। लेकिन दुख की बात है कि डायरेक्टर मुझे सिर्फ अच्छे इंसान के रोल में ही देखना चाहते हैं।'

क्या था 'जफ्फर' का किरदार?

साल 2009 में आई निर्देशक जोया अख्तर की फिल्म 'लक बाय चांस' में ऋतिक ने 'जफ्फर' नाम के एक मतलबी और घमंडी सुपरस्टार का छोटा सा रोल निभाया था। भले ही वह रोल छोटा था, लेकिन लोगों को बहुत पसंद आया था। ऋतिक की इस पोस्ट को देखकर जोया अख्तर ने तुरंत कमेंट में लिखा, 'चलो, कॉफी पर मिलते हैं।'

ऋतिक रोशन के आने वाले प्रोजेक्ट्स

ऋतिक को आखिरी बार फिल्म 'वॉर 2' में देखा गया था, जिसे बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली। आने वाले समय में वे इन बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे। 'कृष 4' सुपरहिट सुपरहीरो फिल्म से ऋतिक पहली बार निर्देशन के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। इस फिल्म को यश राज फिल्म्स और राकेश रोशन मिलकर बना रहे हैं। इसके अलावा ऋतिक अपनी वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम 'स्टॉर्म' है। 'स्टॉर्म' से ऋतिक अब ओटीटी की दुनिया में भी कदम रख रहे हैं। 'स्टॉर्म' मुंबई पर आधारित एक थ्रिलर सीरीज है।

'कांटे 2' को लेकर गंभीरता से काम कर रहे हैं संजय गुप्ता

निर्देशक संजय गुप्ता ने पुष्टि की है कि वह अपनी चर्चित फिल्म 'कांटे' के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि 'कांटे 2' की कहानी का शुरुआती खाका तैयार कर लिया गया है और अब वह इसकी स्क्रिप्ट लिखने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। संजय गुप्ता और संजय दत्त लंबे समय से साथ काम करते रहे हैं। दोनों ने 'आतिश', 'जंग', 'खौफ', 'कांटे', 'मुसाफिर', 'जिंदा' और 'दस कहानियां' जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। संजय का मानना है कि संजय दत्त में आज भी किसी फिल्म को अपने दम पर सफल बनाने की क्षमता है। निर्देशक ने यह भी खुलासा किया कि 'कांटे' लंबे समय तक कानूनी विवाद में फंसी रही, जिसके कारण सीक्वल पर काम आगे नहीं बढ़ पाया। अब यह मामला सुलझ चुका है, जिससे वह फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर गंभीरता से काम कर रहे हैं।

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें। जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।

सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी सेंसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर, भीनी-भीनी खुशबू से आएंगी जीवन में खुशियां

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकुन के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं। पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।

फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्डे बल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।

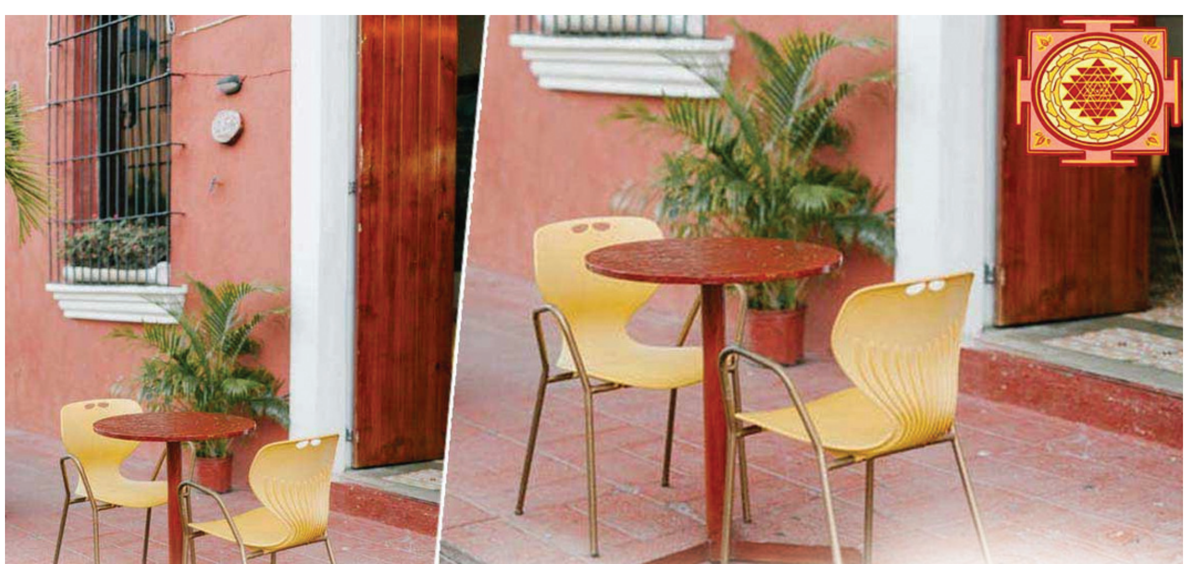

घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय वास्तु के इन टिप्स का रखें ध्यान

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का ख्याल रखा जाना चाहिए

कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं,, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या सेंसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाते समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।

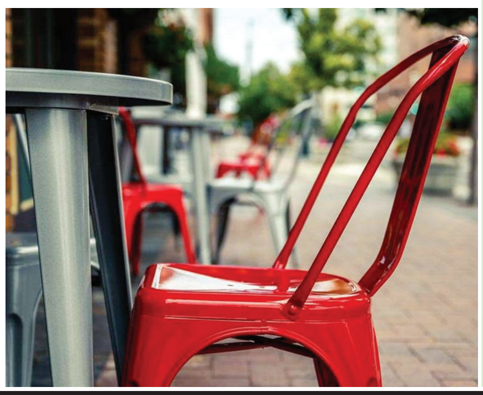

1 नहीं बल्कि 3 तरीकों से उगाया जा सकता है फ्रेश हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से। जी हां, आपने सही पढ़ क्योंकि आज आप इस लेख में जानने वाले हैं घर पर आसानी से हरा धनिया कैसे उगाया जा सकता है

सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं। (सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल) आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।

हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती हैं। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

धनिया उगाने का आसान तरीका

आवश्यक सामग्री- कंटेनर/गमला/ प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

विधि - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं। गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं।

मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें।

बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।